शर्मा हार्डवेयर
SHARMA HARDWARE
Sharma Gali, SJ Road
Athgaon, Guwahati-01
98648-02947

E-Paper : www.goodluckpublications.com, • www.vbslive.in
हिंदी दैनिक
गुवाहाटी, नई दिल्ली, शिमला और जम्मू से एकसाथ प्रकाशित

विकसित भारत समाचार

राष्ट्र निर्माण में प्रयत्नशील

वर्ष : 11 | अंक : 108 | गुवाहाटी | रविवार, 17 नवंबर, 2024 | मूल्य : 10 रुपए | पृष्ठ : 8 | VIKSIT BHARAT SAMACHAR | Regd. RNI No. ASSHIN/2014/56526

मुख्यमंत्री हिमंत ने धनबाद में इंडी गठबंधन पर बोला हमला पेज 2
गुवाहाटी सहित राज्य के विभिन्न जिलों में गया राष्ट्रीय प्रेस दिवस पेज 3
कानपुर में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के रोड शो में उमड़ा जनसैलाब, योगी ... पेज 5
बांग्लादेश टेस्ट के लिए वेस्टइंडीज की टीम घोषित, केविन सिंक्लेयर की वापसी पेज 7

Door graphy
S.S. Traders
Suppliers in : All kinds of Door Fittings Modular Kitchen & Accessories, etc.
D. Neog Path, Near Dona Planet ABC, G.S. Road, Guwahati - 05
97079-99344

सुप्रभात

राज्य का आधार अपनी इंद्रियों पर विजय पाना है।
– आचार्य चाणक्य

न्यूज गैलरी

झांसी मेडिकल कॉलेज में आग, 10 नवजात की मौत

झांसी (हि.स.)। उत्तर प्रदेश के झांसी मेडिकल कॉलेज में देररात करीब 10 बजकर 45 मिनट पर नवजात शिशु गहन चिकित्सा केंद्र शॉर्ट सर्किट के चलते आग लग गई। इस हादसे में केंद्र में भर्ती 10 बच्चों की मौत हो गई। 37 बच्चों को सुरक्षित निकाल लिया गया। घटना की जांच मंडलायुक्त और डीआईजी के नेतृत्व में की जा रही है। 12 घंटे में इसकी रिपोर्ट सौंपने -शेष पृष्ठ दो पर

बिजनौर में सड़क हादसा दूल्हा-दुल्हन समेत सात लोगों की मौत

बिजनौर (हि.स.)। उत्तर प्रदेश के बिजनौर जिले में शुक्रवार देर रात करीब 2.30 बजे एक कार ने ऑटो में जोरदार टक्कर मार दी। इस हादसे में दूल्हा-दुल्हन सहित सात लोगों की मौत हो गयी, जबकि दो लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। जान गंवाने वाले सभी लोग ऑटो में सवार थे। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने इस हादसे पर दुख व्यक्त किया है और जिला प्रशासन को पीड़ितों को आवश्यक -शेष पृष्ठ दो पर

मणिपुर मुठभेड़ : मारे गए पीड़ितों के शव सौंपने को लेकर एमएमसीएच में अफरा-तफरी

सिलचर। असम के सिलचर मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल (एसएमसीएच) परिसर में शनिवार सुबह मणिपुर के जिरीबाम जिले के निवासियों के शव सौंपे जाने को लेकर अफरा-तफरी मच गई। ये निवासी 11 नवंबर को केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) के साथ मुठभेड़ में मारे गए थे। आधिकारिक रिपोर्टों के अनुसार, शवों को 12 नवंबर को एसएमसीएच लाया गया और अगले दो दिनों में पोस्टमॉर्टम किया गया। हालांकि, जिरीबाम और असम के करीब 400 स्थानीय लोग 12 नवंबर से ही एसएमसीएच में डेरा डाले हुए थे और पुलिस को शव ले जाने से रोक रहे थे। सुबह करीब 10 बजे कुछ वरिष्ठ पुलिस अधिकारी अतिरिक्त बलों के साथ एसएमसीएच पहुंचे और शवों को मुर्दाघर से बाहर निकालने की प्रक्रिया शुरू हुई। लेकिन प्रदर्शनकारी मुर्दाघर के सामने बैठ गए और पुलिस को अंदर जाने से रोक दिया। उन्होंने कहा कि वे चाहते हैं कि शव वहीं सौंपे जाएं, लेकिन पुलिस और अन्य सरकारी अधिकारियों ने कहा कि शव मणिपुर के चुराचांदपुर में सौंपे जाएंगे। एक प्रदर्शनकारी ने कहा कि हम पिछले पांच दिनों से यहां इंतजार कर रहे हैं, हम शवों को हवाई मार्ग से ले जाने की अनुमति नहीं देंगे। कृपया उन्हें यहां सौंप दें, हम चले जाएंगे। सरकारी अधिकारियों और पुलिस ने उन्हें समझाने की कोशिश की लेकिन करीब एक घंटे की बातचीत के बाद पुलिस ने प्रदर्शनकारियों को खदेड़ना शुरू कर दिया। प्रदर्शनकारियों ने भी उन्हें पीछे धकेला और

कुछ पुलिस अधिकारी जमीन पर गिर गए, जिसके बाद लाठीचार्ज करना पड़ा। इससे अफरातफरी मच गई और प्रदर्शनकारियों ने पुलिस पर पथराव शुरू कर दिया, जिससे पुलिस को पीछे हटना पड़ा। इसके बाद असम के पुलिस महानिरीक्षक (कानून एवं व्यवस्था) प्रशांत कुमार भुइयां और कछार के पुलिस अधीक्षक नुमाल महत्ता ने प्रदर्शनकारियों से बात की और उन्हें सहयोग करने के बारे में निर्णय लेने के लिए 15 मिनट का समय दिया। महत्ता ने कहा कि यह मणिपुर नहीं है, यह असम है और हम इस तरह की हिंसा की अनुमति नहीं देंगे। शव मणिपुर से आए थे और उन्हें मणिपुर के चुराचांदपुर भेजना हमारा कर्तव्य है। अगर आप अंतिम संस्कार में शामिल होना चाहते हैं, तो आप -शेष पृष्ठ दो पर

शांति बहाली के लिए केंद्र ने सुरक्षा बलों को दिए आवश्यक कदम उठाने के निर्देश

नई दिल्ली। मणिपुर में शांति बहाल करने के लिए केंद्रीय गृह मंत्रालय ने कड़ा रुख अपनाया है। मंत्रालय ने सभी सुरक्षा बलों को शांति बहाली के लिए कड़े कदम उठाने के निर्देश दिए हैं। निर्देशों में कहा गया है कि राज्य में हिंसक गतिविधियों में शामिल होने या हिंसा करने वाले व्यक्तियों पर कड़ी कार्रवाई की जाए। गृह मंत्रालय ने राज्य की गतिविधियों को नाजुक बताते हुए ठोस कदम उठाने के लिए कहा गया। मणिपुर में जातीय हिंसा शुरू होने के बाद से स्थिति गंभीर बनी हुई है। पिछले सोमवार को सुरक्षा बलों के साथ मुठभेड़ में 11 संदिग्ध उग्रवादी मारे गए। इन उग्रवादियों ने काले कपड़ने पहने हुए -शेष पृष्ठ दो पर

सात जिलों में लगा कर्फ्यू, इंटरनेट भी बंद

इंफाल। हिंसा प्रभावित मणिपुर के इंफाल पश्चिम और इंफाल पूर्व में कर्फ्यू लगा दिया गया और सात जिलों में इंटरनेट सेवाएं बंद कर दी गईं, क्योंकि घाटी के जिलों में छह लोगों की हत्या के खिलाफ ताजा विरोध प्रदर्शन शुरू हो गए हैं, जिनके शव कथित तौर पर उग्रवादियों द्वारा अपहरण किए जाने के बाद जिरीबाम में मिले थे। पूर्वोत्तर राज्य में मौजूदा स्थिति -शेष पृष्ठ दो पर

पुलिस को सेवा और सुरक्षा करने वाले बल में बदलना होगा : सीएम

गुवाहाटी (हि.स.)। मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा ने कहा है कि पुलिस को सेवा और सुरक्षा करने वाले बल में बदलना होगा। मुख्यमंत्री ने सोशल मीडिया के जरिए आज कहा कि असम पुलिस को सड़कों पर आम नागरिकों के खिलाफ अनावश्यक बल का उपयोग नहीं करना चाहिए। इसके विपरीत, पुलिस को गरिमा और सम्मान के साथ लोगों की सेवा और सुरक्षा करने वाले बल में बदलना होगा। अनियंत्रित सत्ता के वे दिन अब अतीत हो चुके हैं। उन्होंने कहा कि समाज अब पुलिस द्वारा सुरक्षा के लिए किए गए लोगों के खिलाफ अधिकार या हिंसा -शेष पृष्ठ दो पर

जनसंपर्क मंत्री पीयूष ने राष्ट्रीय प्रेस दिवस पर दी शुभकामनाएं

गुवाहाटी (हि.स.)। राष्ट्रीय प्रेस दिवस के अवसर पर असम सरकार के सूचना और जनसंपर्क मंत्री पीयूष हजारिका ने राज्य के पत्रकारों के साथ-साथ समाचार सेवा से जुड़े सभी लोगों को हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं दी हैं। उन्होंने कहा कि भारत में मीडिया का ऐतिहासिक महत्व है। लोकतांत्रिक प्रणाली को मजबूत करके एक मजबूत राष्ट्र के निर्माण में मीडिया की महत्वपूर्ण भूमिका है। मंत्री ने राज्य के पत्रकारों से और अधिक जिम्मेदारी के साथ सेवा जारी रखने का भी आग्रह किया।

झारखंड में गरजे मुख्यमंत्री हिमंत, कहा–

नमाज के लिए छुट्टी मिल सकती है तो हनुमान चालीसा पढ़ने के लिए क्यों नहीं

रांची। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के खिलाफ एक बड़ा बयान दिया है, जिसमें उन्होंने शुक्रवार को स्कूलों की छुट्टी और मंगलवार को छुट्टी के मुद्दे पर सवाल उठाया। उनका कहना था कि अगर उनके लिए (मुस्लिम समुदाय) के लिए शुक्रवार को स्कूलों की छुट्टी दी जा सकती है तो हिन्दू समुदाय के लिए मंगलवार को छुट्टी क्यों नहीं हो सकती? असम के

मुख्यमंत्री ने कहा कि स्कूल कब बंद होते हैं, रविवार को या शुक्रवार को? मैं हेमंत सोरेन से पूछना चाहता हूं कि अगर आप मुस्लिम समुदाय के लिए शुक्रवार को छुट्टी दे सकते हैं तो हमारे बच्चों के लिए भी मंगलवार को स्कूल बंद क्यों नहीं कर सकते? उन्होंने इस बयान को झारखंड में विधानसभा चुनाव प्रचार के दौरान दिया। हिमंत विश्व शर्मा ने आगे कहा कि हम हिन्दू साम्प्रदायिक -शेष पृष्ठ दो पर

सीजफायर के लिए सशर्त तैयार हमास

गाजा सीटि। हमास ने गाजा में *तत्काल युद्ध विराम* के लिए तत्परता व्यक्त की, लेकिन कहा कि इजरायल गंभीर युद्ध विराम करने में विफल रहा। हमास प्रमुख बासम नैम ने कहा कि इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू द्वारा सैन्य कार्रवाई का विकल्प चुनने से पहले जुलाई में चर्चा किए गए संभावित युद्ध विराम समझौते के पूरा होने के करीब है। नैम ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प से इजरायल पर युद्ध विराम के लिए सहमत होने और हिंसा को समाप्त करने के लिए दबाव डालने का भी आग्रह किया। -शेष पृष्ठ दो पर

प्रथम बोड़ोलैंड महोत्सव के उद्घाटन में पीएम की उपस्थिति एक स्मरणीय क्षण : दीपेन बोड़ो

गुवाहाटी। प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी ने आज असम के राज्यपाल लक्ष्मण प्रसाद आचार्य, दीपेन बोड़ो, अध्यक्ष, आब्सू; प्रमोद बोड़ो, सीईएम, बोड़ोलैंड प्रादेशिक क्षेत्र (बीटीआर), न केवल बोड़ोलैंड में बल्कि असम, पश्चिम बंगाल और नेपाल के अन्य हिस्सों में भी रहनेवाले बोड़ो समुदाय के 5000 लोगो की उपस्थिति के बीच केडी जाधव कुश्ती स्टेडियम में बोड़ोलैंड महोत्सव के पहले संस्करण का उद्घाटन किया। दो दिवसीय बोड़ोलैंड महोत्सव 2020 के स्मारकीय बोड़ो शांति समझौते का जश्न मना रहा है, शांति बनाए रखने और एक जीवंत बोड़ो समाज के निर्माण के लिए भाषा, साहित्य और संस्कृति पर एक मेगा कार्यक्रम है। प्रधानमंत्री ने कहा कि यह त्योहार लंबे समय से हिंसा -शेष पृष्ठ दो पर

विभाजनकारी ताकतों से सतर्क रहे जनजाति समाज : उप राष्ट्रपति

उदयपुर (हि.स.)। उप राष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने जनजाति समुदाय को भारत की सांस्कृतिक और सामाजिक ताकत बताते हुए कहा कि इनकी जीवनशैली, परंपराएं और मूल्य देश को स्थिरता और समृद्धि प्रदान करते हैं। उन्होंने जनजाति समाज को विभाजनकारी ताकतों से सतर्क रहने और सांस्कृतिक धरोहर को सुरक्षित रखने का आह्वान किया। उप राष्ट्रपति धनखड़ शनिवार को उदयपुर जिले के जनजाति बहुल कोटड़ा में वनवासी कल्याण परिषद की ओर से भगवान बिरसा मुंडा की 150वीं जयंती के अवसर पर आयोजित जनजाति गौरव महोत्सव को सम्बोधित कर रहे थे। -शेष पृष्ठ दो पर

भाजपा और कांग्रेस की ओर से की गई शिकायतों पर ईसी सख्त

नई दिल्ली। महाराष्ट्र और झारखंड विधानसभा चुनाव को लेकर भाजपा और कांग्रेस में आरोप-प्रत्यारोप का दौर जारी है। दोनों राज्यों में राजनीतिक दल जमकर प्रचार कर रहे हैं और पार्टी के नेताओं के बीच जुबानी जंग तेज हो चली है। वहीं इस जुबानी जंग में आपत्तिजनक बयानों को लेकर भाजपा और कांग्रेस ने एक-दूसरे की शिकायत चुनाव आयोग से की थी। इस पर चुनाव आयोग ने दोनों दलों के राष्ट्रीय अध्यक्ष को नोटिस जारी करके जवाब मांगा है। आयोग ने दोनों दलों को एक-दूसरे की शिकायत भेजीं हैं। भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा को पत्र लिखकर कांग्रेस की ओर से की गई शिकायत पर जवाब मांगा है। जबकि कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे से भी भाजपा की ओर से की गई शिकायत का जवाब देने के लिए कहा है। चुनाव आयोग ने दोनों पार्टी अध्यक्षों से 18 नवंबर को दोपहर एक बजे तक जवाब दाखिल करने के लिए कहा है। साथ ही उन्हें लोकसभा चुनाव के दौरान 22 मई 2024 को जारी किए गए चुनाव आयोग के निर्देश का पालन कराने के लिए कहा। इसमें स्टार प्रचारकों और नेताओं पर नियंत्रण रखने के लिए कहा गया था। ताकि सार्वजनिक शिष्टाचार का उल्लंघन न हो और चुनाव प्रचार के दौरान आदर्श आचार संहिता का पालन किया जा सके। कांग्रेस ने 14 नवंबर को चुनाव अभियान के दौरान झूठे, विभाजनकारी, दुर्भावनापूर्ण और निंदनीय बयान देने का आरोप लगाते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह के खिलाफ चुनाव आयोग में शिकायत दर्ज कराई थी। विपक्षी दल ने आयोग से महाराष्ट्र और झारखंड में शेष चुनाव अभियान के लिए पीएम मोदी और शाह को चुनाव संबंधी किसी भी गतिविधि से प्रतिबंधित करने, मामले की गहन -शेष पृष्ठ दो पर

बांग्लादेश : अंतरिम सरकार के नए सलाहकार आतंकी संगठन से जुड़े

ढाका। बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के हाल ही में नियुक्त किए गए कुछ सलाहकारों पर आतंकी संगठन हिज्ब उत-तहरीर (एचयूटी) से जुड़े होने के आरोप लगाए गए हैं। इन विवादित नियुक्तियों ने देश के राजनीतिक स्थिरता और आतंकवाद विरोधी प्रयासों को लेकर घरेलू और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर चिंता बढ़ा दी है। हिज्ब उत-तहरीर एक इस्लामी राजनीतिक संगठन है, जिसे बांग्लादेश में 2009 में प्रतिबंधित कर दिया गया था। संगठन पर चरमपंथी विचारधाराओं को बढ़ावा देने और वैश्विक इस्लामी खलीफा की स्थापना के लिए प्रयास करने के आरोप हैं। एचयूटी को -शेष पृष्ठ दो पर

कोकराझाड़ में राष्ट्रीय प्रेस दिवस का भव्य आयोजन

■ विकसित भारत समाचार

कोकराझाड़। सूचना एवं जनसंपर्क विभाग, बीटीसी ने बोड़ोलैंड पत्रकार संघ के सहयोग से आज कोकराझाड़ प्लेनेटॉरियम में कई गतिविधियों और चर्चाओं के साथ राष्ट्रीय प्रेस दिवस मनाया गया। कार्यक्रम की शुरुआत शहीदों को श्रद्धांजलि (शहीद तर्पण) और वृक्षारोपण अभियान के साथ हुई, जो बलिदानों के प्रति सम्मान और पर्यावरण संरक्षण के प्रति प्रतिबद्धता का प्रतीक है। इसके बाद पत्रकारों की एक प्रतिनिधि बैठक हुई। बैठक में बीटीसी के सूचना एवं जनसंपर्क विभाग के परिषद प्रमुख और क्षेत्रीय अधिकारी जाहिद अहमद तापादार ने स्वागत भाषण दिया। नई दिल्ली में बोड़ोलैंड महोत्सव में भाग ले रहे बीटीसी के मुख्य कार्यकारी सदस्य (सीईएम) प्रमोद बोड़ो, सूचना एवं जनसंपर्क विभाग के कार्यकारी सदस्य (ईएम) डॉ. निलुट स्वर्गियारी और बीटीसी के प्रधान सचिव आकाशदीप के सद्भावना संदेश दर्शकों के सामने पढ़े गए, जिससे दिन की कार्यवाही के लिए सकारात्मक माहौल तैयार हुआ। उद्घाटन भाषण बोड़ोलैंड विश्वविद्यालय के कुलपति और कार्यक्रम के मुख्य अतिथि प्रो. बी.एल. आहूजा ने दिया, जिन्होंने बीटीआर में शांति और व्यवस्था बनाए रखने में पत्रकारों की महत्वपूर्ण भूमिका को रेखांकित किया। उन्होंने मीडिया के सामने आने वाली चुनौतियों जैसे समय का दबाव, अपर्याप्त पारिश्रमिक, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के निहितार्थ और सकारात्मक समाचार कथाओं को प्राथमिकता देने की आवश्यकता पर प्रकाश डाला। एनईएफ ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशंस के चेयरमैन और *दैनिक गण अधिकार* के संपादक डॉ. जाकिर हुसैन ने मुख्य अतिथि के रूप में कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई और इस बात पर जोर दिया कि लोकतंत्र का अस्तित्व पत्रकारों की स्वतंत्रता से -शेष पृष्ठ दो पर

CLASSIFIED

For all kinds of classified advertisements please contact

97070-14771
86382-00107

MURTI AVAILABLE

Available all kinds of Marble & White Metal Murties, Ganesh Laxmi, Radha Krishna, Bishnu-Laxmi, Hanuman, Maa Durga, Saraswati, Shivling, Nandi etc. **ARTCLE WORLD,** S-29, 2nd Floor, Shoppers Point, Fancy Bazar, Guwahati-01, **Ph. : 94350-48866, 94018-06952**

मुख्यमंत्री हिमंत ने धनबाद में इंडी गठबंधन पर बोला हमला

धनबाद (हि.स.)। झारखंड विधानसभा चुनाव के दूसरे एवं अंतिम चरण के मतदान को लेकर प्रचार चरम पर है। इसी बीच असम के मुख्यमंत्री एवं झारखंड के सह चुनाव प्रभारी हिमंता विश्व शर्मा ने शनिवार को सोरेन सरकार पर हमला बोला। धनबाद के कोयला नगर और बाघमारा के कतरास स्थित कतरी नदी मैदान में भाजपा उम्मीदवारों के समर्थन में आयोजित चुनावी जनसभा में शर्मा ने कहा कि स्कूल रविवार को बंद होते हैं। शुक्रवार को स्कूल बंद होते हैं क्या ? इरफान अंसारी और आलमगीर आलम ने रूल बनाया है। मैं हेमंत सोरेन से पूछना चाहता हूं कि अगर आप उनके लिए शुक्रवार को स्कूल बंद करते हो तो बजरंग बली की पूजा करने के लिए हमारे बच्चों को भी मंगलवार की छुट्टी दो। उन्होंने कहा कि ब्रिटिश काल से ही रविवार को स्कूल बंद होते हैं। हिन्दुओं ने मान लिया। हमने बड़ा दिल दिखाया, लेकिन अब झारखंड में शुक्रवार को स्कूल बंद होना भी शुरू हो गया है। अगर तुम शुक्रवार को स्कूल बंद कर सकते हो तो हमारे में भी दम है कि हम मंगलवार को स्कूल बंद कर दें। उन्होंने कहा कि सोरेन सरकार ने नमाज पढ़ने के लिए विधानसभा में जगह देने का रूल बनाया, तो हमें भी हनुमान चालीसा पढ़ने की जगह दो। ये हमारे रामनवमी और दुर्गा पूजा का जुलूस निकालने की अनुमति नहीं देते। वहीं मुसलमानों को उनके सभी तरह के जुलूस निकालने की अनुमति है। ये हमारे संस्कृति को खत्म करने की साजिश रच रहे हैं। सोरेन ने पूरे झारखंड को घुसपैठियों के आगे नतमस्तक कर दिया है। इनके शासन में संथाल में हिंदुओं की आबादी लगातार घटती जा रही है, जबकि मुसलमानों की आबादी तेजी से बड़ी है। ये घुसपैठिये आदिवासी बेटियों से शादी कर के उनकी जमीन ह ?प रहे है। शर्मा ने कहा कि झारखंड के चुनाव पर पूरे देश की नजर है। ये चुनाव झारखंड का भविष्य तय करने का चुनाव है। यह चुनाव हमारे बेटी-रोटी-माटी को बचाने का चुनाव है। उन्होंने कहा कि सोरेन ने पिछले चुनाव के समय अपने पिता की झूठी कसम खाई थी। क्या कोई हिन्दू अपने पिता की झूठी कसम खा सकता है ? हेमंत सोरेन ने 2019 के चुनाव में यह वादा किया था कि पांच लाख नौकरी देंगे, 5 हजार रुपये बेरोजगारी भत्ता देंगे, सब झूठ साबित हुआ। असम के मुख्यमंत्री शर्मा ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर प्रहार करते हुए कहा कि राहुल गांधी के बकवास बयानों से पता चलता है कि उनके पास दिमाग है ही नहीं।

पाकिस्तान के मुल्तान एवं लाहौर में लॉकडाउन लगा

इस्लामाबाद (हि.स.)। पाकिस्तान के पंजाब प्रांत में दूषित हवा से कोहराम मचा हुआ है। हाल यह है कि मुल्तान में वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) सारी हदें पार कर 2000 से ऊपर चला गया। राजधानी लाहौर में यह 1600 है। प्रांत सरकार को आनन-फानन में हेल्थ इमरजेंसी लगाते हुए पूर्ण लॉकडाउन लगाना पड़ा। डॉन समाचार पत्र और एआरवाई न्यूज चैनल के अनुसार, पंजाब सरकार ने लाहौर और मुल्तान में स्वास्थ्य आपातकाल घोषित कर शुक्रवार रात से रविवार तक पूर्ण लॉकडाउन लगा दिया। प्रांतीय मंत्री मरियम औरंगजेब ने संवाददाता सम्मेलन में इसकी घोषणा की। साथ ही लाहौर और मुल्तान में निर्माण गतिविधियों पर भी 10 दिनों के लिए प्रतिबंध लगा दिया गया है। प्रांत के सभी स्कूल (जिला मुरी को छोड़ कर) 24 नवंबर तक बंद रहेंगे। लाहौर और मुल्तान में कॉलेज और विश्वविद्यालय ऑनलाइन कक्षा आयोजित करेंगे। उन्होंने कहा कि निजी और सरकारी कार्यालय 50 प्रतिशत कर्मचारियों के साथ वर्क फ्रॉम होम के मोड में संचालित होंगे। रेस्तरां शाम चार बजे तक संचालित होंगे। फिलहाल शादियों पर प्रतिबंध नहीं लगाया गया है। सरकार के प्रतिबंधों को शुक्रवार देर रात प्रांतीय पर्यावरण संरक्षण एजेंसी ने अधिसूचित किया। इसमें कहा गया है कि लाहौर और मुल्तान में भारी परिवहन वाहनों के प्रवेश पर पूर्ण प्रतिबंध रहेगा। मरियम औरंगजेब ने कहा कि सांस संबंधी बीमारियों के मरीजों की संख्या में तेजी से बढ़ोतरी हुई है। इस वजह से अस्पताल कर्मचारियों की छुट्टियां रद्द कर दी गई हैं। उन्होंने नागरिकों को मास्क पहनने और मोटरसाइकिल पर अनावश्यक यात्रा से बचने की सलाह दी है।

राहुल गांधी ने संविधान नहीं पढ़ा सिर्फ लेकर घूमते हैं : जेपी नड्डा

मुंबई (हि.स.)। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने शनिवार को ठाणे जिले में कहा कि कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने संविधान नहीं पढ़ा है, वे सिर्फ संविधान हाथ में लेकर चिल्लाते हैं। उन्होंने कहा कि अगर राहुल गांधी संविधान पढ़े रहते तो उन्हें पता रहता कि धर्म के आधार पर आरक्षण नहीं दिया जा सकता है। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नड्डा ने आज ठाणे के गणमान्य व्यक्तियों, व्यापारियों और उद्योगपतियों सहित प्रभावशाली ठाणेकरों के साथ बातचीत की। इसके बाद उन्होंने पत्रकारों से बातचीत में कहा कि राहुल गांधी को बताना चाहिए जब कांग्रेस की सरकार थी, तब कितने ओबीसी मंत्री उनके सरकार में थे। साथ ही राहुल गांधी को यह भी बताना चाहिए कि राजीव गांधी फाउंडेशन में, कांग्रेस कमेटी में कितने ओबीसी हैं। उन्होंने कहा कि कश्मीर में पहली बार मुख्यमंत्री ने संविधान के तहत शपथ ली और अब कांग्रेस दोबारा अनुच्छेद 370 लागू करने की बात कर रही है। तुष्टीकरण के तहत कर्नाटक सरकार निविदाओं में 4 प्रतिशत आरक्षण प्रदान करना चाह रही है।

जामिया में जबरन हो रहा धर्म परिवर्तन, जांच के दायरे में आया विश्वविद्यालय

नई दिल्ली। जामिया मिलिया इस्लामिया दिल्ली के प्रमुख विश्वविद्यालयों में से एक है। विश्वविद्यालय अक्सर विवादों में रहता है - कभी दीवाली के दिन हंगामा करने के संबंधित तो कभी राष्ट्र विरोधी प्रदर्शनों से संबंधित। अब एक रिपोर्ट में जामिया मिलिया इस्लामिया विश्वविद्यालय से जुड़े एक महत्वपूर्ण विवाद को उजागर करने का दावा किया है, जो संस्थान में पढ़ने, पढ़ाने या काम करने वाले हिंदुओं के खिलाफ भेदभाव और धमकियों के आरोपों पर केंद्रित है। रिपोर्ट में आरोप लगाया गया है कि जामिया के भीतर एक समूह मौजूद है जो हिंदुओं पर इस्लाम धर्म अपनाने का दबाव बनाता है और मना करने पर उन्हें बलात्कार या पढ़ाई में फेल करने जैसे परिणाम भुगतने की धमकी देता है। जामिया मिलिया इस्लामिया विश्वविद्यालय (जेएमआई) एक तथ्य-खोजी समिति की रिपोर्ट के बाद जांच के दायरे में आ गया है। जिसमें गैर-मुस्लिमों के खिलाफ भेदभाव और धर्म परिवर्तन के लिए जबरदस्ती करने के मामलों का आरोप लगाया गया है। एनजीओ *कॉल फॉर जस्टिस* द्वारा तैयार की गई और प्रमुख कानूनी और प्रशासनिक हस्तियों के नेतृत्व में तैयार की गई रिपोर्ट में संस्थान के भीतर पूर्वाग्रह के एक परेशान करने वाले पैटर्न को उजागर किया गया है। विश्वविद्यालय ने अपने हिस्से के लिए कहा कि पिछले प्रशासन ने ऐसी घटनाओं को गलत तरीके से संभाला हो सकता है, लेकिन वर्तमान प्रशासन एक समावेशी वातावरण बनाने पर केंद्रित था। रिपोर्ट में गैर-मुस्लिम छात्रों, शिक्षकों और कर्मचारियों के खिलाफ भेदभाव के विवरण सामने आए हैं। गवाहों ने धार्मिक पहचान के आधार पर पूर्वाग्रह और पक्षपात के बारे में गवाही दी, जो कथित तौर पर विश्वविद्यालय के जीवन के विभिन्न पहलुओं में व्याप्त है। अपमानजनक व्यवहार के उदाहरणों को उजागर किया गया, जिसमें एक सहायक प्रोफेसर को मुस्लिम सहकर्मियों से ताने और अपमान का सामना करना पड़ा। एक अन्य घटना में पता चला कि अनुसूचित जाति (एससी) समुदाय के एक गैर-मुस्लिम संकाय सदस्य के साथ असमान व्यवहार किया गया और उन्हें कार्यालय फर्नीचर जैसी बुनियादी सुविधाओं से वंचित रखा गया, जो मुस्लिम समकक्षों को आसानी से प्रदान की जाती हैं। एक अन्य घटना में परीक्षा के सहायक नियंत्रक शामिल थे, जिनका स्टाफ के सदस्यों द्वारा सार्वजनिक रूप से उपहास किया गया क्योंकि वे एक गैर-मुस्लिम थे और एक वरिष्ठ प्रशासनिक पद पर थे।

पृष्ठ एक का शेष

मणिपुर मुठभेड़ : मारे ...

वहां जा सकते हैं, उन्होंने कहा। 11 नवंबर को सीआरपीएफ के साथ मुठभेड़ के दौरान जिरीबाम के दस निवासी मारे गए थे और एसएमसीएच अधिकारियों के अनुसार, शवों को 12 नवंबर को पोस्टमार्टम के लिए वहां लाया गया था। प्रक्रिया में कथित देरी के बाद बुधवार शाम को विरोध प्रदर्शन शुरू हुआ और प्रदर्शनकारियों ने फोरेंसिक मेडिसिन विभाग को कई घंटों तक अवरुद्ध रखा। गुरुवार को पोस्टमार्टम की प्रक्रिया पूरी हो गई थी और गांव वाले शव मिलने का इंतजार कर रहे थे, तभी अधिकारियों ने बताया कि उच्च अधिकारियों ने डीएनए टेस्ट के आदेश दिए हैं। हालांकि, शनिवार को शव सौंपने की प्रक्रिया शुरू हुई और अधिकारियों ने इस बात की पुष्टि नहीं की है कि डीएनए टेस्ट किए गए थे या नहीं। जनजातीय नेताओं के मंच (आईटीएलएफ) ने गुरुवार को घोषणा की कि वे चाहते हैं कि शवों को सड़क मार्ग से मणिपुर के लामका ले जाया जाए और वहीं अंतिम संस्कार की प्रक्रिया को अंतिम रूप दिया जाएगा। एक सार्वजनिक नोटिस में, आईटीएलएफ ने लिखा कि 14 नवंबर, 2024 को दोपहर 3:30 बजे आईटीएलएफ कार्यालय में एक तत्काल बैठक होगी, जिसमें दस हमार गांव के स्वयंसेवकों के परिवहन से संबंधित मामलों को संबोधित किया जाएगा, जो वर्तमान में पोस्टमॉर्टम के लिए सिलचर में हैं... व्यापक चर्चा के बाद, यह निर्णय लिया गया कि दस शहीदों को मिजोरम के माध्यम से सड़क मार्ग से ले जाया जाना चाहिए और फिर पोस्टमॉर्टम पूरा होने के बाद टिपाईमुख रोड के माध्यम से लमका ले जाया जाना चाहिए। परिवहन के अन्य साधन स्वीकार नहीं किए जाएंगे। लमका में शहीदों के शवों के आने के बाद, अंतिम संस्कार कार्यक्रम को अंतिम रूप दिया जाएगा। हालांकि, असम पुलिस के अधिकारियों ने शनिवार को कहा कि उन्हें शवों को उनके राज्य ले जाने में मणिपुर पुलिस की मदद करने के आदेश दिए गए हैं। एसएमसीएच में प्रदर्शनकारियों द्वारा किए गए पथराव में चार पत्रकार घायल हो गए और उनमें से कुछ को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। असम-मणिपुर सीमा के पास शुक्रवार को तीन लोगों के शव मिले, जिनमें एक महिला और दो बच्चे शामिल हैं। माना जा रहा है कि ये छह अपहृत जिरीबाम निवासी भी हैं। शाम को इन्हें एसएमसीएच ले जाया गया। मामले से परिचित लोगों के अनुसार, शनिवार को तीन और शव मिले हैं और इन्हें एसएमसीएच लाए जाने की संभावना है।

शांति बहाली के लिए ...

थे और अत्याधुनिक हथियारों से लैस थे। उन्होंने जिरिबाम जिले के एक थाने और एक सीआरपीएफ शिविर पर अंधाधुंध गोलीबारी की थी। इसके एक दिन बाद उग्रवादियों ने जिरीबाम जिले के छह नागरिकों का अपहरण किया, जिनमें महिलाएं और बच्चे भी शामिल थे। इसके लेकर गृह मंत्रालय ने कहा कि सुरक्षा के लिहाज से मणिपुर की स्थिति पिछले कुछ दिनों से नाजुक है। कुकी और मैतेई समुदाय के बीच हो रहे संघर्ष में लगातार दोनों समुदायों के सशस्त्र उपद्रवी शामिल हो रहे हैं। इससे लोगों को भी जान को खतरा हो रहा है। साथ ही सार्वजनिक व्यवस्था भी प्रभावित हो रही है। गृह मंत्रालय ने कहा कि हिंसक और बंटवारे वाली गतिविधियों में शामिल होने की कोशिश करने वाले किसी भी व्यक्ति के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। जबकि कई अहम मामलों की जांच एनआईए को सौंपी गई है। इसके साथ ही मंत्रालय ने लोगों से शांति बनाए रखने, अफवाहों पर विश्वास न करने और राज्य में कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए सुरक्षा बलों का सहयोग करने के लिए कहा है। केंद्र सरकार ने मणिपुर के छह थाना क्षेत्रों में फिर से सशस्त्र बल (विशेष शक्तियां) अधिनियम (अफस्पा) लागू कर दिया है। इस अधिनियम के तहत किसी क्षेत्र को *अशांत* घोषित किया जाता है, जिससे सुरक्षा बलों को वहां प्रभावी रूप से कार्रवाई करने में सुविधा मिलती है। इन क्षेत्रों में जिरिबाम भी शामिल है, जहां हाल ही में हिंसा हुई थी। इसमें इंफाल पश्चिम जिले के सेकमई और लमसांग; इंफाल पूर्व जिले का लमसाई, जिरीबाम जिले का जिरिबाम; कांगपोकपी जिले का लेइमाखोंग; बिष्णुपुर जिले का मोइरंग क्षेत्र शामिल हैं। मणिपुर सरकार ने एक अक्तूबर को राज्य के अधिकांश हिस्सों में अफस्पा लागू कर दिया था। हालांकि, उस समय 19 थाना क्षेत्रों को इससे बाहर रखा गया था, जिनमें ये छह थाना क्षेत्र भी शामिल थे। इसके बाद गृह मंत्रालय ने नई अधिसूचना में इन छह थाना क्षेत्रों को भी शामिल किया है।

सात जिलों में ...

को देखते हुए इंफाल पश्चिम, इंफाल पूर्व, बिष्णुपुर, थौबल, काकचिंग, कांगपोकपी और चुराचंदपुर जिलों में दो दिनों के लिए इंटरनेट बंद कर दिया गया। इंफाल घाटी के कुछ जिलों में बड़े पैमाने पर हिंसा की खबरें आईं, क्योंकि भीड़ ने कई विधायकों के घरों पर धावा बोल दिया और संपत्ति को नष्ट कर दिया। लोगों के एक समूह ने सपाम निशिकांत सिंह के घर पर हमला किया और गेट और गेट के सामने बने बंकरों को नष्ट कर दिया। इसी भीड़ ने इंफाल पश्चिम जिले के सागोलबंद में विधायक आरके इमो के घर पर धावा बोला और फर्नीचर जला दिया और खिड़कियां तोड़ दीं। इंफाल के ख्वाइरामबंद कीथेल में छह लोगों - तीन महिलाओं और तीन बच्चों - के अपहरण और हत्या को लेकर विरोध प्रदर्शन हुए। सूत्रों ने शनिवार को बताया कि उनके शव शुक्रवार शाम को मणिपुर-असम सीमा पर जिरीबाम जिले के जिरीमुख के सुदूर गांव में एक नदी के पास मिले। शवों को शुक्रवार रात असम के सिलचर मेडिकल कॉलेज अस्पताल (एसएमसीएच) लाया गया और पोस्टमॉर्टम के लिए अस्पताल के मुर्दाघर में रखा गया। सोमवार को जिरीबाम जिले में सुरक्षा बलों और उग्रवादियों के बीच गोलीबारी के बाद राहत शिविर में रहने वाली तीन महिलाएं और तीन बच्चे लापता हो गए, मैतेई संगठनों ने आरोप लगाया कि उन्हें उग्रवादियों ने अगवा किया है। 11 नवंबर को उग्रवादियों के एक समूह ने बोरोबेकरा इलाके में एक पुलिस स्टेशन पर हमला किया, लेकिन सुरक्षा बलों ने हमले को विफल कर दिया, जिसके परिणामस्वरूप 11 उग्रवादी मारे गए।

पुलिस को सेवा ...

के दुरुपयोग को बर्दाश्त नहीं करेगा। पुलिस के लिए सुधार, जवाबदेही और विनम्रता अपनाने का समय आ गया है। साथ ही, एक ऐसी शक्ति के लिए नए रास्ते बनाने का समय आ गया है, जो वास्तव में इन मूल्यों की रक्षा करता है। यह टिप्पणी असम के पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) जीपी सिंह द्वारा की गई त्वरित कार्रवाई के बाद आई है, जिन्होंने पानबाजार पुलिस स्टेशन के प्रभारी अधिकारी (ओसी) इंस्पेक्टर भार्गव बोरबोरा को निलंबित कर दिया। यह कदम एक वीडियो के प्रसारित होने के बाद उठाया गया, जिसमें बोरबोरा को फैंसी बाजार में जेल रोड ट्रैफिक प्वाइंट के पास एक डिलीवरी एजेंट के साथ मारपीट करते हुए दिखाया गया था। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, यह घटना शुक्रवार शाम करीब 6:30 बजे हुई, जब डिलीवरी एजेंट ने कथित तौर पर लाल सिग्नल पार किया। पुलिस अधिकारी ने व्यक्ति का पीछा किया, उसे घसीटकर सड़क किनारे ले गया और खड़े लोगों के सामने उसके साथ मारपीट की। यह झड़प एक राहगीर के मोबाइल फोन पर कैद हो गई और तुरंत वायरल हो गई, जिससे लोगों में आक्रोश फैल गया। डीजीपी सिंह ने बर्बोरा के व्यवहार को *अस्वीकार्य* बताते हुए उन्हें तत्काल निलंबित करने की घोषणा की और मामले की विभागीय जांच के आदेश दिए। सिंह ने एक बयान में कहा कि इंस्पेक्टर भार्गव बर्बोरा का व्यवहार अस्वीकार्य है। उन्हें तत्काल प्रभाव से निलंबित किया जा रहा है और सीपी गुवाहाटी को तुरंत किसी अन्य अधिकारी को तैनात करने की सलाह दी गई है। इस घटना ने पुलिस की जवाबदेही और कानून प्रवर्तन में जनता के भरोसे को लेकर बहस को फिर से हवा दे दी है। कई नागरिकों ने अधिकारियों द्वारा की गई त्वरित कार्रवाई की प्रशंसा की है, लेकिन ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो, यह सुनिश्चित करने के लिए व्यवस्थागत बदलावों की भी मांग की है। पुलिस सुधारों पर मुख्यमंत्री का बयान असम पुलिस के भीतर जवाबदेही और करुणा को बढ़ावा देने के लिए प्रशासन की प्रतिबद्धता को रेखांकित करता है। विभागीय जांच आगे बढ़ने के साथ ही, न्याय सुनिश्चित करने और जनता का विश्वास फिर से बनाने पर ध्यान केंद्रित किया जाता है। यह मामला कानून प्रवर्तन प्रथाओं को लोकतांत्रिक मूल्यों के साथ संरेखित करने, पारदर्शिता पर जोर देने और सभी नागरिकों के अधिकारों की रक्षा करने के महत्व की याद दिलाता है।

नमाज के लिए छुट्टी...

नहीं हैं। जब संविधान बन रहा था, तो संविधान सभा में सभी लोग हिन्दू थे। हम चाहते तो कह सकते थे कि देश में छुट्टी मंगलवार को होनी चाहिए, लेकिन हमनें वृहद दृष्टिकोण दिखाया और रविवार को स्कूल बंद रखने का फैसला लिया। अब अगर झारखंड में शुक्रवार को छुट्टी हो सकती है, तो हम भी मंगलवार को छुट्टी की मांग कर सकते हैं। अपने एक्स (पूर्व ट्विटर) अकाउंट पर उन्होंने लिखा कि मैं झामुमो और कांग्रेस सरकार से पूछना चाहता हूं - अगर नमाज पढ़ने के लिए छुट्टियां मिल सकती हैं, तो हनुमान चालीसा पढ़ने के लिए छुट्टी क्यों नहीं मिलती ? इस ट्वीट के साथ उन्होंने एक और सांप्रदायिक मुद्दे को उठाया और अपने बयान को मजबूती दी। यह विवाद नया नहीं है। इससे पहले भी झारखंड और बिहार में शुक्रवार को स्कूलों की छुट्टी को लेकर विवाद उठ चुका है। पिछली बार झारखंड के जामताड़ा और दुमका जिलों के 33 स्कूलों में शुक्रवार को छुट्टी का मामला सामने आया था। इसके बाद, बिहार के किशनगंज में भी 37 स्कूलों में यही स्थिति देखी गई थी। जैसे ही ये मामले तूल पकड़ने लगे, बिहार शिक्षा विभाग के मंत्री विजय कुमार चौधरी ने जांच के आदेश दिए थे। उन्होंने जिला शिक्षा अधिकारियों से रिपोर्ट मांगी थी और इस मुद्दे की जांच शुरू की थी। हिमंत विश्व शर्मा का बयान न केवल शुक्रवार की छुट्टी के मुद्दे पर सवाल उठाता है, बल्कि यह सांप्रदायिक मुद्दों को भी छेड़ता है। उन्होंने हनुमान चालीसा और नमाज पढ़ने के संदर्भ में अपनी बात रखी और सरकारों से यह सवाल पूछा कि क्या एक समुदाय को विशेष अधिकार मिल सकते हैं, जबकि दूसरे समुदाय के लिए कोई विशेष सुविधा नहीं है। असम सीएम का बयान इस बात को और बढ़ा देता है कि देश में धर्म और छुट्टियों के मुद्दे पर बहस और विवाद बढ़ रहे हैं। राजनीतिक दृष्टिकोण, सांप्रदायिकता, और शैक्षिक अधिकारों को लेकर यह मुद्दा राजनीति में तूल पकड़ सकता है।

सीजफायर के लिए ...

ट्रम्प ने पहले अपने अभियान के दौरान क्षेत्र में शांति की दिशा में काम करने की कसम खाई थी। समूह की कार्रवाइयों का बचाव करते हुए, नैम ने कहा कि हमास को इजरायल पर 7 अक्तूबर के हमले का पछतावा नहीं है, उन्होंने तर्क दिया कि फिलिस्तीनियों को फिलिस्तीन में इजरायली *नरसंहार* के खिलाफ खुद का बचाव करने का अधिकार है। उन्होंने हमास के सदस्य और एक निर्दोष फिलिस्तीनी नागरिक के रूप में अपनी दोहरी पहचान पर जोर दिया, जो अपनी गरिमा और अधिकारों के लिए लड़ रहा है।

प्रथम बोड़ोलैंड महोत्सव ...

और रक्तपात का सामना करने वाले बोड़ो समुदाय के युवाओं के लिए शांति, समृद्धि और प्रगति का एक नया युग लाएगा। इस विशाल कार्यक्रम का हिस्सा बनना मेरे लिए काफी भावनात्मक क्षण है, जो बोड़ो समुदाय की समृद्ध संस्कृति, शिक्षा और भाषा का जश्न मना रहा है। बोड़ोलैंड के लोगों को जश्न के मूड में देखना मेरे लिए गर्व का क्षण है। बोड़ोलैंड मोहोत्सोव जैसे त्योहार बोड़ो समुदाय में क्रांति लाएंगे और शांति, प्रगति और समृद्धि का मार्ग प्रशस्त करेंगे। मुझे खुशी है कि यह त्योहार देव दीपावली, गुरु नानक देव की 555 वीं जयंती और जनजातीय गौरव दिवस के शुभ अवसर पर शुरू हुआ, कार्यक्रम के उद्घाटन के दौरान प्रधानमंत्री मोदी ने कहा। आब्सू के अध्यक्ष दीपेन बोड़ो ने स्वागत भाषण दिया और कहा कि प्रथम बोड़ोलैंड मोहोत्सोव के उद्घाटन के दौरान प्रधान मंत्री की उपस्थिति एक स्मारकीय क्षण। बोड़ो शांति समझौते में मोदी जी का नेतृत्व हमारे समुदाय के लिए एक परिवर्तनकारी क्षण रहा है, जो बोड़ोलैंड के युवाओं को जीवन का एक नया पट्टा प्रदान करता है। समझौते में उनकी अटूट प्रतिबद्धता और व्यक्तिगत भागीदारी हमारी आकांक्षाओं के प्रति उनकी गहरी समझ को दर्शाती है। बोड़ो समुदाय के लिए, यह बेहद गर्व का स्रोत है कि हमारे प्रधान मंत्री ने स्थायी शांति लाने के लिए समय और प्रयास समर्पित किया। यह ऐतिहासिक उपलब्धि आने वाली पीढ़ियों को आकार देगी। हम उनके दूरदर्शी नेतृत्व के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करते हुए एकजुट हैं। इस शांति समझौते के लिए बोड़ो समुदाय हमेशा हमारे प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी का आभारी रहेगा। उन्होंने हमारे समुदाय को सशक्त बनाया। हमारे प्रधानमंत्री की दूरदर्शी सोच के बिना आज यह महोत्सव संभव नहीं हो पाता। प्रमोद बोड़ो, सीईएम, बोड़ोलैंड टेरिटोरियल रीजन (बीटीआर) ने कि आज, बोड़ोलैंड की महिलाएं और बच्चे सुरक्षित महसूस करते हैं और इसका श्रेय पूरी तरह से हमारे माननीय प्रधान मंत्री को जाता है। शांति और समृद्धि के लिए उनका दृष्टिकोण बिल्कुल हमारे बोड़ोफा उपेंद्र नाथ ब्रह्म जैसा है। हमारे प्रधान मंत्री के गतिशील नेतृत्व में ऐतिहासिक बोड़ो समझौते पर हस्ताक्षर के बाद बोड़ोलैंड में शांति और विकास देखा गया कि बोड़ो ने कहा। लक्ष्मण प्रसाद आचार्य ने अपने संबोधन में बोड़ो समुदाय की समृद्ध संस्कृति, परंपरा और साहित्य और भारतीय विरासत और परंपरा में इसके योगदान पर प्रकाश डाला। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कुशल नेतृत्व में पूरे पूर्वोत्तर क्षेत्र में रेलवे नेटवर्क में हो रहे तेजी से विकास पर भी बात की। हमारे प्रधान मंत्री पूर्वोत्तर में विकास की एक नई किरण लेकर आए हैं। भाजपा सरकार द्वारा किए गए असाधारण विकास कार्यों से पूर्वोत्तर के कई दूर-दराज के इलाके भारत की मुख्यधारा से जुड़ रहे हैं। दूरसंचार क्षेत्र पूर्वोत्तर के उन क्षेत्रों में अपने 5जी नेटवर्क का विस्तार कर रहा है कि आचार्य ने कहा। इससे पहले दिन में, एक शक्तिशाली ध्वजारोहण समारोह आयोजित किया गया था और इसका नेतृत्व बीएसएस के अध्यक्ष डॉ सुरथ नार्जारी, दीपेन बोड़ो, अध्यक्ष, आब्सू; बिजुल नेल्सन दैमारी, अध्यक्ष, डुबीएचए और प्रोफेसर रमेश भारद्वाज ने किया था। एकता और गौरव का जश्न मना रहे यह उत्सव, जो 16 नवंबर 2025 को समाप्त होगा, बीटीआर के अन्य समुदायों के साथ-साथ बोड़ो समुदाय की समृद्ध संस्कृति, भाषा और शिक्षा पर केंद्रित है। बोड़ोलैंड महोत्सव बोड़ो परंपरा और संस्कृति पर ध्यान केंद्रित करने के अलावा, सांस्कृतिक असाधारणता का एक मोजेक भी होगा जिसमें संताली, बंगाली, राजबोंगशी, जातीय असमिया, गारो, राभास, गोरखा, ओड़िया और बोड़ोलैंड प्रादेशिक क्षेत्र के कई अन्य समुदायों की प्रस्तुतियां शामिल होंगी। बोड़ोलैंड महोत्सव का उद्देश्य न केवल बोड़ोलैंड में, बल्कि असम, पश्चिम बंगाल, नेपाल के अन्य हिस्सों और पूर्वोत्तर के अन्य अंतर्राष्ट्रीय सीमावर्ती क्षेत्रों में रहने वाले स्वदेशी बोड़ो लोगों को एकीकृत करना है।

विभाजनकारी ताकतों से ...

धनखड़ ने अपने संबोधन में जनजातीय समुदाय की प्रकृति के प्रति आस्था और जल व जंगल के प्रति सम्मान को वैश्विक आदर्श बताया। उन्होंने कहा कि दुनिया जलवायु परिवर्तन से निपटने के लिए संघर्ष कर रही है। यदि उन्होंने जनजातीय समाज से धरती और जल की पूजा करना सीखा होता, तो यह संकट नहीं आता। उन्होंने देश में जनजातीय समाज की आस्था को बदलने के कुप्रयासों पर चिंता व्यक्त की। उन्होंने कहा कि हमारी सांस्कृतिक धरोहर हमारी नींव है। इसे कमजोर करने की कोशिशें देश की एकता और विकास को नुकसान पहुंचा सकती हैं। उप राष्ट्रपति ने कहा कि भारत तेजी से दुनिया की पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने के बाद अब जापान और जर्मनी को पीछे छोड़ने की ओर अग्रसर है। उन्होंने कहा कि यह प्रगति जनजाति समाज के योगदान के बिना संभव नहीं है। महिलाओं की बढ़ती भागीदारी का उल्लेख करते हुए उपराष्ट्रपति ने कहा कि लोकसभा और विधानसभा में महिलाओं को एक तिहाई आरक्षण से समाज में सकारात्मक बदलाव आएंगे। उन्होंने जनजातीय महिलाओं द्वारा निर्मित कढ़ाई और हस्तशिल्प प्रदर्शनी *कमली* की भी सराहना की। कार्यक्रम के बाद उपराष्ट्रपति धनखड़ ने समोर बाग में उदयपुर के पूर्व राजपरिवार के सदस्य मेवाड़ के पूर्व महाराणा महेंद्र सिंह मेवाड़ को श्रद्धांजलि अर्पित की।

भाजपा और कांग्रेस ...

जांच कराने की मांग की थी। कांग्रेस ने चुनाव अभियान के दौरान नफरती बयान देने वाले भाजपा में शामिल सभी नेताओं के खिलाफ आपराधिक मामला दर्ज करने का निर्देश देने की मांग की थी। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने आरोप लगाया था कि 8 नवंबर को पीएम मोदी ने नासिक और महाराष्ट्र के धुले में चुनावी रैलियों के दौरान कांग्रेस और उसके सहयोगियों को निशाना बनाते हुए कई झूठे, दुर्भावनापूर्ण और निंदनीय बयान दिए। उन्होंने अपने बयानों में कांग्रेस के प्रमुख नेताओं और पूर्व प्रधानमंत्रियों जवाहरलाल नेहरू, इंदिरा गांधी और राजीव गांधी पर आरोप लगाए। भाजपा ने 11 नवंबर को कांग्रेस नेता राहुल गांधी की शिकायत की थी। भाजपा ने कहा था कि राहुल गांधी ने राज्यों को एक-दूसरे के खिलाफ खड़ा करने का प्रयास किया। उन्होंने संविधान की धज्जियां उड़ाईं और झूठ बोला कि भाजपा संविधान को नष्ट करने वाली है। यह झूठ है। हमने आयोग से कहा है कि इसे रोका जाना चाहिए। हमने आयोग को यह भी बताया कि राहुल गांधी ऐसा करने के आदी हैं और चेतावनी और नोटिस के बाद भी वे ऐसा करने से बाज नहीं आ रहे हैं। मेघवाल ने कहा कि हमने राहुल गांधी के खिलाफ बीएनएस की धारा 353 के तहत एफआईआर दर्ज करने की मांग की है।

बांग्लादेश : अंतरिम सरकार...

लोकतांत्रिक संस्थानों को कमजोर करने और राज्य के खिलाफ हिंसा भड़काने का दोषी माना जाता है। अंतरिम सरकार द्वारा हाल ही में नियुक्त किए गए कुछ सलाहकारों के एचयूटी या उनसे जुड़ी विचारधाराओं से संबंध होने का आरोप है। इन व्यक्तियों को चुनावी प्रक्रिया की निगरानी के लिए नियुक्त किया गया है, लेकिन उनकी पृष्ठभूमि को लेकर सवाल उठ रहे हैं।

कोकराझाड़ में राष्ट्रीय...

जुड़ा है, जिन्हें अक्सर लोकतंत्र का चौथा स्तंभ कहा जाता है। कर्नल अरुण प्रकाश अग्रवाल सहित कुछ अन्य अतिथियों ने 1990 के दशक के माहौल पर विचार किया और स्वतंत्रता की लड़ाई और मातृभूमि की रक्षा में मीडिया की महत्वपूर्ण भूमिका पर जोर दिया। चर्चा में शामिल होते हुए, *विकसित भारत समाचार* के संपादक राकेश शर्मा ने राष्ट्रीय प्रेस दिवस के महत्व पर एक व्यावहारिक तथा ऐतिहासिक परिप्रेक्ष्य प्रदान किया, जिसमें वर्षों से इसकी जड़ों और विकास का पता लगाया गया। *प्रेस के बदलते स्वरूप* विषय पर मुख्य भाषण में *प्रतिदिन टाइम* के सलाहकार संपादक मृणाल तालुकदार ने पत्रकारिता के विकास पर विचार व्यक्त किए। उन्होंने कहा कि प्रेस को एक समय सच्चाई का प्रतीक और सामाजिक परिवर्तन का उत्प्रेरक माना जाता था, लेकिन समय के साथ इसकी भूमिका और धारणा में काफी बदलाव आया है। उन्होंने यह भी कहा कि आधुनिक मीडिया की गतिशीलता की जटिलताओं को देखते हुए पत्रकारिता में सच्ची निष्पक्षता एक चुनौतीपूर्ण आदर्श है। पत्रकारिता के क्षेत्र में उत्कृष्टता और समर्पण का जश्न मनाते हुए वरिष्ठ पत्रकार ध्रुव शर्मा (बाक्सा), दुर्लव तालुकदार (चिरांग), हरि शंकर ठाकुर (कोकराझाड़), बापू राम बोड़ो (तामुलपुर) और गुणोजीत दास (उदालगुड़ी), पत्रकार पेंशनभोगी इमरान हुसैन (उदालगुड़ी), खगेन बैश्य (तामुलपुर), आनंद रामशियारी (तामुलपुर) और कोकराझाड़ के सबसे वरिष्ठ समाचार पत्र हॉकर शिबातोष भादुरी सहित कई व्यक्तियों को सम्मानित किया गया। बैठक की अध्यक्षता करने वाली पत्रकार मलाया डेका को भी उनके योगदान के लिए सम्मानित किया गया। बोड़ोलैंड जर्नलिस्ट एसोसिएशन के अध्यक्ष अबू बकर सिद्दीकी और पत्रकार गुनोजीत दास जैसे वक्ताओं ने पत्रकारों के लिए स्वास्थ्य बीमा जैसे महत्वपूर्ण मुद्दों पर प्रकाश डाला। बीटीसी के आईपीआरडी के संयुक्त सचिव रोक्तिम बुढ़ागोहाईं ने बौद्ध दर्शन से अंतर्दृष्टि प्राप्त करते हुए पत्रकारों की जिम्मेदारियों, सोशल मीडिया के प्रभाव और शिक्षा के महत्व सहित व्यापक विषयों पर बात की। उन्होंने चर्चा के दौरान उठाए गए स्वास्थ्य बीमा संबंधी चिंताओं को दूर करने के प्रयासों का आश्वासन दिया। बीटीआर के सभी पांच जिलों के मीडिया पेशेवरों ने भाग लिया, इस कार्यक्रम ने लगातार विकसित हो रहे मीडिया परिदृश्य में प्रेस की चुनौतियों और जिम्मेदारियों पर संवाद को बढ़ावा देने के लिए एक मंच के रूप में कार्य किया।

झांसी मेडिकल कॉलेज ...

के निर्देश मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने दिए हैं। मेडिकल कॉलेज पहुंचे जिलाधिकारी अविनाश कुमार ने बताया कि प्रथम दृष्टया उपस्थित मेडिकल कॉलेज के कर्मचारियों के अनुसार 10 बच्चों की मौत की पुष्टि हुई है। नवजात शिशु गहन चिकित्सा केंद्र में कुल 54 बच्चे भर्ती थे। आग संभवत: शॉर्ट सर्किट के कारण लगी। जो बच्चे अंदर की ओर भर्ती थे उन्हें बचाने में कठिनाई हुई। बाहर की ओर भर्ती बच्चों को सुरक्षित निकाल लिया गया। उन्होंने बताया कि घटना की जांच मंडलायुक्त विमल दुबे और डीआइजी कलानिधि नैथानी के नेतृत्व में गठित टीम कर रही है। इसकी रिपोर्ट 12 घंटे में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को सौंपी जाएगी। डीआईजी कलानिधि नैथानी ने बताया कि आग पर काबू पा लिया गया है। मंडलायुक्त विमल कुमार दुबे ने बताया कि आग अंदर वाले हिस्से में लगी। अधिकांश बच्चों को बचा लिया गया है। उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक के भी मेडिकल कालेज आने की बात कही जा रही है।

बिजनौर में सड़क ...

सहायता उपलब्ध कराने के आदेश दिए हैं। स्थानीय पुलिस के मुताबिक जिले के थाना धामपुर के हरिद्वार-काशीपुर नेशनल हाई-वे पर स्थित फायर स्टेशन के पास शुक्रवार देर रात करीब 2:30 बजे यह हादसा हुआ। घने कोहरे के कारण कार ने ऑटो में टक्कर मार दी। हादसे में सात लोगों की मौत हो गयी। इनमें दूल्हा और दुल्हन भी हैं। जान गंवाने वाले सभी लोग बिजनौर जिले के ग्राम तीबड़ी के रहने वाले थे। हादसे में चार पुरुष, दो महिलाएं और एक लड़की की मौत हुई है। मरने वालों में दूल्हा-दुल्हन के साथ दूल्हे की मौसी, दूल्हे का भाई, ऑटो ड्राइवर समेत सात लोग हैं। हादसे का शिकार हुआ परिवार झारखंड से निकाह करके मुरादाबाद आया था।

गुवाहाटी सहित राज्य के विभिन्न जिलों में मनाया राष्ट्रीय प्रेस दिवस

गुवाहाटी प्रेस क्लब

कामरूप प्रेस क्लब

रंगिया प्रेस क्लब

पद्मश्री अरूप दत्त ने किया आत्मनिरीक्षण का आह्वान

गुवाहाटी (हि.स.)। प्रख्यात लेखक तथा पद्मश्री पुरस्कार विजेता अरूप कुमार दत्त ने शनिवार को राष्ट्रीय प्रेस दिवस के मौके पर गुवाहाटी प्रेस क्लब में आयोजित कार्यक्रम में हिस्सा लिया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए उन्होंने युवा भारत के इस दौर में मास मीडिया के बदलते स्वरूप पर प्रकाश डाला। उन्होंने प्रेस की विश्वसनीयता और निष्पक्षता को बनाए रखते हुए वित्तीय स्थिरता की चुनौतियों की भी चर्चा की। राष्ट्रीय प्रेस दिवस के अवसर पर गुवाहाटी प्रेस क्लब द्वारा आयोजित *मास मीडिया की बदलती गतिशीलता: स्वतंत्रता और विश्वसनीयता* विषय पर व्याख्यान देते हुए दत्त ने मीडिया को अपनी तटस्थता को पुन: प्राप्त करने और इसे बनाए रखने तथा समाज के प्रहरी के रूप में काम करने में पाठक और दर्शक की भूमिका पर जोर दिया। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि राष्ट्रीय प्रेस दिवस उत्सव मनाने का नहीं, बल्कि आत्मनिरीक्षण का समय है। दत्त ने विस्तार से बताया कि किस तरह मीडिया स्वामित्व, पत्रकारों के दृष्टिकोण और दर्शकों की पसंद में आए बदलावों ने समय के साथ मीडिया की विश्वसनीयता को खत्म कर दिया है। उन्होंने कहा कि इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के आगमन ने प्रिंट मीडिया को प्रभावित किया है, जबकि मुक्त इंटरनेट और सोशल मीडिया इलेक्ट्रॉनिक मीडिया पर जनता की मांगों को पूरा करने के लिए खुद को बदलने का दबाव डाल रहे हैं। पद्मश्री पुरस्कार विजेता ने कहा कि मीडिया को अपनी खोई हुई जमीन वापस पाने के लिए सभी हितधारकों को एक साथ आना चाहिए। इस संबंध में पत्रकारों और लोगों दोनों की जिम्मेदारी है। इस अवसर पर गुवाहाटी प्रेस क्लब की अध्यक्ष सुष्मिता गोस्वामी, महासचिव संजय राय, वरिष्ठ पत्रकार सुशांत तालुकदार, नितुमोनी सैकिया, मोंटू सैकिया, उत्पल पराशर, राजीब लोचन बरठाकुर, ध्रुबज्योति पाठक, शाह आलम और अन्य सदस्य-पत्रकार उपस्थित थे।

कामरूप से हमारे संवाददाता बताते हैं : कामरूप जिले में भी शनिवार को राष्ट्रीय प्रेस दिवस मनाया गया। कामरूप जिला प्रशासन और कामरूप जिला सूचना एवं जनसंपर्क अधिकारी कार्यालय के सौजन्य से इसका आयोजन अमीनगांव स्थित लोक निर्माण विभाग के परिदर्शक बंगले में किया गया। बैठक में मुख्य अतिथि के रूप में कामरूप जिले के जिला आयुक्त देव कुमार मिश्रा उपस्थित थे। उन्होंने उपस्थित सभी पत्रकारों को राष्ट्रीय प्रेस दिवस की शुभकामनाएं देते हुए स्वस्थ समाज को बनाए रखने में मीडिया की भूमिका का उल्लेख किया। उन्होंने समाज को सही दिशा में ले जाने में मीडिया की महत्वपूर्ण भूमिका के महत्व का भी उल्लेख किया। कार्यक्रम में प्रमुख निबंधकार और लेखिका ज्योति खटनिया ने भाग लिया, जिन्होंने इस वर्ष के राष्ट्रीय प्रेस दिवस की थीम *मीडिया के बदलते स्वरूप* के बारे में बताया। उन्होंने वर्तमान सोशल मीडिया और डिजिटल मीडिया के युग में मीडिया में आये बदलावों पर प्रकाश डाला। इस कार्यक्रम में कामरूप जिले के सभी अंचलों के 100 से भी अधिक पत्रकारों ने भाग लिया। इस कार्यक्रम में कामरूप जिले के अतिरिक्त जिला आयुक्त कमल बरुआ भी उपस्थित रहे। इस कार्यक्रम में उपस्थित कई पत्रकारों ने राष्ट्रीय प्रेस दिवस के अवसर पर एक पत्रकार के रूप में अपने विचार व्यक्त किए और एक पत्रकार के रूप में कार्यस्थल में आने वाली चुनौतियों और अतीत में पत्रकारिता की दुनिया में हुए बदलावों के बारे में बताया।

रंगिया से हमारे संवाददाता बताते हैं कि देशभर के साथ-साथ रंगिया सम -जिला प्रशासन के सौजन्य से तथा सम -जिला सूचना एवं जनसंपर्क अधिकारी कार्यालय द्वारा और इसके अंतर्गत सभी पत्रकारों के सहयोग से शनिवार को राष्ट्रीय प्रेस दिवस मनाया गया। इस मौके पर रंगिया सम -जिला आयुक्त कार्यालय के सभागार में आयोजित कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए सम -जिला आयुक्त देवाशीष गोस्वामी ने पत्रकारों को राष्ट्रीय प्रेस दिवस की शुभकामनाएं दी और उनकी भूमिका की प्रशंसा करते हुए पत्रकारों का समाज के प्रति दायित्व के विषय पर उन्होंने एक महत्वपूर्ण भाषण दिया। वहीं इस दौरान *संवाद माध्यम का परिवर्तित रूप* शीर्षक विषय पर एक संगोष्ठी का भी आयोजन किया गया जिसमें सम -जिला आयुक्त देवाशीष गोस्वामी के आह्वान पर उपस्थित पत्रकारों ने अपने विचार प्रकट किये। कार्यक्रम के दौरान सम -जिला प्रशासन तथा महकमा सूचना और जनसंपर्क विभाग की ओर से उपस्थित सभी पत्रकारों का फुलाम गामोछा से अभिनंदन करते हुए उपहार भेंट किया। दूसरी ओर पत्रकारों ने सम -जिला आयुक्त देवाशीष गोस्वामी से रंगिया की विभिन्न समस्याओं को लेकर बातचीत की और इसके समाधान की मांग की। कार्यक्रम में रंगिया सम -जिला प्रशासन की सहायक आयुक्त कृतांजलि कश्यप और जिलजिली थाओसेन के अलावा सम -जिला सूचना एवं जनसंपर्क कार्यालय के बहुत से अधिकारी और कर्मचारी भी उपस्थित रहे जिन्होंने उपस्थित सभी पत्रकारों को राष्ट्रीय प्रेस दिवस की शुभकामनाएं दी।

सारथी शांति निवास ने जरूरतमंदों के बीच जूस का वितरण किया

रंगिया (विभास)। रंगिया में सारथी शांति निवास नामक न्यास द्वारा डाबर इंडिया लिमिटेड की सहायता से तथा शिव शक्ति रिलिजियस ट्रस्ट और केयर यू 365 के सहयोग से रंगिया सम जिला के अंतर्गत विभिन्न स्थानों में जूस का वितरण किया जा रहा है। बताया गया है कि बुजुर्गों, छात्रों, मरीजों और मजदूरी करने वाले निवासियों के स्वास्थ्य को बनाए रखने के लिए यह कदम उठाया जा रहा है। सारथी शांति निवास के संचालक बिपुल कलिता ने बताया कि पिछले शनिवार से शुरू हुए इस कार्यक्रम में रंगिया उन्होंने अबतक रंगिया सिविल अस्पताल, उदीयाना हजरत अहमद अली द्विनी मदरसा, रंगिया बालिका उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, 1 नंबर तुलसीबाड़ी प्राथमिक विद्यालय, 1 नंबर तुलसीबाड़ी अंकनबाड़ी केंद्र, 124 नंबर तोरोनी प्राथमिक विद्यालय, जयंतीपुर योगेश्वर विद्यापीठ हाई स्कूल और समाज के बुजुर्ग, महिला-पुरुष सहित चार हजार लोगों को एक लीटर करके रियल जूस का वितरण किया। सारथी शांति निवास के सक्रिय सदस्य नयनमणि डेका द्वारा संचालित इस कार्यक्रम की सभी ने सहारना की है।

नगांव में 555वां गुरुनानक जयंती हर्षोल्लास के साथ संपन्न

नगांव (विभास)। नगांव गुरुद्वारा फौजदारी पट्टी में शुक्रवार को 555वां गुरुनानक जयंती उत्सव हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। संयुक्त सचिव गुरप्रीत सिंह सेहमी ने बताया कि शुक्रवार को शबद-कीर्तन के साथ ही पूरी संगत, विधायक रूपक शर्मा, जिला आयुक्त नरेंद्र कुमार शाह तथा अनेक अतिथियों ने मत्था टेका व उन्हें सिरोपा भी भेंट किया गया। विधायक शर्मा व जिला आयुक्त शाह ने सारगर्भित विचार व्यक्त किए। अध्यक्ष सुरेंद्र सिंह सहनी ने बताया कि गुरुद्वारा परिसर में जलेबी की सेवा आदित्य प्रतिष्ठान के द्वारा की गई। जिसकी सभी ने प्रशंसा की। महासचिव हरभजन सिंह खालसा व स्टेज सेक्रेटरी हरदर्शन सिंह अरि ने कार्यक्रम का संचालन किया। कोषाध्यक्ष हरभजन सिंह राजपाल ने बताया कि हजारों लोगों ने लंगर चखा। कार्यक्रम को सफल बनाने में गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी के सभी पदाधिकारी व सदस्यों के साथ ही संगत का पूर्ण सहयोग रहा।

कामरूप में जनजातीय गौरव दिवस आयोजित

कामरूप (विभास)। भगवान बिरसा मुंडा की 150वीं जयंती के उपलक्ष्य में आज देशभर के साथ साथ कामरूप जिले में भी जनजातीय गौरव दिवस मनाया गया। जिला विकास आयुक्त सुशांत कुमार दत्त ने जन जातीय लोक नायक भगवान बिरसा मुंडा को श्रद्धांजलि अर्पित की और आदिवासी लोगों के सामाजिक-आर्थिक विकास में उनके योगदान के बारे में बताया। उन्होंने आदिवासी समुदाय के व्यापक विकास के उद्देश्य से केंद्र सरकार द्वारा शुरू की गई धरती आबा आदिवासी ग्राम विकास मिशन के हिस्से के रूप में आज से 26 नवंबर तक कामरूप जिले में किए जाने वाले कार्यक्रमों का भी विवरण दिया। सरकारी विभाग आज से 26 नवंबर तक कामरूप जिले के 128 आदिवासी गांवों में शिविर आयोजित करेंगे ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि पात्र लोगों को आधार पंजीकरण, आयुष्मान भारत कार्ड, किसान सम्मान योजना, पीएम-जन धन योजना, जाति प्रमाण पत्र, आय प्रमाण पत्र और राशन कार्ड मिले और यह सुनिश्चित करने के लिए सभी आवश्यक कदम उठाएं कि वे इस लाभ से वंचित न रहें। जिला विकास आयुक्त सुशांत कुमार दत्त ने कहा कि इन शिविरो के जरिए कृषि, स्वास्थ्य, समाज कल्याण, खाद्य, सार्वजनिक वितरण और उपभोक्ता मामले, पंचायत और ग्रामीण विकास सहित अन्य संबंधित विभागों द्वारा कार्यान्वित लोक कल्याणकारी योजनाओं विशेष रूप से अनुसूचित जनजाति के लिए जारी योजनाओं से इन गांवों के आदिवासी लोगों को लाभ मिल सके इसके लिए लोगों के बीच जागरूकता पैदा करने और सभी पात्र व्यक्तियों या परिवारों को शामिल करने की परिकल्पना की गई है। कार्यक्रम में सहायक आयुक्त देवाशीष बोरा ने स्वागत भाषण दिया। जिले के विभिन्न स्थानों से करीब सौ से भी अधिक जनजातीय लोगों के अलावा इस कार्यक्रम में कृषि, खाद्य, सार्वजनिक वितरण और उपभोक्ता मामले, स्वास्थ्य और परिवार कल्याण, पंचायत और ग्रामीण विकास विभागों के अधिकारियों ने भी भाग लिया। बैठक में जनजातीय गौरव दिवस के अवसर पर बिहार के जमुई में आयोजित केंद्रीय समारोह में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के राष्ट्र के नाम संबोधन का सीधा प्रसारण भी किया गया।

तेरापंथ धर्मस्थल से मुनिवृंद का मंगल विहार

गुवाहाटी। युगप्रधान आचार्य श्री महाश्रमणजी के विद्वान सुशिष्य मुनि प्रशांत कुमार, मुनि कुमुद कुमार का गुवाहाटी के सफलतम चातुर्मासिक परिसंपन्नता के पश्चात शनिवार को स्थानीय तेरापंथ धर्मस्थल से मंगल विहार हुआ। मंगल विहार में जैन श्वेतांबर तेरापंथी महासभा, श्री जैन श्वेतांबर तेरापंथी सभा, महिला मंडल, युवक परिषद्, टीपीएफ, अणुव्रत समिति आदि सभी संघीय संस्थाओं के पदाधिकारियों, कार्यकारिणी सदस्यों के अलावा सैकड़ों की संख्या में श्रावक-श्राविका एवं समाजबंधु उपस्थित थे। प्रात: 7:15 बजे मुनिवृंद का मंगल विहार भव्य जुलूस के साथ प्रारंभ हुआ। मुनिवृंद आज माछखोवा स्थित महेंद्र भारती देवी महणोत के यहां सुखसातापूर्वक पधारे। मुनिवृंद रविवार को जैन श्वेतांबर तेरापंथी महासभा के उपाध्यक्ष विजय कुमार चोपड़ा के छत्रीबाड़ी स्थित सिद्धार्थ रेसीडेंसी निवास स्थान में पधारेंगे तथा सोमवार को शक्तिगढ़ पथ, भागांगढ़ स्थित श्री चैनरूपजी बैद के निवास स्थान में पधारेंगे। ज्ञातव्य हो कि मुनिवृंद जिन-जिन क्षेत्रों में पधारेंगे वहां वहां सार-संभाल के साथ ही श्रावक-श्राविकाओं को धर्माराधना की प्रेरणा देंगे।

बिश्वनाथ में चारों ओर रास महोत्सव की धूम

बिश्वनाथ (हि.स.)। बिश्वनाथ रास महोत्सव को लेकर पूरे जिले में पहले से ही उत्साह का माहौल देखा जा रहा है। उत्तर चारियाली रासोत्सव समिति की पहल पर बिश्वनाथ के रेलवे गेट इलाके में प्रदेश के बड़े रास महोत्सवों में से एक बिश्वनाथ रास महोत्सवों का आयोजन किया जा रहा है। इस बीच बिश्वनाथ रास महोत्स्व के मद्देनजर दूसरे राज्यों कोलकाता, उत्तर प्रदेश और दिल्ली से आने वाली दुकानों की बड़ी संख्या में भीड़ देखी जा रही है। कोलकाता की अत्याधुनिक रोशनी से चकाचौंध एक शानदार मूर्ति रास की भव्यता को चार चांद लगा दिया है, जिसे देख दर्शक काफी प्रभावित हो रहे हैं। उत्सव में शामिल हो रहे हजारों लोग मंत्रमुग्ध हो रहे हैं। इस मौके पर वक्ताओं ने युवा पीढ़ी से श्रीमंत शंकर देव की रचना को आगे बढ़ाने का आग्रह किया। बीती रात आयोजित

कार्यक्रम में बिश्वनाथ के विधायक प्रमोद बोरठाकुर, प्रख्यात अभिनेता ज्योति भुइयां, बिश्वनाथ कॉलेज के प्रोफेसर तारानाथ महंत, पूर्व छात्र नेता अपूर्बा कुमार दास, राजेंद्र प्रसाद दास सहित विभिन्न पार्टी-संगठनों के नेताओं ने भाग लिया। इसके बाद माजुली की तर्ज पर मंच पर देवकी की विवाह नाटिका ने लोगों आनंदित किया। सौरव बोरा और तृष्णा दास सहित अभिनेताओं और अभिनेत्रियों के प्रदर्शन ने लोगों को मंत्रमुग्ध कर दिया। इसके बाद जोंटी दाधरा द्वारा निर्देशित दधी मथन और आगासुर वध नाटक का मंचन हुआ। असम के लोकप्रिय कलाकारों अलंकिता और रूपनकिता के साथ कई कलाकारों ने भाग लिया और कई नाटकों का मंचन किया गया।

जोरहाट में लगी आग से जली लाखों की संपत्ति

जोरहाट (हि.स.)। जोरहाट जिला मुख्यालय स्थित माछरहाट में लगी भीषण आग में लाखों रुपए की संपत्ति जलकर राख हो गई। पुलिस ने आज बताया कि आग माछरहाट में बरनामघर के सामने लगी। आग में एक मकान की ऊपरी मंजिल पर स्थित तीन कमरे पूरी तरह जल गए। आग दीपा दास नामक महिला के आवास की दूसरी मंजिल पर लगी। दीपा दास के मुताबिक, जब आग लगी तो वह नीचे कपड़े धो रही थी। आग लगने के कारणों का अभी पता नहीं चल पाया है। आग ने पूरी इमारत को अपनी चपेट में ले लिया, क्योंकि घर की ऊपरी मंजिल पर तर्जा (बांस) का बेढ़ा लगा हुआ था। करीब 10 मिनट के अंदर पूरा घर आग की चपेट में आ गया। आग में लाखों रुपए के सामान जलकर राख हो गए। आग लगने की सूचना पाकर जोरहाट फायर ब्रिगेड की तीन गाड़ियां पहुंची और काफी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। आग को और अधिक फैलने से रोक लिया गया।

ट्रेन की चपेट में आने से बाइक चकनाचूर

धुबड़ी (हि.स.)। धुबड़ी जिले के बिलासीपारा के सपाटग्राम इलाके में ट्रेन की चपेट में आने से एक बाइक पूरी तरह चकनाचूर हो गयी। रेलवे पुलिस ने शनिवार को बताया कि सापटग्राम रेल पुल के पास डाउन ट्रेन की चपेट में आने से बाइक (एएस-16के-3753) पूरी तरह चकनाचूर हो गयी। हालांकि, बाइक चालक किसी तरह अपनी जान बचाने में सफल रहा। सापटग्राम के सोनकोस नदी के ऊपर बने पुल को पार करते समय बाइक चालक ट्रेन की चपेट में आ गया। घटना के संबंध में रेलवे पुलिस बाइक चालक के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर मामले की जांच कर रही है।

वन विभाग ने पिंजरा लगाकर तेंदुआ को पकड़ा

शिवसागर (हि.स.)। शिवसागर जिले के गेलेकी मूदी नगर चाय बागाना में वन विभाग द्वारा लगाए गए पिंजरे में तेंदुआ कैद होने के बाद स्थानीय लोगों ने राहत की सांस ली है। वन विभाग ने बताया कि कई मवेशियों को शिकार बनाने और चाय श्रमिकों पर तेंदुआ द्वारा हमले किए जाने के बाद वन विभाग की ओर से मूदी नगर 13 नंबर चाय बागान में एक पिंजरा लगाया गया था। जिस पिंजरे में तेंदुआ फंस गया। तेंदुआ पिंजरे में कैद होने के बाद काफी संख्या में लोग तेंदुआ को देखने पहुंचे। वन विभाग की टीम तेंदुआ को अपने साथ ले गए। पुन: उसे वनांचल में छोड़े जाने की व्यवस्था वन विभाग की ओर से की जाएगी। स्थानीय लोगों ने आशंका व्यक्त किया है कि इलाके में और तेंदुआ है मूदी नगर होते हुए सोनपुर की ओर जाने वाली सड़क की दोनों ओर घने जंगल है जिसमें और तेंदुआ होने की संभावना है। स्थानीय लोगों ने और पिंजरा लगाकर तेंदुओं को पकड़ने की मांग की है।

नदी के किनारे वृद्ध व्यक्ति का शव बरामद

कामरूप (हि.स.)। कामरूप (ग्रामीण) जिले के बोको के तामुलदी इलाके में नदी के किनारे से एक वृद्ध व्यक्ति का शव देखे जाने के बाद इलाके में सनसनी फैल गई। पुलिस ने शनिवार को बताया कि कलही नदी के किनारे एक वृद्ध व्यक्ति का शव देखे जाने की जानकारी मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस की टीम ने मृत व्यक्ति का शव अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के अस्पताल भेज दिया है। मृतक की पहचान गोरौमारी के सिंगीमारी निवासी श्रीवास सरकार के रूप में की गई है। मृतक सेवानिवृत्त शिक्षक बीती रात अपने घर से निकला था। मृतक मानसिक विकारग्रस्त था।

पूसीरे ने अक्तूबर में 921 माल रेक अनलोड किए

गुवाहाटी (हि.स.)। पूर्वोत्तर सीमा रेलवे (पूसीरे) ने अपने क्षेत्राधिकार में आने वाले प्रत्येक राज्य के हर कोने पर वस्तुओं की आपूर्ति करने में अक्तूबर, 2024 में 921 माल रेकों की अनलोडिंग की। पूसीरे ने उक्त महीने के दौरान एफसीआई चावल, चीनी, नमक, खाद्य तेल, खाद्यान्न, उर्वरक, सीमेंट, कोयला, सब्जियां, ऑटो, टैंक और अन्य वस्तुओं जैसे सामानों का परिवहन किया है और इसे अपने क्षेत्राधिकार के अधीन विभिन्न गुड्स शेड में अनलोड किया है। पूसीरे के सीपीआरओ कपिंजल किशोर शर्मा ने शनिवार को बताया कि अक्तूबर, 2024 के दौरान, असम में मालगाड़ियों के कुल 534 रेक अनलोड किए गए, जिनमें से 304 आवश्यक वस्तुओं से लोड थे। उक्त महीने के दौरान त्रिपुरा में 59, नगालैंड में 15, अरुणाचल प्रदेश में 10, मणिपुर में 02 और मिजोरम में 01 रेक अनलोड किए गए। इसके अलावा, अक्तूबर, 2024 के दौरान पश्चिम बंगाल में 160 फ्रेट रेक और बिहार में 140 फ्रेट रेक भी पूसीरे के क्षेत्राधिकार में अनलोड किए गए थे। महत्वपूर्ण सेक्शनों पर दोहरीकरण कार्यों के त्वरित निष्पादन, अत्यधुनिक टर्मिनल हैंडलिंग सुविधाओं से माल ढुलाई की आवक और जावक गतिविधियों में बढ़ोतरी हुई है।

मंत्री अजंता ने कोऑपरेटिव कार्यालय का किया उद्घाटन

गोलाघाट (हि.स.)। असम सरकार की वित्त आदि मामलों की मंत्री अजंता नेओग ने गोलाघाट जिलांतर्गत नुमलीगढ़ के मोरंगी में विधायक बिस्वजीत फूकन के नेतृत्व में दो साल पहले स्थापित रामधेनु बहुउद्देशीय सहकारी समिति के मुख्यालय का उद्घाटन किया। मंत्री अजंता ने शनिवार को जोरहाट कृषि विश्वविद्यालय और खुमटाई कृषि अनुसंधान केंद्र की देखरेख में मानसूनी खेती चालीस बीघा जमीन पर धान के फसल की कटाई का उद्घाटन किया।

संपादकीय

‘आयुष्मान’ के भ्रष्ट सौदागर

सेहत और इलाज के सौदागरों ने ‘आयुष्मान भारत’ योजना में भी भ्रष्टाचार खोज लिया है। निजी अस्पताल लाखों रुपए कमा रहे हैं। फर्जी इलाज किए जा रहे हैं और बीमे के क्लेम भी फर्जी हैं। निजी अस्पतालों की सिंडिकेट लॉबी ने डॉक्टरों को भी भ्रष्ट और अनैतिक होने पर विवश कर दिया है। यदि आप अस्वस्थ हैं और अस्पताल जाने की नौबत आ जाए, तो अस्पताल वाले सबसे पहला सवाल यही करेंगे-आयुष्मान कार्ड है? चूंकि इलाज का खर्च आपको नहीं करना। ‘आयुष्मान कार्ड’ के जरिए भारत सरकार 5 लाख रुपए तक का मुफ्त इलाज सुनिश्चित करती है, लिहाजा अस्पताल उस कार्ड के जरिए सरकार से बीमे का क्लेम वसूल लेते हैं। सौदागरों ने आयुष्मान के माध्यम से अपनी अतिरिक्त आमदनी का रास्ता खोज लिया है और उसका भरपूर दोहन किया जा रहा है। हाल ही में गुजरात के एक निजी मल्टीस्पेशलिटी अस्पताल का एक मामला सामने आया है। सेहत की जांच का निशुल्क शिविर लगाया गया। वह छलावा था। गांवों से 19 ऐसे लोगों को, उनकी सेहत की सम्यक जांच के नाम पर, अस्पताल तक लाया गया, जो आयुष्मान कार्डधारक थे। उनमें से 7 लोगों को इलाज के तौर पर भरमाया गया और ‘एंजियोप्लास्टी’ का ऑपरेशन कर उनके दिल में स्टेंट डाल दिए गए। उन लोगों को दिल की कोई बीमारी पहले से नहीं थी। उन कथित मरीजों के परिजनों को जानकारी तक नहीं दी गई और न ही कोई लिखित, हस्ताक्षरी सहमति ली गई। कमाल तो यह है कि भारत सरकार के संबद्ध विभाग की अनुमति भी कुछ ही घंटों में हासिल कर ली गई। यह अनुमति अमूमन दो दिनों में मिलती है। इन ऑपरेशनों का नतीजा यह हुआ कि दो कथित मरीजों की मौत हो गई और 5 अन्य आईसीयू में इलाजरत हैं। यह संपादकीय लिखने तक ही अद्यतन सूचना यही है। डॉक्टर के पेशे से खिलवाड़ कराया गया, अनैतिक अपराध किया गया, बल्कि यह हत्या का मामला बनता है। लालच था कि जो ऑपरेशन किए गए, उनके एवज में भारत सरकार से अच्छा-खासा पैसा मिल जाएगा। मौजू सवाल यह है कि क्या ऑपरेशन करने वाले डॉक्टर वाकई ‘कॉर्डियोलॉजिस्ट’ थे? क्या ऑपरेशन करना जरूरी था? क्या स्टेंट बेहतर क्वालिटी के थे अथवा सस्ते, घटिया स्टेंट डाल कर मरीजों की जिंदगी से खिलवाड़ किया गया? डॉक्टर फरार बताए जाते हैं, लेकिन उनकी पेशेवर मान्यता का क्या होगा? क्या मान्यता रद्द की जाएगी और डॉक्टर के खिलाफ हत्या का केस चलाया जाएगा? इस संदर्भ में सबसे बड़ा और काला खलनायक तथा अपराधी तो अस्पताल प्रबंधन है। बेशक अस्पताल की मान्यता खारिज न की जाए, लेकिन मौजूदा प्रबंधन को तुरंत प्रभाव से बर्खास्त किया जाना चाहिए। अस्पताल में निकट अतीत में आयुष्मान कार्डधारकों के कितने मामले आ चुके हैं, उनकी बीमारी क्या थी अथवा वे बीमार ही नहीं थे, क्या जबरन ऑपरेशन किए गए, इन तमाम पहलुओं की विस्तृत जांच की जानी चाहिए। भारत सरकार के संबद्ध विभाग के अधिकारियों की भी गहन जांच की जानी चाहिए कि कहीं सांठगांठ और मिलीभगत, पैसे के लेन-देन की सचाई तो नहीं थी! भारत सरकार ने आयुष्मान कार्ड का दायरा बढ़ाया है। अब 70 साल की उम्र वाला प्रत्येक नागरिक यह स्वास्थ्य बीमा पाने का पात्र है। करीब 5 लाख लोगों ने विस्तारित योजना के तहत अपना पंजीकरण भी करा लिया है। करीब 6 करोड़ बुजुर्ग भारतीय इस नई योजना से लाभान्वित होंगे। देखना होगा कि भ्रष्ट व्यवस्था और नैतिक पतन का शिकार यह योजना भी होगी अथवा नहीं। आयुष्मान की विस्तारित योजना के लिए अलग से किसी बजट का प्रावधान अभी नहीं किया गया है। यकीनन यह योजना बेहद मानवीय और अद्वितीय है, लेकिन राज्यों की ढिलाई, सरकारी अस्पतालों में साधनहीनता और भेड़-बकरी की तरह भीड़, लिहाजा आम आदमी की बढ़ती उदासीनता, निजी अस्पतालों के ऐसे भ्रष्ट और अनैतिक सौदागर, बूढ़े लोगों का अशिक्षित और शारीरिक तौर पर अक्षम होना ऐसे सवाल हैं।

> निजी अस्पतालों की सिंडिकेट लॉबी ने डॉक्टरों को भी भ्रष्ट और अनैतिक होने पर विवश कर दिया है। यदि आप अस्वस्थ हैं और अस्पताल जाने की नौबत आ जाए, तो अस्पताल वाले सबसे पहला सवाल यही करेंगे-आयुष्मान कार्ड है? चूंकि इलाज का खर्च आपको नहीं करना। ‘आयुष्मान कार्ड’ के जरिए भारत सरकार 5 लाख रुपए तक का मुफ्त इलाज सुनिश्चित करती है, लिहाजा अस्पताल उस कार्ड के जरिए सरकार से बीमे का क्लेम वसूल लेते हैं। सौदागरों ने आयुष्मान के माध्यम से अपनी अतिरिक्त आमदनी का रास्ता खोज लिया है और उसका भरपूर दोहन किया जा रहा है। हाल ही में गुजरात के एक निजी मल्टीस्पेशलिटी अस्पताल का एक मामला सामने आया है। सेहत की जांच का निशुल्क शिविर लगाया गया। वह छलावा था। गांवों से 19 ऐसे लोगों को, उनकी सेहत की सम्यक जांच के नाम पर, अस्पताल तक लाया गया, जो आयुष्मान कार्डधारक थे। उनमें से 7 लोगों को इलाज के तौर पर भरमाया गया और ‘एंजियोप्लास्टी’ का ऑपरेशन कर उनके दिल में स्टेंट डाल दिए गए। उन लोगों को दिल की कोई बीमारी पहले से नहीं थी।

सुप्रीम कोर्ट ने बुलडोजर कार्रवाई को नियंत्रित करते वक्त एक तथ्य पर ध्यान नहीं दिया

धीमी न्यायिक प्रक्रिया के विकल्प पर सोचना होगा

उमेश चतुर्वेदी

> बुलडोजर कार्रवाई के विरोधी इसे अपनी जीत बता रहे हैं, वहीं इसके समर्थक इस फैसले में भी कार्रवाई के लिए राह खोज रहे हैं। इससे साफ है कि बुलडोजर न्याय सिर्फ स्पीड ब्रेकर का काम करेगा, ब्रेक नहीं बन पाएगा। स्पीड ब्रेकर तेज रफ्तार वाहनों की रफ्तार को धीमी करता है, जबकि ब्रेक गाड़ी को रोक देता है। यह फैसला भी कुछ इसी तरह का साबित होने जा रहा है। सुप्रीम कोर्ट ने बुलडोजर कार्रवाई को नियंत्रित करते वक्त एक तथ्य पर ध्यान नहीं दिया है। हमारे यहां आपराधिक मामलों की सुनवाई की जो प्रक्रिया है और उसमें जिस तरह की देर लगती है, उसे अपराध करने वालों ने अपने लिए आड़ बना रखा है।

उलेमा बनाम उत्तरी दिल्ली मामले पर सुनवाई के दौरान जिस तरह सुप्रीम कोर्ट ने टिप्पणियां की थीं, इस मामले पर आए फैसले का अंदेशा उनसे हो गया था। सबसे बड़ी अदालत ने बुलडोजर कार्रवाई पर पूरी रोक तो नहीं लगाई है, लेकिन इसके लिए मानक प्रक्रिया बनाकर राज्य सरकारों और स्थानीय निकायों के हाथ जरूर बांध दिए हैं। जैसा कि हर फैसले के साथ होता है, हर पक्ष अपने-अपने हिसाब से इसकी व्याख्या कर रहा है। बुलडोजर कार्रवाई के विरोधी इसे अपनी जीत बता रहे हैं, वहीं इसके समर्थक इस फैसले में भी कार्रवाई के लिए राह खोज रहे हैं। इससे साफ है कि बुलडोजर न्याय सिर्फ स्पीड ब्रेकर का काम करेगा, ब्रेक नहीं बन पाएगा। स्पीड ब्रेकर तेज रफ्तार वाहनों की रफ्तार को धीमी करता है, जबकि ब्रेक गाड़ी को रोक देता है। यह फैसला भी कुछ इसी तरह का साबित होने जा रहा है। सुप्रीम कोर्ट ने बुलडोजर कार्रवाई को नियंत्रित करते वक्त एक तथ्य पर ध्यान नहीं दिया है। हमारे यहां आपराधिक मामलों की सुनवाई की जो प्रक्रिया है और उसमें जिस तरह की देर लगती है, उसे अपराध करने वालों ने अपने लिए आड़ बना रखा है। बरसों तक धीमी गति से चलने वाली न्यायिक प्रक्रिया का एक संदेश यह है कि ताकतवर चाहे तो अपराध करने के बावजूद प्रक्रिया की घुमावदार गलियों में न्यायिक फैसले को टाल सकता है। यह टालना इतना लंबा हो जाता है कि एक तरह से वह न्याय से इनकार हो जाता है। देर है पर अंधेर नहीं की सोच भी उबाऊ और धीमी न्यायिक प्रक्रिया के सामने धुंधली होते-होते समाप्त हो जाती है। इसी घुमावदार और लंबी-धीमी न्यायिक प्रक्रिया का विकल्प बनकर बुलडोजर न्याय उभरा था। राज्य सरकारों ने इसे त्वरित न्याय के साधन के तौर पर अपनाया और देखत ही देखते अपराधमुक्त समाज की चाहत रखने वालों की चहेती बन बैठीं। सुप्रीम कोर्ट ने बुलडोजर कार्रवाई की मानक प्रक्रिया बनाते हुए त्वरित न्याय के विकल्प या न्यायिक प्रक्रिया की घुमावदार गलियों को पूरी तरह नजरंदाज किया है। यही वजह है कि इस फैसले के बाद अपराधियों, गैंगस्टरों, असामाजिक तत्वों के उभार को लेकर समाज का एक बड़ा वर्ग सशंकित हो उठा है। देश की सबसे

बड़ी अदालत होने के चलते सुप्रीम कोर्ट को इस सामाजिक सोच का भी संज्ञान लेना चाहिए और उसे भी आश्वस्त करना चाहिए कि उसके फैसले के बावजूद किसी गैंगस्टर, कोई अपराधी या समाज विरोधी तत्व को कमजोर तबके की जमीनों या सार्वजनिक संपत्तियों के अतिक्रमण का हक नहीं मिल जाता। सुप्रीम कोर्ट ने यह फैसला उत्तरी दिल्ली के एक मामले में दिया है। अप्रैल 2022 में दिल्ली के जहांगीर पुरी में रामनवमी के दिन निकले जुलूस पर एक मस्जिद और उस इलाके से जुलूस पर हुए पथराव और उससे उपजी हिंसा के जवाब में दिल्ली नगर निगम ने अवैध अतिक्रमणों को हटाने के लिए बुलडोजर कार्रवाई की थी। इस कार्रवाई को सांप्रदायिक कार्रवाई का रंग देते हुए सेकुलर धारा के दिग्गज वकीलों मसलन कपिल सिब्बल आदि ने सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी। भले ही सुनवाई इसी मामले की होती रही, लेकिन संदेश ऐसा गया मानो उत्तर प्रदेश की सरकार की बुलडोजर कार्रवाई के खिलाफ सुनवाई हो रही है। इसकी वजह यह रही कि उत्तर प्रदेश की सरकार ने त्वरित न्याय के विकल्प के रूप में इसे अपनाया। तब उत्तर प्रदेश सरकार को लेकर यह छवि बनाई गई कि वह सिर्फ अल्पसंख्यक यानी मुस्लिम तबकों के खिलाफ ही बुलडोजर कार्रवाई करती है। जबकि योगी सरकार ने बिरादरी से ब्राह्मण लेकिन कर्म से माफिया और गैंगस्टर विकास दुबे के खिलाफ भी इस कार्रवाई को किया। भदोही के बिरादरी से पंडित गैंगस्टर और राजनेता विजय मिश्रा की अतिक्रमित संपत्तियां भी उत्तर प्रदेश सरकार के निशाने पर रहीं। लेकिन प्रचारित सिर्फ अतीक, मुख्तार जैसे मुस्लिम दबंगों और माफियाओं की संपत्तियों के खिलाफ हुई कार्रवाई ही की जाती रहीं। इस बहाने त्वरित न्याय के इस सरकारी विकल्प को हिंदुत्ववादी राजनीतिक दर्शन का ना सिर्फ नतीजा बताया गया, बल्कि यह नैरेटिव स्थापित कर दिया गया। इसीलिए सुप्रीम कोर्ट के फैसले को लेकर आम लोगों के बीच संदेश यही गया है कि यह उत्तर प्रदेश सरकार के खिलाफ आया फैसला है। बुलडोजर कार्रवाई को लेकर प्रचारित सिर्फ योगी सरकार रही, लेकिन अवैध अतिक्रमण के खिलाफ आंध्र, तेलंगाना, राजस्थान, महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश आदि सरकारों ने भी की है। एक आंकड़े के मुताबिक, पिछले सात सालों में करीब 2000 अवैध अतिक्रमण बुलडोजर कार्रवाई में ढहाए गए। जिनमें सबसे ज्यादा करीब डेढ़ हजार मामले उत्तर प्रदेश के ही रहे। लेकिन उत्तर प्रदेश में इस कार्रवाई से खाली कराई गई जमीनों को कमजोर तबकों में बांटा भी गया है। करीब सात सौ ऐसे प्लॉट बांटे जा चुके हैं। इसकी चर्चा कम हो रही है। निश्चित तौर पर इससे किसी को इनकार नहीं होगा कि किसी अपराधी के अपराध की कीमत उसका पूरा परिवार अपना घर गवांकर क्यों चुकाए। लेकिन यह नहीं भूलना चाहिए कि अपराधी का घर भी अगर सरकारी तंत्र के निशाने पर बना तो उसकी वजह उसका नियमित निर्माण नहीं, बल्कि अवैध कब्जा और अतिक्रमण रहा। अब तक बुलडोजर कार्रवाई नगर पालिकाओं, पंचायती राज संस्थाओं का विषय रहा है। सुप्रीम कोर्ट के फैसले के बाद इसे में स्थानीय जिला अधिकारी और उप जिलाधिकारी भी शामिल हो गए हैं। अवैध कब्जे और अतिक्रमण के खिलाफ बुलडोजर कार्रवाई जिला अधिकारी की निगरानी में होगी और इसके लिए मान्य प्रक्रिया और नोटिस आदि देने की अवधि का पूरी तरह निर्वहण किया जाएगा। इस प्रक्रिया की राह में एक बाधा नजर आ रही है। जिला प्रशासन समय और काम के बोझ का बहाना बनाकर ऐसी कार्रवाइयों को टाल सकता है। अपराधी, माफिया और गैंगस्टर कब्जे करते रहेंगे, और धीमी न्यायिक प्रक्रिया के चलते वे अपने अपराध को प्रकारांतर से स्थापित करते रहेंगे। इससे त्वरित न्याय प्रक्रिया की वैकल्पिक सोच भी कुंद होगी। ऐसे में न्याय की उम्मीद भी धुंधली होगी। ऐसे में आपराधिक तत्वों पर लगाम लगा पाना आसान नहीं रह जाएगा।

दृष्टि कोण

बुलडोजर न्याय में हो रही मनमानी पर रोक

सरकारों की गलतफहमी है कि एक बार चुनाव जीतने के बाद उन्हें मनमानी का अधिकार मिल जाता है। इसी भ्रम में सरकारें अपने को अदालत से ऊपर समझने लगती हैं। सुप्रीम कोर्ट ने बुलडोर एक्शन के मामले में फैसला देकर सरकारों का यह सपना तोड़ दिया है। हालांकि सुप्रीम कोर्ट ने यह फैसला दिल्ली की आप सरकार के मामले में दिया है, किन्तु यह लागू सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों पर होता है। सुप्रीम कोर्ट ने 13 नवंबर को बुलडोजर एक्शन के खिलाफ दायर याचिका पर फैसला सुनाते हुए तीखी टिप्पणी की। साथ ही बुलडोजर की कार्रवाई को लेकर गाइडलाइन तय कर दी। फैसला सुनाते हुए कोर्ट ने दो टूक कहा कि किसी भी मामले में आरोपी होने या दोषी ठहराए जाने पर भी घर तोडऩा सही नहीं है। सुप्रीम कोर्ट ने जमीयत उलेमा-ए-हिन्द बनाम उत्तरी दिल्ली नगर निगम व अन्य से संबंधित केस में दो टूक कहा है कि इस मामले में मनमाना रवैया बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। अधिकारी मनमाने तरीके से काम नहीं कर सकते। बगैर सुनवाई आरोपी को दोषी करार नहीं दिया जा सकता है। सुप्रीम कोर्ट ने फैसला सुनाते हुए कहा कि अपना घर पाने की चाहत हर दिल में होती है। यद्यपि यह फैसला दिल्ली सरकार से संबंधित है, पर इसमें कोई दो राय नहीं है कि इस फैसले के बाद अब योगी सरकार के लिए बुलडोजर एक्शन लेना भी मुश्किल हो जाएगा। कार्यपालिका के पास असीम शक्तियां होती हैं। इसी बल पर हर साल सुप्रीम कोर्ट के आदेशों को कार्यपालिका विभिन्न कारणों को आधार बनाकर सैकड़ों आदेशों का अनुपालन नहीं करती है। उत्तर प्रदेश की योगी सरकार से शुरू हुआ बुलडोजर एक्शन का यह सिलसिला पूरे देश में फैल गया था। राज्यों की सरकारों ने इसका राजनीतिक इस्तेमाल करने में कसर बाकी नहीं रखी। वोट बैंक राजनीति ऐसे फैसलों में साफ नजर आती है। हालांकि उत्तर प्रदेश में बुलडोजर एक्शन अपराधियों के आवास और व्यावसायिक प्रतिष्ठान गिराने के लिए लिया गया था। बुलडोजर एक्शन में भी अपराधियों में भेदभाव के उदाहरण मौजूद हैं। इसका दुरुपयोग भी सांप्रदायिक आधार पर किया गया। इसमें कोई संदेह नहीं कि ऐसी सख्त कार्रवाई से अपराधियों में कहीं न कहीं खौफ उत्पन्न होता है। उत्तर प्रदेश में योगी सरकार ने जिस तरह माफिया या गैंगस्टर का सफाया किया, उससे काफी हद तक अपराधों पर लगाम लग सकी है। इस कार्रवाई से शायद ही कोई इत्तफाक रखता हो। सवाल यही आता है कि अपराध रोकने की आड़ में सरकार क्या कानून से ऊपर है। बुलडोजर एक्शन में यही बात नजर आती है। दरअसल यह काम देश की अदालतों का है कि सुनवाई के बाद आरोपी को सजा देने या नहीं देने का। बुलडोजर एक्शन में ऐसे न्याय की संभावना पहले ही खत्म हो जाती है, जहां बगैर किसी सुनवाई के फैसला सुना दिया जाता है। इससे यदि आरोपी गलत न भी हो तो उसे घर या दुकान तुड़वाने की सजा भुगतनी पड़ती है। जबकि सजा तय करने की जिम्मेदारी अदालतों की है। सरकारों की यह हरकत निश्चित तौर पर अदालतों के मामले में दखलअंदाजी रही है। बुलडोजर एक्शन की कार्रवाई सरकारों को बेशक सस्ती लोकप्रियता दिला सकती है, न्याय नहीं। महाराजगंज जिले में सडक़ के फोरलेन का चौड़ीकरण के संबंध में एक व्यक्ति का मकान गिराने को लेकर कोर्ट ने काफी तीखी टिप्पणी दी और उत्तर प्रदेश सरकार पर 25 लाख का जुर्माना भी लगाया। हालांकि यह विकास कार्यों के लिए की गई कार्रवाई थी। इसमें सरकार की वह मंशा नहीं थी कि किसी अपराधी का घर गैरकानूनी अवैध कब्जा की बात कहकर गिराई गई हो। फिर भी कोर्ट ने पीड़ित की बात सुनी। इस तरह के अतिक्रमण हटाने के भी कायदे-कानून बने हुए हैं। उनकी पालना किए बगैर सीधे बुलडोजर दौड़ा देना अन्याय ही कहा जाएगा। ऐसे मामलों की भी कमी नहीं हैं, जहां आम आदमी की सम्पत्ति को अतिक्रमण के नाम पर ढहा दिया जाता है, वहीं रसूखदारों की तरफ प्रशासन की आंख उठाने की भी हिम्मत नहीं होती। देश का शायद ही ऐसा कोई शहर होगा, जहां प्रभावशाली लोगों के अतिक्रमण तोडऩे में सरकार और प्रशासन ने उदाहरण पेश किए होंगे। सरकार और प्रशासन प्रभावशाली लोगों के सामने कैसे नतमस्तक हो जाते हैं, इसका सबसे बड़ा उदाहरण नोएडा के ट्विन टावर का मामला है। सुप्रीम कोर्ट ने अगस्त 2021 में सुपरटेक के नोएडा एक्सप्रेसवे पर स्थित एमराल्ड कोर्ट प्रोजेक्ट के अपैक्स और सियान टॉवरों को अवैध ठहराया था।

कुछ अलग

फाइव स्टार समोसा...

जांच एजेंसियां पसीने से तर-ब-तर हैं। समोसा कौन खा गया, इसकी तफतीश करना गले की फांस बन गया है। समोसा भी कोई ऐसा वैसा समोसा नहीं था जो किसी हलवाई की दुकान से गायब हो गया हो। फाइव स्टार समोसा था। ऐसे समोसे के आगे गलीछाप समोसे हमेशा शर्मिंदा खड़े रहते हैं। फाइव स्टार समोसा था, इसलिए समोसे की पूरी ठसक थी। पूरी सिक्योरिटी में उसे गंतव्य तक लाया गया था। दो जवान आगे थे, दो पीछे। क्या मजाल कि किसी की बुरी नजर समोसे पर पड़ जाए। क्या मजाल कि समोसे की तरफ कोई आंख उठा कर देख ले। सुरक्षाकर्मी पूरी तरह मुस्तैद थे। समोसे को पहली बार इतनी हाई सिक्योरिटी मिली हुई थी। छोटे-मोटे समोसे शर्मिंदा थे। हीनभावना से ग्रस्त थे। लेकिन फाइव स्टार समोसा अपने मूंछों पर ताव दे रहा था। डिब्बे के भीतर मंद-मंद मुस्करा रहा था। लेकिन इसी बीच सर्जिकल स्ट्राइक हो गई। यह महाकीमती समोसा जिनकी प्लेट तक पहुंचना चाहिए था, वहां नहीं पहुंचा और किसी और के ही पेट में चला गया। हडक़ंप मच गया। ठीक वैसे ही हडक़ंप मच गया जैसा राज्यसभा चुनाव के दौरान मचा था जब सत्ता पक्ष के कुछ विधायकों ने पार्टी के अधिकृत प्रत्याशी के आगे रखी गुलाब जामुन की प्लेट सरकाकर दूसरे प्रत्याशी के आगे रख दी थी और फिर हेलीकॉप्टर से उड़ गए थे। अभी जांच एजेंसियां हेलीकॉप्टर के पंखों की पड़ताल में ही उलझी थी कि इसी बीच फाइव स्टार समोसा कोई और ही लपक गया। चटनी तक हाथ नहीं आई। कोई और ही हाथ साफ कर गया। सिर्फ नाक तक खुशबू पहुंची, लेकिन समोसा पेट के अंदर नहीं पहुंचा। किसी दूसरे के पेट के अंदर जाकर डकार मारने लगा। मामला अत्यंत संवेदनशील हो गया। हाई प्रोफाइल हो गया। जांच एजेंसियों ने फिर समोसे की लोकेशन ट्रेस करने के लिए उच्च तकनीकी उपकरणों का सहारा लिया। हर कैमरे की फुटेज बारीकी से खंगाली गई कि कहीं समोसे की आखिरी झलक मिल जाए। जांचकर्ताओं ने सुरक्षाकर्मियों के पिछले खाने के रिकॉर्ड भी निकाल लिए हैं, कितने समोसे, कितनी कचौडिय़ां, सब का हिसाब लिया जाने लगा। टीआरपी की होड़ में लगे मीडिया हाउस इतने उत्साहित थे कि वे ‘समोसे के आंसू’ की डॉक्यूमेंट्री बनाने की तैयारी में जुट गए। एक फेसबुकिया चैनल ने यह दावा कर दिया कि इस समोसे की चोरी में एक अंतरराष्ट्रीय षड्यंत्र भी हो सकता है। एक चैनल में चली लाइव बहस में एक सज्जन ने इसमें विपक्ष का हाथ बता दिया। सुनने में आया है कि जांच एजेंसियां अब समोसे का डीएनए टेस्ट करवाने पर भी विचार कर रही हैं। समोसे के भीतर के आलू के अंश और मसाले की मात्रा को बारीकी से खंगाला जाएगा ताकि यह पता लगाया जा सके कि आखिर किसने इतनी बेशर्मी से इसे चट कर लिया। खबर आई है कि सीसीटीवी फुटेज में समोसे का आखिरी बार मुंह के अंदर जाते हुए एक ‘अनाम सुरक्षा कर्मी’ नजर आ रहा है, और उसका चेहरा ‘सुरक्षित’ रखने की हिदायत दी गई है। समोसा बनाने वाले फाइव स्टार होटल के मालिक का बयान भी सुर्खियां बटोर रहा है। समोसे के प्रकरण में पहली बार समोसे के मालिक को मीडिया के सामने आना पड़ा है। इतिहास में पहली बार ऐसा घटित हुआ है। हो सकता है कि आने वाले दिनों में स्कूली पाठ्यक्रम में भी समोसे की गाथा शामिल हो जाए। बेशक, देश और प्रदेश के सामने और भी कई मुद्दे हैं, लेकिन फिलहाल यह फाइव स्टार समोसा सबसे बड़ी प्राथमिकता बना हुआ है।

देश दुनीया से

गुरु नानक जी की शिक्षाएं आज भी प्रासंगिक

बात उस समय की है जब भारत में प्रथम मुगल बादशाह बाबर ने आक्रमण कर भारत पर अपना राज चलाया। साथ ही वह इस्लाम धर्म को भी बढ़ावा दे रहा था। उस समय दक्षिण एशिया के पंजाब में सनातन धर्म और इस्लाम धर्म ही था। गुरु नानक देव जी को इस्लाम, ईसाई, सनातन और यहूदी धर्म का गूढ़ ज्ञान था। भारत में इस्लाम धर्म के अधिक बढ़ावे को देखकर गुरु नानक देव जी ने सिख धर्म की स्थापना करनी चाही। वैसे तो सिख धर्म के संस्थापक श्री गुरु नानक देव जी कहलाए जाते हैं, जिनका अनुसरण सिख धर्म के 9 गुरुओं ने बड़े आदर और निष्ठा से निभाया। इसकी धार्मिक परंपराओं को गुरु गोविंद सिंह जी, जो सिख धर्म के दसवीं पातशाही थे, ने 13 अप्रैल 1699 ईस्वी को बैसाखी वाले दिन को अंतिम रूप दिया। सिख धर्म के 10 गुरु- श्री गुरु नानक देव जी, श्री गुरु अंगद देव जी, श्री गुरु अमरदास जी, श्री गुरु रामदास जी, श्री गुरु अर्जन देव जी, श्री गुरु हरि गोविंदजी, श्री गुरु हरि राय जी, श्री गुरु हरकृष्ण जी, श्री गुरु तेग बहादुर जी व श्री गुरु गोविंद सिंह जी थे, जिन्होंने सिख धर्म पर प्रचार-प्रसार कर सनातन धर्म की रक्षा की। इनके साथ-साथ कुछ भक्त भी ऐसे हुए जिन्होंने सनातन धर्म, सिख धर्म और ‘ईश्वर एक है’ का बखान एवं प्रचार-प्रसार किया। इनमें से बाबा नामदेव, भक्त कबीर, भक्त रैदास, बाबा फरीद की बाणियां श्री गुरु ग्रंथ साहिब जी में पाई जाती हैं। समाज में फैली बुराइयों, कुरीतियों और हिंसा को बदलने के लिए ही समय-समय पर अवतार होते रहे हैं। ऐसे में ही गुरु नानक देव जी का जन्म रावी नदी के किनारे तलवंडी नामक स्थान पर संवत 1527 सन् 15 अप्रैल 1469 ईस्वी को कालू मेहता तथा माता तृप्ता देवी के घर हुआ। गुरु नानक देव जी की एक बहन नानकी जी, जो 5 साल बड़ी थी, वह नानक से बहुत प्रेम करती थी। साल 1475 ईस्वी में बेबे नानकी की शादी हो गई और वह अपने ससुराल सुल्तानपुर चली गई। 16 वर्ष की आयु में गुरु नानक देव जी की शादी मूला की बेटी सुलखनी देवी से हुई। 32 साल की आयु में इनके पहला बेटा श्रीचंद का जन्म हुआ। 4 साल बाद दूसरे बेटे लख्मी दास का जन्म हुआ। 1507 ईस्वी में नानक देव जी अपने परिवार की जिम्मेदारियां ईश्वर पर छोडक़र भाई मरदाना, भाई लहना, भाई बाला और भाई रामदास को साथ लेकर तीर्थ यात्रा पर निकल पड़े। गुरु नानक देव जी के बड़े बेटे श्रीचंद आगे चलकर उदासी संप्रदाय के संस्थापक बने। एक बार गुरु नानक देव जी अपने ससुराल सुल्तानपुर में स्नान-ध्यान के लिए पास की नदी पर गए और 3 दिन तक नहीं लौटे। जब वह लौटे तो वह एक असामान्य इनसान की तरह लगे। जब उनसे बात की गई तो उन्होंने कहा ‘न कोई हिंदू है, न कोई मुसलमान है’। इन्हीं शब्दों को उनकी शिक्षाओं की शुरुआत माना जाता है। उन्होंने लोगों को सिखाया कि ईश्वर प्राप्ति के लिए हमें किसी अनुष्ठान और पूजा-पाठ की आवश्यकता नहीं है। ईश्वर को पाने के लिए उन्होंने लोगों से ईश्वर का नाम जपने को कहा। उन्होंने लोगों को दूसरों की मदद करना, सेवा करके आध्यात्मिक जीवन जीना सिखाया। उन्होंने तीन बड़ी शिक्षाओं पर जोर दिया- नाम जपो, ईमानदारी से काम करो, दान करो और बांट कर खाओ। नानक देव जी को उनके अनुयायी नानक देव, बाबा नानक और नानक शाह नाम से संबोधित करते थे। नानक देव जी एक दार्शनिक, योगी, गृहस्थ, धर्म सुधारक, समाज सुधारक, कवि, देशभक्त और विश्व बंधु अपने जीवनपर्यंत रहे। उन्होंने धर्म के प्रचार-प्रसार और ईश्वर के संदेशों को पूरी दुनियां में फैलाने के लिए देश-विदेश और उपमहाद्वीपों की चार अध्यात्मिक यात्रा की। सबसे पहले वह अपने माता-पिता के पास गए और इन यात्राओं का महत्व बताया और फिर यात्रा शुरू की। उनकी पहली यात्रा लगभग 7 साल की रही। इसमें उन्होंने भारत और पाकिस्तान के अधिकांश भाग को समेटा। दूसरी यात्रा में उन्होंने वर्तमान श्रीलंका के बड़े भाग को समेटा। इसमें भी 7 साल का समय लगा। तीसरी यात्रा में उन्होंने हिमालय, कश्मीर, नेपाल, सिक्किम, तिब्बत और ताशकंद जैसे पर्वतीय क्षेत्रों को लगभग 5 साल में पूरा किया। चौथी यात्रा में उन्होंने मक्का और मध्य पूर्व के अन्य स्थानों का भ्रमण लगभग 3 साल तक किया। पांचवीं यात्रा में उन्होंने 2 साल तक पंजाब में संदेश फैलाया। ऐसा माना जाता है कि उन्होंने अपने जीवन के लगभग 24 वर्ष इन यात्रा में बिताए और पैदल ही लगभग 28000 किलोमीटर की यात्रा की। 55 वर्ष की आयु के बाद श्री नानक देव जी ने अपना समय करतारपुर में ही बिताया। इस अवधि के दौरान वे अचलके नाथ योगी केंद्र और पाकपट्टन और मुल्तान के सूफी केंद्रों की छोटी-छोटी यात्रा पर गए। गुरु नानक देव जी के असंख्य अनुयायी हुए, जिनमें हिंदू-मुसलमान सम्मिलित थे। सभी अनुयायी गुरु नानक देव जी का बहुत सत्कार करते थे। गुरु नानक देव जी ने अपना पूरा जीवन मानव जाति के कल्याण में लगा दिया। इसके साथ ही वह हमेशा अपनी वाणी के माध्यम से लोगों को प्रेम से रहने के लिए प्रेरित करते थे तथा सभी तरह की जाति-धर्म का त्याग करके ईश्वर की भक्ति में लीन रहने का मार्ग दिखाते थे। गुरु नानक देव जी ने अपनी गुरु गद्दी के लिए अपने प्यारे चार सह साथियों में से भाई बाला, भाई मरदाना, भाई लहना, भाई रामदास में से भाई लहना जी को अपना उत्तराधिकारी चुना। बाद में यही भाई लहना जी श्री गुरु अंगद देव जी के नाम से सिखों के दूसरे गुरु हुए। अपने उत्तराधिकारी की घोषणा करने के कुछ समय पश्चात गुरु नानक देव जी 22 सितंबर 1539 ईस्वी को करतारपुर में 70 वर्ष की आयु में ज्योति ज्योत समा गए। जानकारों के अनुसार यह पता चलता है कि श्री गुरु नानक देव जी के पार्थिव शरीर को लेकर हिंदू-मुसलमानों में बहस हो गई। हिंदू अपने रिवाज के अनुसार दाह संस्कार करना चाहते थे, तो मुसलमान अपने रिवाज के अनुसार दफनाना चाहते थे। बहस के दौरान ही जैसे ही पार्थिव शरीर से चादर हटाई गई, तो शव के स्थान पर सुगंधित फूलों की ढेरी पाई गई, जिन्हें आधे हिंदू लोग और आधे मुसलमान लोग ले गए। हिंदू लोग उन्हें शाही फकीर कहते व मुसलमान लोग उन्हें पीरों के पीर कहते थे।

आप का नजरीया

कांगड़ा में खुलती खिड़कियां

धर्मशाला के सचिवालय में सत्ता की रुह निवास करती है, इसे सिद्ध करते मुख्यमंत्री सुखविंदर सुक्खू ने एक दिन सरकार चला कर कांगड़ा की नब्ज पकड़ी। सरकार की कोई भी हलचल कांगड़ा में सराबोर हो, तो एक साथ कई खिड़कियां खुल जाती हैं। यह कोशिश वाईएस परमार के दौर पर जिस तरह हुई, उससे कहीं विपरीत आशाएं व आश्वासन बदले हैं। सत्ता के हर दरवाजे पर कांगड़ा खड़ा रहा, तो राजनीति के हर कठघरे में भी यही जिला रहा। पार्टियों को समझ आ गया और ये दरवाजे हर मुख्यमंत्री को भी राजनीतिक नक्शों तक ले गए, लेकिन घोषणाएं कई बार केवल चित्रकार बनी रहीं। इसीलिए घोषणाओं की शब्दावली में नवाचार होता रहा और इसी संदर्भ में वीरभद्र सिंह के शासन काल से सुखविंदर सिंह सुक्खू के मुख्यमंत्रित्व काल आने तक कई तगमे और कई तखल्लुस जुड़ते गए। यही वजह है कि जब किसी मंत्री या मुख्यमंत्री के आगमन पर धर्मशाला सचिवालय के दरवाजे खुलते हैं या शीतकालीन राजधानी के प्रोटोकॉल में एहसास स्थापित होता है, तो सत्ता के शिखर पर कांगड़ा के नाम की वसंत उग आती है। इस वसंत को वीरभद्र सिंह ने शीतकालीन राजधानी या तपोवन में शीतकालीन सत्र तक पहुंचाया, तो शीतकालीन प्रवास की ऊबड़-खाबड़ राहों पर प्रेम कुमार धूमल व जयराम ठाकुर भी चले। प्रेम कुमार धूमल ने भले ही धर्मशाला में हिमाचल भवन का तख्त छीना, लेकिन राज्य सरकार का व्यावहारिक सचिवालय स्थापित किया। वह खेल राजधानी के सफर को धर्मशाला तक लाए, तो अब सुखविंदर सिंह सुक्खू कांगड़ा में पर्यटन राजधानी की जमीन का विस्तार कर रहे हैं। इसी आशय की एक बैठक में धर्मशाला सचिवालय गूंजता है, तो कांगड़ा सुनता है। कांगड़ा सुनता है कि गगल एयरपोर्ट विस्तार की वचनबद्धता से बंधे मुख्यमंत्री ने सारी ताकत झोंक कर इक सपना दिखाया है। गगल एयरपोर्ट विस्तार से भविष्य की रफ्तार बदल जाएगी। न केवल पर्यटन, बल्कि व्यापार-रोजगार भी अपनी दिशा बदल लेगा। युग बदलने की कोशिश में हिमाचल के अपने रास्ते, केंद्र सरकारों से वास्ते तथा राजनीतिक जिम्मेदारियां रही हैं। प्रदेश में यूं तो कांगड़ा का कद बड़ा है, लेकिन यह सत्ता में छोटा ही रहा है। इसे हर मुख्यमंत्री ने अंगुली से पकडक़र अपने-अपने ढंग से चलाया, फिर भी वीरभद्र के मानचित्र पर उकेरे गए संकल्प की भूमिका आज भी प्रासंगिक है। मसलन राजधानी शिमला के समकक्ष धर्मशाला की तलाशी में कुछ सियासी प्रतीक आज भी सुदृढ़ हैं। यह दीगर है कि कुछ मसलों में राजनीतिक शास्त्र ने नए अध्याय जोड़े। देहरा में मुख्यमंत्री कार्यालय ऐसी ही एक खोज है, जिसको लेकर भाजपा की आपत्तियां सामने आई हैं। कांगड़ा ने हमेशा सत्ता को खोजा, लेकिन क्या पाया, इसका हिसाब आज तक नहीं हो पाया। बावजूद इसके जब कोई मुख्यमंत्री धर्मशाला के सचिवालय या तपोवन विधानसभा परिसर से कांगड़ा के फरियादियों का भगवान बना नजर आता है, तो यहां का राजनीतिक श्रम सार्थक हो जाता है।

उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने श्री काशी विश्वनाथ मंदिर में किया दर्शन पूजन

वाराणसी, (हि.स.)। उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने वाराणसी प्रवास के दूसरे दिन शनिवार को श्री काशी विश्वनाथ मंदिर में विधिवत दर्शन पूजन किया। उप मुख्यमंत्री ने मंदिर के गर्भगृह में बाबा के पावन ज्योर्तिलिंग की आराधना कर उनका अभिषेक किया। बाबा का विधिविधान से दर्शन पूजन कर किया। मंदिर में दर्शन पूजन कर लौट रहे उपमुख्यमंत्री को देख श्रद्धालुओं ने हर–हर महादेव का उद्घोष कर उनका स्वागत किया। कार्तिक पूर्णिमा पर्व पर शुक्रवार शाम को शहर में आए उपमुख्यमंत्री ऐतिहासिक सारनाथ स्थित महाबोधि सोसाइटी ऑफ इंडिया के तत्वावधान में आयोजित मूलगंध कुटी बौद्ध मंदिर के 93वें वार्षिकोत्सव में शामिल हुए। उन्होंने बौद्ध अनुयायियों के साथ भगवान बुद्ध के अस्थि अवशेष का दर्शन किया। वहीं शाम को उन्होंने भगवान बुद्ध की प्रतिमा के सामने दीप प्रज्वलित कर उनकी स्तुति की और आशीर्वाद प्राप्त किया। उपमुख्यमंत्री मौर्य का स्वागत बौद्ध भिक्षु सुमितानंद थेरो ने किया। इसके पहले छात्र छात्राओं द्वारा भगवान बुद्ध के सम्मान में शोभायात्रा निकाली गई और स्वागत गीत प्रस्तुत किया। उपमुख्यमंत्री ने महाबोधि वृक्ष का दर्शन किया और कुटी विहार के बाहर दीपदान कार्यक्रम में भी भाग लिया। इस दौरान उन्होंने लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि विश्व के सबसे बड़े भू-भाग का सम्राट होने का गौरव अशोक महान को प्राप्त है। वे भी तथागत बुद्ध की शरण में आए और उन्होंने बौद्ध धर्म के प्रचार प्रसार के लिए अपने पुत्र-पुत्री तथा अन्य लोगों को दूसरे देशों में भेजा। उन्होंने कहा कि तथागत बुद्ध और अशोक के समय बोलचाल व प्रचार प्रसार की भाषा पाली थी। गौतम बुद्ध को ज्ञान की प्राप्ति बोध गया में हुई थी लेकिन उत्तर प्रदेश एक ऐसा प्रदेश है जहां पर उन्होंने अपना प्रथम उपदेश दिया। तथागत बुद्ध की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि उन्होंने किसी की आलोचना नहीं की। उपमुख्यमंत्री ने वहां उपस्थित सभी बौद्ध धर्मावलंबियों को तथागत बुद्ध के उपदेशों और शिक्षाओं का व्यापक प्रचार प्रसार करने का अनुरोध किया। केशव प्रशाद मौर्य ने कहा कि वाराणसी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का संसदीय क्षेत्र है। हमारे प्रधानमंत्री ने दुनिया की सबसे बड़े संगठन संयुक्त राष्ट्र में अपने संबोधन में कहा था कि 'भारत ने विश्व को युद्ध नहीं बुद्ध दिया है'। उन्होंने अपने भाषण में बौद्ध धर्म के स्थानों कुशीनगर, श्रावस्ती, संकिस्सा और कौशांबी का भी जिक्र किया और वहां के विकास कार्यों के बारे में भी बताया। इस दौरान रॉबर्ट्सगंज के विधायक अनिल मौर्य, महाबोधि सोसाइटी ऑफ इंडिया के अध्यक्ष महेंद्र सिंह और जनरल सेक्रेटरी पी. सीवाली थेरो, विशिष्ट अतिथि ग्येबुल जीग्मे नोमचे, रमेश चंद्र नेगी सहित अन्य बौद्ध भिक्षु मौजूद रहे।

कानपुर में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के रोड शो में उमड़ा जनसैलाब, योगी मोदी के नारों से गूंज उठा सीसामऊ

कानपुर, (हि.स.)। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शनिवार को कानपुर की सीसामऊ में हो रहे विधानसभा उप चुनाव को लेकर पार्टी उम्मीदवार सुरेश अवस्थी के साथ रोड शो किया। मुख्यमंत्री को देख सीसामऊ की धरती पर रोड शो में जनसैलाब उमड़ा। रोड शो मार्ग के दोनों तरफ दर्शकों के मुख से योगी व मोदी के नारों से सीसामऊ गूंज उठा। सुरक्षा के मद्देनजर भरी पुलिस बल एवं पीएसी,एटीएस के जवान तैनात रहे और ड्रोन से लगातार निगरानी होती रही। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का हेलीकॉप्टर आईटीआई हेलीपैड पर उतरा और वहां से वाया कार बजरिया चौराहे पहुंचे। जहां पर भगवा रंग से रंगे रथ पर भाजपा प्रत्याशी सुरेश अवस्थी के संग सवार हुए। जहां पर 51 बटुकों द्वारा मंत्र उच्चारण के बाद शंखनाद के उपरांत रोड शो शुरू किया। रोड शो के आगे 500 बहनें कमल साड़ी एवं कमल निशान का प्रतीक चिन्ह लेकर आगे आगे चल रही थी, सड़क के दोनों तरफ अभिवादन के लिए भारी भीड़ उमड़ी। हरसहाय महाविद्यालय से लेकर लेनिन पार्क चौराहे फिर वहां से बाएं संगीत टॉकीज चौराहे तक 12 ब्लॉक दर्शकों से खचाखच भरे हुए थे। हर कोई मुख्यमंत्री योगी की एक झलक देखने के लिए बेताब दिखाई दे रहे थे। नगर के साधु संत सामाजिक वर्ग के कार्यकर्ता व्यापार मंडल के पदाधिकारी अनुसूचित मोर्चा पिछड़ा मोर्चा युवा मोर्चा किसान मोर्चा एवं महिला मोर्चा सहित विभिन्न संगठनों के पदाधिकारी भी पहुंचे। इस मौके पर क्षेत्रीय अध्यक्ष प्रकाश पाल, सांसद रमेश अवस्थी, जिला अध्यक्ष दीपू पांडे, दक्षिण जिला अध्यक्ष शिवराम सिंह, विधायक सुरेंद्र मैथानी, अनूप अवस्थी अनुराग शर्मा आदि मौजूद हैं। क्षेत्रीय मीडिया प्रभारी अनूप अवस्थी ने बताया कि शनिवार सुबह से ही भारतीय जनता पार्टी कानपुर बुंदेलखंड क्षेत्र के अध्यक्ष प्रकाश पाल, रघुनंदन भदौरिया, मंडल अध्यक्ष अभिमन्यु सक्सेना और गोविंद शुक्ला आलोक पांडे नवीन पंडित लक्ष्मी कोरी नीरज रक्सेल मोनू गुप्ता सहित दर्जनों दर्जनों पार्षदों के संग रोड शो को सकुशल संपन्न कराने में जुटे रहे। सुरक्षा के मद्देनजर 3 कंपनी पीएससी, 400 पुलिसकर्मी, 20 इंस्पेक्टर, 150 सब इंस्पेक्टर, 13 एसीपी, 6 एडीसीपी, दो डीसीपी, 2 एडीसीपी पीएसी, 4 एसीपी पीएससी के अधिकारी निगरानी में लगे हुए थे।

अवैध गन्ना खरीद पर खम्भारखेड़ा चीनी मिल के 8 अधिकारियों-कर्मचारियों पर केस दर्ज

लखीमपुर खीरी, (हि.स.)। अवैध गन्ना खरीद को लेकर गन्ना विभाग द्वारा खम्भारखेड़ा चीनी मिल के 8 अधिकारियों व कर्मचारियों पर मुकदमा दर्ज कराया गया। मुकदमा गन्ना सचिव राजीव सिंह द्वारा दी गई तहरीर पर दर्ज हुआ है। गन्ना सचिव राजीव सिंह ने दी गई तहरीर में खंभार खेड़ा चीनी मिल के अधिकारियों व कर्मचारियों अवधेश कुमार गुप्ता, विकास सिंह, अरुण सिंह, ऐनुल खान, सोहेल, शकील अहमद, कुलदीप यादव व अमान की मिलीभगत से अवैध गन्ना खरीद का आरोप खंभार खेड़ा मिल पर लगाया है, जिसमें उन्होंने बताया है कि गन्ना विभाग द्वारा इस संबंध में पूरी जांच के उपरांत यह कदम उठाया गया है। गन्ना विभाग को मिली शिकायत के बाद उस पर गहन जांच की गई, जिसमें खम्भारखेड़ा चीनी मिल द्वारा अवैध गन्ना खरीद का मामला प्रकाश में आया है। जिसके बाद 8 लोगों के खिलाफ तहरीर दी गई है। मामले में सदर कोतवाल अंबर सिंह ने बताया कि गन्ना सचिव की तहरीर पर 8 लोगों पर मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू की गई है।

उप्र लोक निर्माण के मुख्यालय में ई-ऑफिसर सिस्टम की पहल

लखनऊ, (हि.स.)। उत्तर प्रदेश लोक निर्माण विभाग के मुख्यालय में विभागाध्यक्ष एवं प्रमुख अभियंता योगेश पवार ने ई-ऑफिसर सिस्टम को लागू करने की पहल कर दी है। विभागाध्यक्ष ने लिखित आदेश जारी करते हुए शीघ्र ही ई-ऑफिसर सिस्टम को जमीन पर उतारने के लिए दो अधिकारियों को निर्देशित किया है। विभागाध्यक्ष एवं प्रमुख अभियंता योगेश पवार ने कहा कि डिजिटल युग में लोक निर्माण विभाग में ई-ऑफिसर सिस्टम लागू करना बेहद आवश्यक है। इसके लिए उन्होंने दो अधिकारियों मुख्य अभियंता मुख्यालय (एक) अनिल कुमार दुबे एवं मुख्य अभियंता सेतु रविन्द्र सिंह को आगे की कार्यवाही के लिए कहा गया है। लखनऊ स्थित लोक निर्माण विभाग के मुख्यालय में ई-ऑफिसर सिस्टम के आने के बाद सड़क से जुड़ी तमाम फाइलों की जानकारी आनलाइन होगी। सड़क निर्माण कार्यों, उसकी गुणवत्ता से जुड़ी जानकारी की उपलब्धता होने से कभी भी शासन स्तर पर इसे देखा जा सकेगा। इसमें डिजिटल सिग्नेचर का उपयोग होगा।

स्वाधीनता के लिए युवाओं को प्रेरित करने का काम फिल्म ने किया : नरेन्द्र ठाकुर

लखनऊ, (हि.स.)। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के अखिल भारतीय सह प्रचार प्रमुख नरेंद्र ठाकुर ने शनिवार को बाबा साहब भीमराव अंबेडकर विश्वविद्यालय के अटल बिहारी बाजपेई सभागार में अवध चित्र साधना की ओर से आयोजित फिल्म महोत्सव का शुभारंभ किया। फिल्म महोत्सव को संबोधित करते हुए नरेन्द्र ठाकुर ने कहा कि फिल्म केवल मनोरंजन का साधन नहीं है। मनोरंजन के साथ ही लोगों को प्रेरणा देने और समाज-जीवन को बदलने और व्यक्ति को प्रभावित करने का काम फिल्म करती है। स्वाधीनता आन्दोलन में सिनेमा का बहुत बड़ा योगदान रहा है। स्वाधीनता के लिए युवाओं को प्रेरित करने का काम फिल्म ने किया। वहीं सामाजिक कुरीतियों के उन्मूलन में भी फिल्मों ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। नरेन्द्र ठाकुर ने कहा कि अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता होने के कारण लोगों को अपना मत व्यक्त करने का अधिकार है लेकिन समाज को ध्यान में रखकर क्या कंटेंट जाना चाहिए क्या नहीं जाना चाहिए। इसलिए ओटीटी पर सरकार को नियम बनाना चाहिए। उन्होंने कहा कि आज अच्छी फिल्म बन रही है। युवाओं को उनसे प्रेरणा लेनी चाहिए। जिस फिल्म में अच्छे कंटेंट नहीं है उसके बारे में बोलना भी चाहिए। अखिल भारतीय सह प्रचार प्रमुख ने कहा कि फिल्म निर्माण में भारतीय दृष्टि होनी चाहिए। भारतीय दृष्टि से आशय समाज का भला जिसमें हो। उन्होंने कहा कि जैसे देवर्षि नारद पत्रकारिता के आदिपुरुष थे। उसी प्रकार दादा साहब फाल्के पहले भारतीय फिल्म निमार्ता थे। पहली फिल्म उन्होंने राजा हरिश्चन्द्र पर बनाई थी। हरिश्चन्द्र सत्य के प्रतीक थे। भारत की संस्कृति व देश के लिए अगर परिवार व स्वयं का भी बलिदान देना पड़े तो भी पीछे नहीं हटना चाहिए। विशिष्ट अतिथि के रूप में फिल्म निमार्ता अतुल पांडे ने कहा कि फिल्म निर्माण में शोध व लेखन बहुत आवश्यक है। अच्छी फिल्मों के लिए शोध परक लेखन होना चाहिए। उन्होंने कहा कि हम चाहे तो दुनिया बदल सकते हैं। हम वह कौम है जो चन्द्रमा पर बम फोडते। दुनिया में हर छठा आदमी भारत का है और भारत में हर छठा आदमी उत्तर प्रदेश का है इसलिए अगर हम चाह लें तो कुछ भी कर सकते है।

झारखंड चुनाव राज्य की संस्कृति, अस्मिता और परंपरा को बचाने की लड़ाई : हिमंता

जामताड़ा, (हि. स.)। असम के मुख्यमंत्री एवं भाजपा के चुनाव सह प्रभारी हिमंता बिस्वा सरमा ने कहा कि यह चुनाव सिर्फ राजनीतिक दलों के बीच नहीं बल्कि झारखंड की संस्कृति, अस्मिता और परंपरा को बचाने की लड़ाई है। उन्होंने आरोप लगाया कि झारखंड के कुछ जिलों में शुक्रवार को स्कूल बंद किए जाते हैं तो हमें भी मंगलवार को स्कूल बंद करने का अधिकार है। सरमा ने शनिवार को जामताड़ा में जनसभा को संबोधित करते हुए झामुमो और कांग्रेस पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने इरफान अंसारी और आलमगीर आलम जैसे नेताओं पर समाज को बांट कर चुनाव जीतने का आरोप लगाया। अगर समाज एकजुट हो जाए, तो इनकी राजनीति खत्म हो जाएगी। उन्होंने कहा कि अगर आप लालच में वोट करते हैं तो समाज को कमजोर कर रहे हैं। उन्होंने झारखंड में धार्मिक असंतुलन को लेकर सवाल उठाए और इसे समाज के हितों के खिलाफ बताया। हिमंता बिस्वा सरमा ने लोगों से अपील की कि वे समाज को एकजुट रखें और समाज को तोड़ने वाले नेताओं को नकारें।

बोकारो जिले के पेंक नारायणपुर में नक्सलियों ने की पोस्टरबाजी

बोकारो, (हि.स.)। झारखंड विधानसभा चुनाव के दूसरे चरण को लेकर 20 नवंबर को मतदान होना है। इससे पहले भाकपा माओवादी नक्सलियों ने बोकारो जिले के पेंक नारायणपुर और नावाडीह थाना क्षेत्र के पलामू व सारुबेड़ा में पोस्टरबाजी की है। नक्सलियों के द्वारा जारी किये गये पोस्टर में लिखा गया है, वोट क्यों, जल, जंगल, जमीन से बेदखल किये जाने के खिलाफ वोट का बहिष्कार करें. हिंदुत्व के खतरे से झारखंड और जनता को बचायें। राजनीतिक संयुक्त मोर्चा आरपीसी बनाने के लक्ष्य को लेकर मजदूर किसान और कई प्रगतिशील, उत्पीड़ित, मेहनतकश जनता एक हो और चुनाव का बहिष्कार करें। इसे लेकर शनिवार को जब पुलिस अधीक्षक मनोज स्वर्गियारी से दूरभाष पर बात की गई तो उन्होंने पुष्टि की है,और उन्होंने बताया कि जिले के पेंक नारायणपुर और नावाडीह थाना क्षेत्र के पलामू व सारुबेड़ा के रास्ते में पोस्टर मिली है, जिसको जब्त कर मामले की जांच पड़ताल की जा रही है। लेकिन यह किसी शरारती तत्वों का काम लगता है। पुलिस इस मामले को लेकर जांच पड़ताल कर रही है।

शिक्षा का उद्देश्य केवल किताबी ज्ञान अर्जित करना नहीं, इसे समाज के लिए उपयोगी बनाना है : राज्यपाल

रांची, (हि.स.)। झारखंड के राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार ने शनिवार को कहा कि शिक्षा का उद्देश्य सिर्फ किताबी ज्ञान अर्जित करना नहीं है, इसका मुख्य मकसद समाज के लिए उपयोगी बनाना है। उन्होंने कहा कि दीक्षांत समारोह आप सभी उपाधि प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों के लिए एक विशेष उपलब्धि का प्रतीक है। आप सबने यहां न केवल शिक्षा प्राप्त की है, बल्कि आत्मनिर्भरता, समर्पण और अनुशासन की अद्भुत यात्रा भी पूर्ण की है। राज्यपाल बीआईटी मेसरा के 34वां दीक्षांत समारोह में बतौर मुख्य अतिथि बोल रहे थे। उन्होंने कहा कि प्रिय विद्यार्थियों, आज का यह दीक्षांत समारोह शिक्षा का समापन नहीं, बल्कि आपके जीवन की एक नई शुरूआत है। यह आपके ज्ञान और संकल्प को साकार करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। आपकी डिग्री केवल एक प्रमाण-पत्र नहीं है, बल्कि यह संकल्प का प्रतीक है। अपने अर्जित ज्ञान और कौशल से समाज में सकारात्मक परिवर्तन लाने का, मानवता के उत्थान में योगदान देने का और राष्ट्र के विकास में अहम भूमिका निभाने का। उन्होंने कहा कि शिक्षा का वास्तविक उद्देश्य केवल किताबी ज्ञान अर्जित करना नहीं है, बल्कि इसे समाज के लिए उपयोगी बनाना है। कुलाधिपति के रूप में मुझे अत्यधिक हर्ष है कि बीआईटी मेसरा ने आपकी सोच को विकसित किया है और आपको एक ऐसे भविष्य के लिए तैयार किया है जो आपको जीवन में आने वाली चुनौतियों का सामना करने तथा उनके समाधान ढूंढने की शक्ति प्रदान करती है। बदलते समय के साथ, जब हर दिन नई तकनीकें, नई चुनौतियां और नए अवसर हमारे सामने आते हैं, तो आपके पास वह विजन और क्षमता होनी चाहिए जो आपको अपनी राह पर अडिग रखे और समाज के उत्थान में योगदान दे सके। मुझे विश्वास है कि आपने जो भी ज्ञान और मूल्य यहां सीखे हैं, वह देश की प्रगति में योगदान देगा। हमारे झारखंड राज्य समृद्ध संस्कृतिक धरोहर, खनिज संसाधनों और सुंदर प्राकृतिक संपदाओं के लिए जाना जाता है। लेकिन आज हमारे राज्य को ऐसे ऊर्जावान युवाओं की अत्यन्त जरूरत है जो इसे उन्नति की ओर ले जाए। विज्ञान और प्रौद्योगिकी में नए आयामों के उदय के साथ, झारखंड अपने कुशल युवा इंजीनियरों और प्रबंधकों के लिए नई संभावना प्रस्तुत कर रहा है। आपका योगदान इस दिशा में अत्यधिक महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि मुझे यह कहते हुए गौरव हो रहा है कि बीआईटी मेसरा न केवल झारखंड बल्कि पूरे देश का प्रतिष्ठित संस्थान है। यहां से पढ़े छात्र-छात्राओं ने राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी योग्यता से संस्थान और देश का नाम रोशन किया है। यह संस्थान निरंतर नये नवाचारों और अनुसंधान में अग्रणी भूमिका निभा रहा है, जो इसे विश्वस्तर पर विशिष्ट बनाता है। इस अवसर पर भारतीय अंतरिक्ष विज्ञान और प्रौद्योगिकी संस्थान तिरुवनंतपुरम के संस्थापक निदेशक सह एयरो स्पेस साइंटिस्ट पद्मभूषण डॉ बयराना नागप्पा सुरेश, संस्थान के अध्यक्ष सीके बिरला, बीआईटी मेसरा के कुलपति इंद्रनील मन्ना, कुलसचिव डॉ. संदीप दत्ता सहित छात्र छात्राएं मौजूद थे। इस दौरान संस्थान की ओर से बताया गया कि बीआइटी मेसरा मेन कैंपस सहित अन्य छह ऑफ कैंपस-बीआइटी एक्सटेंशन लालपुर, यूनिवर्सिटी पॉलिटेक्निक बीआइटी मेसरा, देवघर, पटना, नोएडा और जयपुर के 2715 विद्यार्थियों के बीच डिग्री बांटी गयी। विभिन्न संकाय के सर्वश्रेष्ठ 17 विद्यार्थियों को गोल्ड मेडल से सम्मानित किया गया। दीक्षांत समारोह में बीआइटी मेसरा समूह से पास आउट हो रहे 1824 विद्यार्थियों को यूजी डिग्री, 636 पीजी डिग्री, 152 डिप्लोमा और 103 पीएचडी डिग्री मिली। बीआईटी मेसरा के दीक्षांत समारोह में बीआईटी मेसरा मेन कैंपस के 1300 छात्र- छात्राओं को डिग्री दी गयी। इसमें 788 डिग्रियां यूजी,422 पीजी और 90 पीएचडी की शामिल हैं।

झामुमो विधायक दिनेश विलियम मरांडी पार्टी से 6 वर्षों के लिए निष्कासित

रांची, (हि.स.)। झामुमो के लिट्टीपाड़ा विधायक दिनेश विलियम मरांडी को पार्टी के सभी पदों से पदमुक्त कर दिया गया है। उन्हें पार्टी से 6 वर्षों के लिए निष्कासित किया गया है। इसकी जानकारी झामुमो केंद्रीय समिति के महासचिव विनोद कुमार पाण्डेय ने पत्र जारी कर दी है। उन्होंने कहा कि दिनेश विलियम मरांडी पर लगाए गए आरोप पर उनसे जवाब मांगा गया था लेकिन समय सीमा के अंदर कोई जवाब नहीं दिया गया। इससे यह प्रमाणित होता है कि उन पर लगाए आरोप सही हैं। इसलिए उन्हें पार्टी के सभी पदों से निष्कासित किया जाता है। उल्लेखनीय है कि झामुमो ने पार्टी के खिलाफ बयानबाजी पर पार्टी विधायक दिनेश विलियम मरांडी से स्पष्टीकरण मांगा था।

मुख्यमंत्री हेमंत ने दिल्ली के एक चौक का नाम बिरसा मुंडा के नाम पर रखने पर जताई आपत्ति

रांची, (हि. स.)। झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने दिल्ली के एक बस पड़ाव के निकट चौक का नाम भगवान बिरसा मुंडा के नाम पर रखे जाने पर आपत्ति जताई है। सोरेन ने एक्स पर ट्वीट कर शनिवार को कहा है कि ये है वह बस स्टॉप, वह चौक जिसका नाम हमारे भगवान बिरसा मुंडा पर रखा गया है। यह अपमान नहीं है तो और क्या है? क्या राजधानी दिल्ली में हम आदिवासियों के आराध्य के सम्मान के लिए, उनके प्रतिष्ठा एवं हमारी आस्था के अनुरूप क्या कोई और उपयुक्त स्थान नहीं था? क्या सेंट्रल विस्टा का नाम हमारे भगवान पर नहीं रखा जा सकता था? यह झारखंडियों सहित देश के सभी आदिवासियों-मूलवासियों का अपमान है। उन्होंने कहा कि हम केंद्र सरकार से मांग करते हैं कि इस कदम को तुरंत वापस ले।

हमारे भगवान हमारे नायक को उनकी प्रतिष्ठा, हमारी आस्था केअनुकूल स्थान दें। उल्लेखनीय है कि बिरसा मुंडा की जयंती पर 15 नवंबर को केंद्र सरकार ने दिल्ली के सराय काले खां आईएसबीटी बस स्टैंड के बाहर बड़े चौक का नाम बदलकर बिरसा मुंडा चौक कर दिया था।

मगध के आईजी ने चर्चित पुलिस अवर निरीक्षक अजय को गया किया स्थानांतरित

नवादा, (हि.स.)। नवादा जिले के अकबरपुर तथा पकरीबरमा थाना अध्यक्ष रहते हुए बालू तथा दारू माफियाओं के साथही गुंडों पर लगाम लगनेवाले पुलिस अवर निरीक्षक अजय कुमार को मगध क्षेत्र के पुलिस महानिरीक्षक छत्रनील सिंह ने उनके आवेदन पर नवादा पुलिस बल से गया पुलिस बल में स्थानांतरित कर दिया है। पुलिस अवर निरीक्षक अजय कुमार के अभ्यावेदन ने नवादा के पुलिस अधीक्षक सहित कई बड़े अधिकारियों को कटघरे में खड़ा कर दिया है कि आखिर जिन माफियाओं से उन्हें खतरा था। इस मुद्दे की जांच क्यों नहीं कराई गई ।दबी जुबान से पुलिस महकमे में बैठे अधिकारियों ने भी यहां तक कहा कि सत्ताधारी दल के राज नेताओं पर दबाव बनाकर माफियाओं ने अजय कुमार को पकरीबरामां के थाना अध्यक्ष के पद से पुलिस केंद्र स्थानांतरित करने को एसपी को बाध्य कर दिया। यहां तक कि नवादा के एसपी राजनेताओं के दबाव में आकर थाना अध्यक्ष को स्थानांतरित किया। जबकि थाना अध्यक्ष का बेहतर क्रियाकलाप नवादा जिले में सभी थाना अध्यक्षों से बेहतर रहा है। जिसके लिए उन्हें कई बार पुरस्कृत भी किया गया है। यहां तक कि उनकी सेवा पुस्तिका में आज तक एक निन्दन की भी सजा नहीं दी गई है। बावजूद माफियाओं पर अंकुश लगाने के कारण एसपी पर दबाव बनाकर माफिया तत्व हटवाने में कामयाब रहे। पुलिस अवर निरीक्षक अजय कुमार के द्वारा उच्च अधिकारियों के लिखे गए आवेदन से नवादा के आलाअधिकारी भी कटघरे में खड़े हैं। आखिर किसी पुलिस अधिकारी पर जान का खतरा होगा, तो क्या एसपी के द्वारा इसकी जांच नहीं कराई जाएगी। उसे केवल पुलिस केंद्र स्थानांतरित कर कर्तव्यों की इति श्री कर ली जाएगी। नवादा के एसपी के इस तरह के क्रियाकलाप ने कहीं न कही उन्हें भी माफिया तत्वों के सामने कमजोर साबित किया है। अगर एक सप्ताह के भीतर एसपी तथा राजनेताओं के बातचीत के कॉल डिटेल्स निकालकर उसके अंश निकल जाएं ,तो निश्चित तौर पर इस स्थानांतरण मामले का पदार्फाश हो जाएगा तथा राजनेताओं के कारनामे का भी खुलासा होगा। भले नीतीश सरकार बालू - दारू माफियाओं पर अंकुश लगाने का ढिंढोरा पीट ले। लेकिन सच्चाई है कि आज भी माफिया तत्व बड़े-बड़े राजनेताओं को प्रभावित कर अपना राज चला रहा है। जहां निश्चित तौर पर पुलिस अधिकारी मजबूर बने हैं। पुलिस अधिकारी मजबूर होकर माफियाओं को उनके काम करने की छूट दे और अगर उनके मर्जी से काम नहीं किया तो उसे पकरीबरामां के थाना प्रभारी अजय कुमार जैसे ही खामियाजा भुगतने पड़ेंगे। वरीयआलाधिकारी के इस तरह के क्रियाकलाप से कनीय पुलिस अधिकारियों का मनोबल गिरा है। स्थानांतरण की सच्चाई जिले के एक-एक पुलिस अधिकारी के साथही प्रबुद्ध नागरिक भी जान रहे हैं। जिस-का असर निश्चित तौर पर विधि व्यवस्था के संधारण में पड़ेगा। अगर पुलिस के आला अधिकारी अजय कुमार के स्थानांतरण प्रक्रिया के तथ्यों की वैज्ञानिक जांच कराए तो निश्चित तौर पर राजनेता कटघरे में खड़े मिलेंगे। स्थिति चाहे जो भी हो लेकिन इतना सत्य है कि इस कदर की घटना ने शांतिप्रिया नागरिकों तथा कनीय पुलिस अधिकारियों को मायूस जरूर किया है।

पुलिस परिवार परामर्श केंद्र में पांच मामलों का हुआ निष्पादन

किशनगंज, (हि.स.)। आए दिन परिवारों में छोटी-मोटी नोक-झोंक होती रहती है, लेकिन कभी-कभी यह मामूली विवाद एक बड़ा रूप ले लेता है, जिससे पति-पत्नी के बीच दूरियां बढ़ जाती हैं और परिवार के लोग खुशी से अपना जीवन व्यतीत नहीं कर पाते। इस समस्या के समाधान के लिए किशनगंज महिला थाना परिसर में शनिवार को पारिवारिक विवादों के निपटारे के उद्देश्य से पुलिस परिवार परामर्श केंद्र का आयोजन किया गया है। महिला थाना परिसर में आयोजित इस परामर्श केंद्र की अध्यक्षता राहत संस्था की सचिव डा. फरजाना बेगम और महिला थानाध्यक्ष सुनीता कुमारी ने की। इस दौरान कुल 10 मामले परामर्श केंद्र में आए, जिनमें से 5 मामलों का समाधान मौके पर ही किया गया।

डा. फरजाना बेगम और सुनीता कुमारी ने समझा-बुझाकर विवादों का निपटारा किया और सभी परिवार के सदस्यों को शपथ दिलाई कि वे अपने परिवार के साथ प्रेम और सौहार्द के साथ जीवन व्यतीत करेंगे तथा किसी भी प्रकार के आपसी झगड़े से बचेंगे।

बिहार के 23 अधिकारियों को बनाया गया मतगणना प्रेक्षक

पटना, (हि.स.)। बिहार प्रशासनिक सेवा के 23 अधिकारियों को बड़ा जिम्मा मिला है। इन अधिकारियों को दो राज्यों (महाराष्ट्र -झारखंड) में मतगणना प्रेक्षक बनाया गया है। चुनाव आयोग के निर्देश पर सामान्य प्रशासन विभाग ने इस संबंध में संबंधित अधिकारियों को जानकारी भेजा है। इन सभी अधिकारियों को 21 नवम्बर तक हर हाल में योगदान देने को कहा गया है। सामान्य प्रशासन विभाग की तरफ से कहा गया है कि झारखंड एवं महाराष्ट्र में विधानसभा के चुनाव हो रहे हैं। बिहार के 23 अधिकारियों को मतगणना प्रेक्षक के तौर पर नियुक्ति की गई है। चुनाव आयोग ने इन सभी अधिकारियों को 21 तारीख तक हर हाल में योगदान करने का निर्देश दिया है। बिहार प्रशासनिक सेवा के जिन अधिकारियों को मतगणना प्रेक्षक बनाया गया है, वे उप सचिव से लेकर संयुक्त सचिव तक के अधिकारी हैं।

मोतिहारी पुलिस ने 35 हजार का इनामी कुख्यात स्प्रीट माफिया को किया गिरफ्तार

पूर्वी चंपारण, (हि.स)। एसपी स्वर्ण प्रभात के निर्देश पर इनामी अपराधियो के विरूद्ध चलाये जा रहे विशेष अभियान के तहत पीपराकोठी थाना पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर डीएसपी सदर 2 के नेतृत्व में छापामारी करते हुए स्प्रीट कांड का वांछित 35 हजार का इनामी कुख्यात स्प्रीट माफिया सुधीर चौधरी उर्फ सुधीर सहनी को पीपराकोठी थाना क्षेत्र के वाटगंज गांव से गिरफ्तार किया है। सुधीर की तलाश पिपराकोठी थाना के साठ हजार लीटर स्प्रीट कांड समेत कुल चार शराब कांड मे की जा रही थी।सुधीर सहनी का लंबा अपराधिक इतिहास रहा है। वर्ष 2019 से अब तक उसने कई शराब कांडो को अंजाम दिया है। इसके साथ ही वह शातिराना अंदाज में स्प्रीट कटिंग कर विभिन्न शराब माफियाओ तक पहुंचाता रहा है। छापामारी दल टीम में सदर डीएसपी के अलावे पीपरा कोठी थानाध्यक्ष खालिद अख्तर व थाना के सशस्त्र रिजर्व गार्ड शामिल थे।

जीतन राम मांझी ने 43वें आईआईटीएफ में एमएसएमई मंडप का उद्घाटन किया

नई दिल्ली

केंद्रीय सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम (एमएसएमई) मंत्री जीतन राम मांझी ने शनिवार को यहां भारत मंडपम में 43वें भारतीय अंतरराष्ट्रीय व्यापार मेले (आईआईटीएफ) के हॉल नंबर 6 में एमएसएमई मंडप का उद्घाटन किया। इस अवसर पर मांझी ने मंडप में विभिन्न प्रदर्शकों से बातचीत की और उन्हें मेले में भाग लेने के लिए प्रोत्साहित किया। सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम मंत्रालय ने जारी एक बयान में बताया कि जीतन राम मांझी ने 43वें भारतीय अंतरराष्ट्रीय व्यापार मेले (आईआईटीएफ) के हॉल नंबर 6 में एमएसएमई मंडप का उद्घाटन किया। प्रधानमंत्री विश्वकर्मा योजना के बारे में जागरूकता पैदा करने के लिए एक 'नुक्कड़ नाटक' भी प्रस्तुत किया गया। उनके साथ एमएसएमई मंत्रालय के एएस एवं डीसी डॉ. रजनीश और अन्य वरिष्ठ अधिकारी भी मौजूद थे। मंत्रायल ने कहा कि एमएसएमई मंडप में देश के 29 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों का प्रतिनिधित्व करने वाले 200 प्रदर्शक भाग ले रहे हैं। इस बार मंडप का मुख्य विषय हरित एमएसएमई है, जो एमएसएमई द्वारा अपने व्यवसाय संचालन को बदलने के लिए स्वच्छ यानी हरित प्रौद्योगिकियों को अपनाने पर जोर देता है। इसके अलावा मंडप में पीएम विश्वकर्मा योजना पर भी प्रकाश डाला गया है, जो 18 व्यवसायों में लगे कारीगरों और शिल्पकारों को अंतिम सहायता प्रदान करने के लिए मंत्रालय की प्रमुख योजना है। इस योजना को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 17 सितंबर, 2023 को लॉन्च किया था। आईआईटीएफ-2024 के 43वें संस्करण में एमएसएमई मंडप में उत्पादों की एक विस्तृत श्रृंखला प्रदर्शित की जा रही है, जिसमें कपड़ा, हथकरघा, हस्तशिल्प, कढ़ाई, चमड़े के जूते, खेल और खिलौने, बांस शिल्प, बेंत की वस्तुएं, रत्न और आभूषण, चीनी मिट्टी और मिट्टी के बर्तनों के उत्पाद, यांत्रिक वस्तुएं आदि शामिल हैं।

न्यूज ब्रीफ

सात दिनों की गिरावट के बाद सोने में तेजी का रुख, चांदी के भाव में बदलाव नहीं

नई दिल्ली। लगातार 7 दिनों तक गिरावट का सामना करने के बाद घरेलू सर्राफा बाजार में सोने के भाव में मामूली तेजी नजर आ रही है। वहीं, चांदी के भाव में कोई बदलाव नहीं हुआ है। सोना 120 रुपये से लेकर 130 रुपये प्रति 10 ग्राम तक महंगा हुआ है। सोने की कीमत में आई तेजी के कारण देश के ज्यादातर सर्राफा बाजारों में 24 कैरेट सोना 75,920 रुपये से लेकर 75,770 रुपये प्रति 10 ग्राम के दायरे में कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना 69,610 रुपये से लेकर 69,460 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बना हुआ है। चांदी के भाव में कोई बदलाव नहीं होने के कारण दिल्ली सर्राफा बाजार में इसकी कीमत भी 89,400 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर बनी हुई है। देश की राजधानी दिल्ली में 24 कैरेट सोना 75,920 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 69,610 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं, देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 75,770 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 69,460 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 75,820 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 69,510 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना 75,770 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 69,460 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है।

देश का विदेशी मुद्रा भंडार घटकर 675.65 अरब डॉलर पर, गोल्ड रिजर्व भी 1.94 अरब डॉलर घटकर 67.81 अरब डॉलर हुआ

मुंबई । भारत का विदेशी मुद्रा भंडार पिछले सप्ताह 6.48 अरब डॉलर घटकर 675.65 अरब अमेरिकी डॉलर रह गया है, जो सप्ताह के दौरान कम हो गया है। रिजर्व बैंक के हाल ही में बयान के मुताबिक विदेशी मुद्रा आस्तियों में 4.47 अरब डॉलर का घाटा होकर 585.38 अरब अमेरिकी डॉलर रह गया है। विदेशी मुद्रा भंडार का बदलाव बहुत महत्वपूर्ण है और इसका सीधा प्रभाव मुद्रा बाजारों पर होता है। विदेशी मुद्रा भंडार में गिरावट की यह सूचना देश की अर्थव्यवस्था पर भी प्रभाव डाल सकती है। विदेशी मुद्रा भंडार में गोल्ड रिजर्व की भी गिरावट हुई है, जो 1.94 अरब डॉलर घटकर 67.81 अरब अमेरिकी डॉलर रह गया है। अतः विदेशी मुद्रा भंडार में प्रमुख गिरावट और इसके प्रभाव की जांच आवश्यक है। साथ ही अंतरराष्ट्रिय मुद्राकोष (आईएमएफ) के पास भारत का आरक्षित भंडार भी 1.4 करोड़ डॉलर घटकर 4.30 अरब डॉलर पर आ गया है।

त्योहारी सीजन में वाहनों की मांग बढ़ी, 42 दिन में बिक गईं 42,88,248 गाड़ियां

मुंबई । देश में यातायात सेवाओं की मांग में भारी बढ़ोतरी के बाद विविध वाहनों की बिक्री में भी वृद्धि दर्ज की गई है। डीलरों के संगठन ने जारी किए गए आंकड़ों के अनुसार इस वर्ष 42 दिन की त्योहारी अवधि में वाहनों का पंजीकरण 12 प्रतिशत तक बढ़कर 42,88,248 इकाई हो गई है। इसमें यात्री वाहनों की बिक्री में भी सात प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई है। वाहन डीलर संघों के अध्यक्ष ने बताया कि ग्रामीण क्षेत्रों में मांग का अद्भुत उछाल देखने को मिला है, जिसने दोपहिया वाहनों की बिक्री में 14 प्रतिशत की वृद्धि को प्रेरित किया है। सिमित अवधि में ट्रैक्टर की बिक्री में कमी दर्ज की गई है, जबकि स्कूटर की बिक्री में वृद्धि दर्ज की गई है। उद्योग संगठन सियाम ने बताया कि अक्टूबर में यात्री वाहनों की थोक बिक्री में मामूली वृद्धि दर्ज की गई है। इसके साथ ही, दोपहिया वाहनों की बिक्री में बढ़ोतरी भी देखने को मिली है। स्कूटर की बिक्री में भी अवधि के तुलना में वृद्धि की गई है। यह आंकड़े देशभर के राज्यीय परिवहन कार्यालयों से एकत्र किए गए हैं, जो वाहन वाणिज्य के स्वास्थ्य पर सकारात्मक प्रभाव दर्शाते हैं। सम्मानित उद्योग संगठनों के आगे देश के यातायात सेवाओं में सिफारिश देते हुए, ये आंकड़े असहनीय रूप से उत्तेजना देने वाले हैं।

शेयर बाजार में दूसरे सप्ताह भी गिरावट रही सेंसेक्स 77,580 और निफ्टी 23,532 पर बंद

मुंबई

घरेलू शेयर बाजार में लगातार दूसरे सप्ताह भी गिरावट दर्ज की गई। सोमवार को सेंसेक्स और निफ्टी में गिरावट देखने को मिली जिसके बाद मंगलवार को मजबूती के बावजूद फिसला। बुधवार और गुरुवार को भी शेयर बाजार में गिरावट देखने को मिली। गुरुनानाक जयंती पर शुक्रवार को बाजार बंद रहा। शेयर बाजार में बीते कुछ समय से जारी गिरावट का सिलसिला सोमवार को भी जारी रहा। हफ्ते के पहले कारोबारी दिन शुरुआती कारोबार में सेंसेक्स 484.98 अंक गिरकर 79,001.34 पर खुला और 9.83 अंक की मामूली बढ़त के साथ 79,496.15 पर बंद हुआ। निफ्टी 143.6 अंक फिसलकर 24,004.60 के स्तर पर खुला और 6.90 अंक गिरकर 24,141.30 पर बंद हुआ। घरेलू शेयर बाजार मंगलवार को मजबूत शुरुआत के बावजूद फिसल गया। शुरुआती सत्र में हरे निशान पर करोबार करने के बाद बैंकिंग और ऑटो सेक्टर के शेयरों में बिकवाली से बेंचमार्क सूचकांक फिसल गए। सेंसेक्स 675.23 अंकों की गिरावट के साथ 78,820.92 पर खुला और 820.97 अंक टूटकर 78,675.18 पर बंद हुआ।

निफ्टी 221.10 टूटकर 23,920.20 पर खुला और 257.85 अंक फिसलकर 23,883.45 पर बंद हुआ। भारतीय शेयर बाजार के प्रमुख बेंचमार्क सूचकांक, सेंसेक्स और निफ्टी 50 बुधवार को तिमाही परिणामों में कंपनियों की आय में मंदी और कमजोर वैश्विक संकेतों के बीच एक बार फिर लाल निशान पर खुले। बीएसई सेंसेक्स 78,495.53 पर खुला और 984 अंक या 1.25 प्रतिशत की गिरावट के साथ 77,691 अंक पर बंद हुआ। निफ्टी 23,822.45 पर खुला और 324 अंक की गिरावट के साथ 23,559 अंक पर बंद हुआ।

गुरुवार के कारोबारी दिन भारतीय शेयर बाजार के प्रमुख बेंचमार्क सूचकांक सेंसेक्स और निफ्टी मामूली गिरावट के साथ सपाट खुले। सेंसेक्स 254.5 अंक चढ़कर 77,945.45 पर खुला और 110.64 अंक गिरकर 77,580.31 पर बंद हुआ। निफ्टी 86.25 अंक चढ़कर 23,645.30 पर खुला और 26.35 अंक की गिरावट के साथ 23,532.70 अंक पर बंद हुआ।

जीईएम पोर्टल के जरिये सार्वजनिक खरीद तीन लाख करोड़ के पार

नई दिल्ली। जीईएम पोर्टल के माध्यम से सरकारी खरीद ने वित्त वर्ष के शुरुआती महीनों में एक बड़ी उछाल देखा है। इस माध्यम से अब तक तीन लाख करोड़ रुपये की सरकारी खरीद हो चुकी है, जिसके उल्लेख्य कारण मंत्रालयों और विभागों में खरीद गतिविधियों में वृद्धि है। जीईएम पोर्टल की शुरुआत से बीते वित्त वर्ष में केंद्रों और राज्यों के सरकारी विभागों तथा सार्वजनिक क्षेत्र के उद्यमों ने चार लाख करोड़ रुपये की खरीद की थी। इसके साथ ही जीईएम ने पंचायतों और सहकारी समितियों को भी इस प्रक्रिया में शामिल किया है। जीईएम पोर्टल के माध्यम से केंद्रीय इकाइयों की खरीद में भी वृद्धि देखी गई है, जिसमें करीब 30,264 करोड़ रुपये का खाता है। इसके साथ ही 9.7 लाख से अधिक सूक्ष्म, लघु और मझोले उद्यमों ने जीईएम पर पंजीकरण करवाया है, जिन्हें कुल ऑर्डर का लगभग 40 प्रतिशत अंश प्राप्त हुआ है। जीईएम पोर्टल के माध्यम से सरकारी खरीद के लिए एक सुविधाजनक प्लेटफ़ॉर्म प्राप्त होने के साथ-साथ उद्यमों को भी बड़ी और छोटी स्केल पर व्यापार का मौका प्रस्तुत हो रहा है। इस स्थिति में जीईएम पोर्टल सरकारी खरीद के प्रक्रियाओं में सुधार और पारदर्शिता में एक महत्वपूर्ण कदम साबित हो रहा है।

अनिल अंबानी की कंपनी की चूक की चर्चाएं तेज

नई दिल्ली

रिलायंस कम्युनिकेशंस के मालिक अनिल अंबानी की मुसीबतें दिन-प्रतिदिन बढ़ती जा रही हैं। केनरा बैंक ने दावा किया है कि रिलायंस कम्युनिकेशंस और उसकी सहायक कंपनी रिलायंस टेलीकॉम के लोन अकाउंट को फ्रॉड घोषित करने के लिए एक नोटिस जारी किया गया है। केनरा बैंक ने 28 अक्टूबर को नोटिस जारी किया था, जिसमें बताया गया कि कंपनी को साल 2017 में 1,050 करोड़ रुपये का लोन दिया गया था। इस लोन को चुकाने में रिलायंस कम्युनिकेशंस विफल रही। नोटिस के अनुसार बैंकों से मिलाकर कंपनी को कुल 31,580 करोड़ रुपये का लोन दिया गया था, जिसमें से करीब 13,668 करोड़ रुपये का इस्तेमाल लोन और अन्य भुगतानों के लिए किया गया था। इसके अलावा, बैंक दावा कर रहा है कि रिलायंस कम्युनिकेशंस ने लोन की मंजूरी की शर्तों का भी उल्लंघन किया है। ऑडिट में पाया गया है कि कंपनी ने लोन के एक भाग का इस्तेमाल अनअथॉराइज्ड उद्देश्यों के लिए किया गया था। रिलायंस कम्युनिकेशंस ने बैंक के इस नोटिस का अभी तक जवाब नहीं दिया है। दिवालिया हो चुकी कंपनी ने दावा किया है कि वह दिवालियापन समाधान प्रक्रिया में है और किसी भी डांट के प्रति मुकदमा सुरक्षित है। इस विवाद को चर्चा व्यापक है और अनिल अंबानी की कंपनी के भविष्य पर प्रश्न खड़े कर रही है। रिलायंस कम्युनिकेशंस की पक्ष और केनरा बैंक की भूमिका की समीक्षा जारी है, जो इस मामले का समाधान तय करेगी।

लोन की रकम के दुरुपयोग का आरोप, केनरा बैंक ने जारी किया नोटिस

प्याज की कीमत में आई गिरावट, दिल्ली में प्याज की कीमत 67 रुपए किलो से 63 रुपए किलो गिरी

नई दिल्ली

दिल्ली में प्याज की कीमतों में मामूली गिरावट की खबर सभी को राहत देने वाली है। इस सप्ताह प्याज की कीमत 67 रुपए प्रति किलो से 63 रुपए प्रति किलो गिरी है। सरकार की उम्मीद है कि अगले 1-2 सप्ताह में और गिरावट आ सकती है। राजस्थान के अलवर में प्याज की फसल तैयार हो गई है, लेकिन दिवाली और छठ पर्व के दौरान मजदूरों की कमी के कारण फसल की कटाई में देरी हुई है। सरकारी सहकारी समितियां नैफेड और एनसीसीएफ ने प्याज की सप्लाई बढ़ा दी है। सरकार ने इस साल 4.75 लाख टन प्याज का बफर स्टॉक तैयार किया है। पिछले सप्ताह दो मालगाड़ियां प्याज लेकर दिल्ली पहुंची थीं और एक और मालगाड़ी नासिक से रवाना हो रही है।

एयरएशिया ने पोर्ट ब्लेयर से कुआलालंपुर के बीच शुरू की अंतरराष्ट्रीय उड़ान सेवा

नई दिल्ली

अंडमान एवं निकोबार द्वीप समूह के लिए ऐतिहासिक दिन है। एयरएशिया एयरलाइन ने वीर सावरकर एयरपोर्ट से पहली इंटरनेशनल उड़ान सेवा की शुरुआत कर दी है। इसके साथ ही एयरएशिया पोर्ट ब्लेयर से अंतरराष्ट्रीय सेवा शुरू करने वाली पहली विमानन कंपनी बन गई। आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि एयरएशिया ने पोर्ट ब्लेयर के वीर सावरकर हवाई अड्डे से अपनी पहली अंतरराष्ट्रीय उड़ान सेवा का उद्घाटन किया। कुआलालंपुर से पहली उड़ान सुबह 10: 20 बजे 120 यात्रियों को लेकर यहां उतरी, जिनमें मुख्य रूप से मलेशिया और जापान के पर्यटक थे। वीर सावरकर इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर लैंडिंग के आधे घंटे बाद विमान 150 यात्रियों के साथ कुआलालंपुर के लिए उड़ान भरी।

एयरएशिया के मुख्य हवाई अड्डा और ग्राहक अनुभव अधिकारी केसवन शिवानंदम ने बताया कि मलेशियाई और जापानी पर्यटकों समेत 120 यात्रियों के साथ एयर एशिया की उड़ान कुआलालंपुर से पोर्ट ब्लेयर सुबह के 10: 20 बजे पहुंची। इसके आधे घंटे बाद 10: 55 बजे 150 यात्रियों के साथ यह वापस कुआलालंपुर के लिए रवाना हुई। उन्होंने कहा कि एयरएशिया पोर्ट ब्लेयर से अंतरराष्ट्रीय सेवा शुरू करने वाली पहली वाहक बन गई। एयरएशिया कुआलालंपुर और पोर्ट ब्लेयर के बीच सप्ताह में तीन दिन उड़ान सेवा संचालित करेगी।

उन्होंने कहा कि पर्यटकों से अच्छी प्रतिक्रियाएं मिल रही हैं। हम आने वाले दिनों में दक्षिण पूर्व एशियाई देशों के कई पर्यटकों की उम्मीद कर रहे हैं। शिवानंदम ने कहा कि हमारा उद्देश्य लोगों को जोड़ना है। मैं स्थानीय प्रशासन को उनके समर्थन के लिए धन्यवाद देना चाहता हूं। मलेशिया के लिए एयरएशिया की उड़ानें शुरू होने से अंडमान एवं निकोबार द्वीप समूह और दक्षिण पूर्व एशिया में पर्यटन क्षेत्र में एक बड़ा बदलाव होगा।

सीबीडीटी ने टैक्सपेयर्स के लिए विदेशी स्रोतों से आय की जानकारी देने का शुरू किया अभियान

नई दिल्ली

केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड (सीबीडीटी) ने करदाताओं को विदेशी परिसंपत्तियों की अनुसूची को सही ढंग से पूरा करने और अपने आयकर रिटर्न (आईटीआर) में विदेशी स्रोतों से इनकम की रिपोर्ट करने में सहायता के लिए आकलन वर्ष 2024-25 के लिए अनुपालन-सह-जागरुकता अभियान शुरू किया है।

वित्त मंत्रालय ने शनिवार को जारी एक बयान में बताया कि सीबीडीटी ने करदाताओं को आईटीआर में अनुसूची विदेशी संपत्ति (अनुसूची एफए) को सही ढंग से पूरा करने और विदेशी स्रोतों (अनुसूची एफएसआई) से इनकम की रिपोर्टिंग करने में सहायता के लिए

आकलन वर्ष 2024-25 के लिए अनुपालन-सह-जागरुकता अभियान की शुरुआत की

आकलन वर्ष 2024-25 के लिए अनुपालन-सह-जागरुकता अभियान शुरू किया है। सीबीडीटी के अनुसार काला धन (अघोषित विदेशी आय और संपत्ति) और कर अधिरोपण अधिनियम, 2015 के तहत अनुसूची एफए और एफएसआई का अनुपालन अनिवार्य है, जिसके तहत विदेशी संपत्ति और आय का पूरा खुलासा करना आवश्यक है।

आयकर विभाग की ओर से 16 नवंबर, 2024 को जारी एक अधिसूचना के मुताबिक यह पहल विकसित भारत के दृष्टिकोण के अनुरूप है और करदाता अनुपालन को सरल बनाने और मानवीय संपर्क को कम करने के लिए प्रौद्योगिकी का उपयोग करने के लिए आयकर विभाग की प्रतिबद्धता को उजागर करती है। सूचना के स्वचालित आदान-प्रदान (एइओआई) के जरिए प्राप्त डेटा का लाभ उठाकर, विभाग एक अधिक कुशल, करदाता-अनुकूल प्रणाली बनाने के लिए काम कर रहा है।

मंत्रालय ने कहा कि सीबीडीटी को उम्मीद है कि सभी पात्र करदाता इस अवसर का लाभ उठाकर अपनी कर जिम्मेदारियों को पूरा करने के साथ-साथ देश के आर्थिक विकास में योगदान देंगे। यह प्रयास न केवल विकसित भारत के लिए सरकार के दृष्टिकोण के अनुरूप है, बल्कि पारदर्शिता, जवाबदेही और स्वैच्छिक अनुपालन की संस्कृति को भी बढ़ावा देता है।

अधिसूचना के मुताबिक विदेशी परिसंपत्तियों की अनुसूची को पूरा करने के लिए विस्तृत, चरण-दर-चरण मार्गदर्शन के लिए, करदाताओं को आयकर विभाग की आधिकारिक वेबसाइट पर जाने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है, जहां उनकी सहायता के लिए संसाधन और समर्थन आसानी से उपलब्ध हैं।

बांग्लादेश टेस्ट के लिए वेस्टइंडीज की टीम घोषित,जस्टिन ग्रीव्स, केविन सिंक्लेयर की वापसी

सेंट जॉन्स

फॉर्म में चल रहे बल्लेबाज जस्टिन ग्रीव्स और स्पिनर केविन सिंक्लेयर की 22 नवंबर से नॉर्थ साउंड में बांग्लादेश के खिलाफ शुरू होने वाली दो मैचों की सीरीज के लिए वेस्टइंडीज टेस्ट टीम में वापसी हुई है।

क्रेग ब्रैथवेट की अगुआई वाली इस टीम में अनुभवी, फॉर्म में चल रहे खिलाड़ियों और नई प्रतिभाओं का शानदार मिश्रण है। ग्रीव्स ने घरेलू व्हाइट-बॉल प्रतियोगिता में अपने शानदार प्रदर्शन के बाद वापसी की है, जिसमें उन्होंने तीन शतक जड़े थे। सिंक्लेयर भी एक मूल्यवान स्पिन गेंदबाजी विकल्प के रूप में टीम में वापस आ गए हैं, जबकि जेसन होल्डर कंधे की चोट के कारण पुनर्वास के लिए सीरीज से बाहर रहेंगे।

इस बीच, टेस्ट सीरीज से पहले, टेस्ट कप्तान क्रैग ब्रैथवेट 17 और 18 नवंबर को एंटीगुआ के कूलिज क्रिकेट ग्राउंड पर बांग्लादेश के खिलाफ होने वाले दो दिवसीय अभ्यास मैच के लिए सीडब्ल्यूआई सिलेक्ट इलेवन टीम का नेतृत्व करेंगे।

मुख्य कोच आंद्रे कोली ने एक आधिकारिक बयान में कहा,हमें उम्मीद है कि बांग्लादेश के खिलाफ सीरीज दो उभरती हुई टीमों के बीच एक प्रतिस्पर्धी मुकाबला होगा। दो दिवसीय अभ्यास मैच और प्रशिक्षण शिविर के माध्यम से सीरीज की तैयारी हमें सर्वश्रेष्ठ संभव तैयारी प्रदान करेगी, क्योंकि वे अनुभवी और उभरते हुए दोनों खिलाड़ियों को टेस्ट सीरीज से पहले अपने कौशल को निखारने का अवसर प्रदान करेंगे। बांग्लादेश 4 दिसंबर को किंग्स्टन में दूसरे टेस्ट के समापन के बाद तीन वनडे और इतने ही टी20 मैचों की सीरीज के लिए वेस्टइंडीज का दौरा करेगा।

वर्तमान में, वेस्टइंडीज और बांग्लादेश विश्व टेस्ट चैंपियनशिप तालिका में सबसे निचले पायदान पर हैं।

वेस्टइंडीज की टेस्ट टीम इस प्रकार है:

क्रेग ब्रैथवेट (कप्तान), जोशुआ दा सिल्वा (उपकप्तान), एलिक अथानाज़े, कीसी कार्टी, जस्टिन ग्रीव्स, कावेम हॉज, टेविन इमलाच, अल्जारी जोसेफ, शमर जोसेफ, मिकाइल लुइस, एंडरसन फिलिप, केमर रोच, जेडन सील्स, केविन सिंक्लेयर, जोमेल वारिकन।

न्यूज ब्रीफ

रोहित दोबारा बने पिता, सूर्यकुमार यादव, संजू सैमसन, तिलक वर्मा ने दी बधाई

नई दिल्ली। रोहित शर्मा दोबारा पिता बन गए हैं। शुक्रवार रात उनकी पत्नी रितिका सजदेह ने एक बेटे को जन्म दिया है। दोनों को हर तरफ से बधाईयां मिल रही हैं। रोहित, जो इससे पहले आगामी बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी के लिए भारतीय टेस्ट टीम के साथ यात्रा नहीं कर पाए थे, दूसरी बार पिता बने, जब उनकी पत्नी रितिका ने मुंबई के एक स्थानीय अस्पताल में एक बच्चे को जन्म दिया। शुक्रवार को दक्षिण अफ्रीका दौरे पर 3-1 से सीरीज जीतने वाली भारतीय टी20 टीम ने भी रोहित और रितिका को बधाई दी और भारतीय कप्तान को चिढ़ाते हुए कहा कि एक नया क्रिकेटर मैदान में आया है। तिलक वर्मा ने बीसीसीआई द्वारा पोस्ट किए गए एक वीडियो में कहा, वास्तव में, हम सभी बहुत खुश हैं रोहित भाई। हम सभी इस पल का इंतजार कर रहे थे। मैं जल्द ही आपके और बच्चे के साथ जुड़ूंगा। संजू सैमसन ने कहा, रोहित और उनके परिवार के लिए बहुत-बहुत खुश हूं। टी20 कप्तान सूर्यकुमार यादव ने कहा, हमें अब एक नए क्रिकेटर के लिए तैयार होना होगा जो जल्द ही हमारे साथ जुड़ेगा। रोहित और रितिका की पहले से ही एक बेटी समायरा है, जिसका जन्म 2018 में हुआ था। शुक्रवार को बच्चे के आने के साथ, संभावना है कि रोहित 22 नवंबर से ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ शुरू होने वाले पहले पर्थ टेस्ट में खेल सकते हैं। इससे पहले, मुख्य कोच गौतम गंभीर ने कहा था कि अभी तक यह स्पष्ट नहीं है कि रोहित पहले टेस्ट में खेलेंगे या नहीं।

नीरज गोयत ने सुपर-मिडिलवेट मुकाबले में व्हिंडरसन नून्स को हराया

नई दिल्ली। नीरज गोयत ने शुक्रवार को टेक्सास के अर्लिंग्टन स्थित एटी एंड टी स्टेडियम में जेक पॉल बनाम माइक टायसन नेटफ्लिक्स इवेंट के अंडरकार्ड सुपर-मिडिलवेट मुकाबले में व्हिंडरसन नून्स को हराया। डब्ल्यूबीसी रैंकिंग में जगह बनाने वाले पहले भारतीय मुक्केबाज ने छह राउंड की गैर-टाइटल लड़ाई में 60-54 के व्यापक अंतर से सर्वसम्मत निर्णय से अपना मुकाबला जीता। यह भारतीय मुक्केबाज का एकतरफा मुकाबला था, जिसने पूरे मुकाबले में अपना दबदबा बनाए रखा। भारत के 33 वर्षीय मुक्केबाज ने अपने पिछले पांच मैचों में से चार जीते हैं, जिसमें उनकी आखिरी जीत पिछले साल दूसरे दौर में फाकोर्न ऐम्योद पर तकनीकी नॉकआउट (टीकेओ) से जीत के रूप में आई थी। उनके प्रतिद्वंद्वी, नून्स ने हाल ही में मिसफिट्स बॉक्सिंग प्राइम कार्ड में नाथन बार्टलिंग से हारकर अपना पेशेवर पदार्पण किया। ब्राजीलियाई मुक्केबाज केवल प्रदर्शनी मैचों में ही दिखाई दिए हैं।

विश्व कप क्वालीफायर मैच के लिए ब्राजील की टीम में शामिल हुए अनकैप्ड डिफेंडर डोडो

रियो डी जेनेरियो। फिओरेंटीना के अनकैप्ड डिफेंडर डोडो को उरुग्वे के खिलाफ होने वाले विश्व कप क्वालीफायर मैच के लिए ब्राजील की टीम में शामिल किया गया है। ब्राजील फुटबाल परिसंघ (सीबीएफ) ने शुक्रवार को उक्त जानकारी दी। 25 वर्षीय खिलाड़ी मोनाको के राइट-बैक वेंडरसन की जगह लेंगे, जिन्हें पीले कार्ड जमा होने के कारण अगले मंगलवार को साल्वाडोर में होने वाले मैच के लिए निलंबित कर दिया गया है। सीबीएफ ने गिलहर्मे अराना के टखने में चोट लगने के बाद बोटाफोगो और मैनचेस्टर यूनाइटेड के पूर्व लेफ्ट-बैक एलेक्स टेल्स को भी वापस बुला लिया है। गुरुवार को वेनेजुएला के साथ 1-1 से ड्रॉ के बाद पांच बार के विश्व चैंपियन ब्राजील 10 टीमों के दक्षिण अमेरिकी क्वालीफाइंग ग्रुप में तीसरे स्थान पर है, जो लीडर अर्जेंटीना से पांच अंक पीछे है। शीर्ष छह टीमें संयुक्त राज्य अमेरिका, मैक्सिको और कनाडा में होने वाले 2026 विश्व कप में स्वतः ही स्थान प्राप्त कर लेंगी, जबकि सातवें स्थान पर रहने वाली टीम अंतरमहाद्वीपीय प्लेऑफ में भाग लेगी।

ब्रांड एंबेसडर के रूप में एचआईएल टीम गोनासिका में शामिल हुए बॉलीवुड स्टार संजय दत्त

विशाखापत्तनम

आगामी हॉकी इंडिया लीग (एचआईएल) में विजाग की पुरुष टीम गोनासिका ने पहले सीजन में बॉलीवुड स्टार संजय दत्त को टीम का ब्रांड एंबेसडर बनाया है। खेल के दिग्गजों, हेड कोच जगबीर सिंह और मेंटर एम.एम. सोमाया की अगुआई वाली टीम 28 दिसंबर को राउरकेला के प्रतिष्ठित बिरसा मुंडा हॉकी स्टेडियम में दिल्ली एसजी पाइपर्स के खिलाफ अपने मुकाबले से अपने एचआईएल अभियान की शुरुआत करेगी।

बॉलीवुड के सबसे प्रतिष्ठित अभिनेताओं में से एक संजय दत्त, जिन्हें 'मुन्ना भाई एमबीबीएस' और 'वास्तव' जैसी फिल्मों में उनकी भूमिकाओं के लिए जाना जाता है, अपनी स्टार पावर और खेल के प्रति जुनून को टीम में लेकर आए हैं। उनकी भागीदारी निस्संदेह लीग की ओर महत्वपूर्ण ध्यान और समर्थन आकर्षित करेगी, जिससे गोनासिका और हॉकी इंडिया लीग की प्रतिष्ठा बढ़ेगी।

हॉकी इंडिया की ओर से जारी एक आधिकारिक बयान में संजय दत्त ने कहा,आज टीम गोनासिका के ब्रांड एंबेसडर के रूप में आपके सामने खड़े होकर मुझे बेहद गर्व महसूस हो रहा है। हॉकी इंडिया लीग में अपनी यात्रा शुरू करने वाली इस शानदार टीम का समर्थन करना मेरे लिए सौभाग्य की बात है। मैं तारिणी प्रसाद मोहंती और उनके बेटे अब्रिद मोहंती की दिल से प्रशंसा करना चाहता हूँ, जिनके जुनून और दूरदर्शिता ने इस टीम को जीवंत किया है। हॉकी को बढ़ावा देने और युवा प्रतिभाओं को सशक्त बनाने के लिए उनकी प्रतिबद्धता वास्तव में प्रेरणादायक है। मैं इस परिवार का हिस्सा बनकर भी रोमांचित हूँ, जो गोनासिका विजाग को लीग में एक पावरहाउस बनाने के लिए उनकी टीम का समर्थन कर रहा है।

उन्होंने कहा, मैं अपने भाइयों जैसे दो लोगों, रमेश डीपी दास और स्टीवन शिपिंग के अटूट समर्थन को भी स्वीकार करना चाहूंगा। हमारे पास भारतीय पुरुष हॉकी टीम के दिग्गज पूर्व कप्तान डॉ. दिलीप तिर्की हैं जो हमारा मार्गदर्शन करते हैं, हमें सलाह देते हैं और हमें गौरव के मार्ग पर ले जाते हैं। गोनासिका विजाग परिवार के एक हिस्से के रूप में, मैं 28 दिसंबर को उद्घाटन समारोह में शामिल होने और हमारी टीम का उत्साहवर्धन करने के लिए उत्साहित हूं। आइए हम अपने खिलाड़ियों का समर्थन करें और विजाग को गौरवान्वित करें। आप सभी का धन्यवाद और गोनासिका टीम को शुभकामनाएं। गोनासिका ने पिछले महीने एचआईएल नीलामी में एक शानदार टीम बनाई थी। मनप्रीत और मंदीप इस टीम में सबसे महत्वपूर्ण भारतीय खिलाड़ी हैं, साथ ही भारतीय पुरुष हॉकी टीम के पूर्व खिलाड़ी बीरेंद्र लाकड़ा, एस.वी. सुनील, एस.एल. उथप्पा और निकिन थिमैया भी इस टीम में शामिल हैं। उनके पास अरिजीत सिंह हुंदल और विष्णुकांत सिंह जैसे बेहद सम्मानित युवा भारतीय खिलाड़ी भी हैं।

टीम में विदेशी खिलाड़ियों में एफआईएच राइजिंग स्टार ऑफ द ईयर 2022 टिमोथी क्लेमेंट, ऑस्ट्रेलियाई टिमोथी हॉवर्ड और ग्रेट ब्रिटेन से ओलिवर पायने, जैक वालर, जैकब ड्रेपर, ली मॉर्टन और स्टुआन वॉकर सहित एक बड़ा दल शामिल है।

गोनासिका के मालिक तारिणी प्रसाद मोहंती ने अपनी खुशी व्यक्त करते हुए कहा, संजय दत्त को अपना ब्रांड एंबेसडर बनाकर हम रोमांचित हैं। गोनासिका के साथ उनका जुड़ाव हमारी टीम में उत्साह और ऊर्जा की एक अतिरिक्त परत लाता है। संजय का बड़ा व्यक्तित्व और खेलों के प्रति जुनून निस्संदेह हमारे खिलाड़ियों और प्रशंसकों को प्रेरित करेगा। हमारी टीम अनुभवी दिग्गजों और युवा प्रतिभाओं का एक आदर्श मिश्रण है, चाहे वह घरेलू हो या अंतरराष्ट्रीय। हम आने वाले रोमांचक सीज़न की प्रतीक्षा कर रहे हैं और अपने खिलाड़ियों को बेहतर प्रदर्शन करने के लिए सर्वश्रेष्ठ वातावरण प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। कोच जगबीर सिंह और मेंटर एम.एम. सोमाया के मार्गदर्शन में, हमें विश्वास है कि गोनासिका हॉकी इंडिया लीग में नए मानक स्थापित करेगी।

भारत ने टी-20 प्रारूप में दक्षिण अफ्रीका में रचा इतिहास, लगाई रिकार्डों की झड़ी

जोहान्सबर्ग

भारत ने चौथे टी-20 में 283 रन का स्कोर खड़ा कर दक्षिण अफ्रीका में इतिहास रच दिया है। भारत का 283 रन का स्कोर दक्षिण अफ्रीका में टी20 मैच में अब तक का सर्वोच्च स्कोर है। तिलक वर्मा और संजू सैमसन के शतकों की बदौलत भारत चेक गणराज्य और जापान के बाद सिर्फ़ तीसरी अंतरराष्ट्रीय टीम बन गई है, जिसके दो बल्लेबाजों ने एक ही टी20 पारी में शतक बनाए हैं।

अपनी पारी के दौरान, भारत ने 23 छक्के लगाए, जो एक टी20आई पारी में तीसरे सबसे ज्यादा छक्के हैं। इसके अलावा दो पूर्ण सदस्य पक्षों के बीच एक टी20आई में सबसे ज्यादा छक्के का भी रिकार्ड है।

संजू सैमसन और तिलक वर्मा के बीच नाबाद 210 रनों की साझेदारी अब टी20आई में भारत के लिए किसी भी विकेट के लिए सबसे बड़ी साझेदारी है।

तिलक वर्मा ने 47 गेंदों पर 120 रनों की विस्फोटक पारी खेली, जिससे वह संजू सैमसन के बाद दूसरे भारतीय और टी20आई क्रिकेट में लगातार शतक बनाने वाले कुल पांचवें खिलाड़ी बन गए।

संजू सैमसन ने 56 गेंदों पर 109 रन बनाकर पिछले पांच टी20आई में अपना तीसरा शतक बनाया।

मैच की बात करें तो इस मुकाबले में टॉस जीतकर भारतीय कप्तान सूर्यकुमार यादव ने पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया। संजू सैमसन और अभिषेक शर्मा ने भारत के लिए ओपनिंग करते हुए 73 रनों की ठोस साझेदारी की। अभिषेक ने 2 चौके और 4 छक्के लगाते हुए 18 गेंदों मे 36 रनों की शानदार पारी खेली, लेकिन छठे ओवर में लुथो सिपामला

ने उन्हें पवेलियन भेज दिया।

इसके बाद तिलक वर्मा और सैमसन ने आतिशी पारी खेली। 18वें ओवर में संजू सैमसन ने सिर्फ 51 गेंदों में अपना शतक पूरा किया, इसके बाद अगले ही ओवर में तिलक वर्मा ने अपना दूसरा टी20 शतक बनाया। सैमसन और तिलक के बीच रिकॉर्ड तोड़ 210 रनों की साझेदारी से भारत ने 20 ओवरों में 1 विकेट पर 283 रनों का विशाल स्कोर बनाया। सैमसन ने 51 गेंदों पर 109 रनों की तूफानी पारी खेली, जबकि तिलक ने सिर्फ 47 गेंदों पर नाबाद 120 रनों की पारी खेली।

दवाब में दक्षिण अफ्रीका की टीम 19 ओवर में 148 रनों पर सिमट गई। मेजबान टीम के लिए, ट्रिस्टन स्टब्स (29 गेंदों पर 43 रन, 3 चौके और 2 छक्के) और डेविड मिलर (27 गेंदों पर 36 रन, 2 चौके और 3 छक्के) शीर्ष स्कोरर रहे।

जेक पॉल ने दिग्गज मुक्केबाज माइक टायसन को हराया

नई दिल्ली

युवा यूट्यूबर से मुक्केबाज बने जेक पॉल ने शुक्रवार रात 58 वर्षीय पूर्व हेवीवेट चैंपियन दिग्गज मुक्केबाज माइक टायसन पर सर्वसम्मति से जीत हासिल की। जजों के अनुसार मुकाबला करीबी नहीं था, एक ने पॉल को 80-72 की बढ़त दी, जबकि अन्य दो ने इसे 79-73 बताया। टायसन शुरुआती घंटी बजने के तुरंत बाद पॉल के पीछे आए और कुछ तेज़ मुक्के मारे, लेकिन बाकी समय उन्होंने कुछ और करने की कोशिश नहीं की। यह लगभग 20 वर्षों में टायसन का पहला स्वीकृत पेशेवर मुकाबला था, जहां उनका सामना एक नौसिखिए मुक्केबाज से था। टायसन के शुरुआती सेकंड में तेज धमाके के बाद पॉल अधिक आक्रामक हो गए, लेकिन मुक्के बहुत प्रभावी नहीं थे। कई बार उन्होंने बेतहाशा वार किए और चूक गए, हालांकि इसके बाद भी उन्होंने अंत में जीत दर्ज की। यह टायसन के लिए 2005 के बाद से पहली स्वीकृत लड़ाई थी, जबकि पॉल ने चार साल से थोड़ा अधिक समय पहले लड़ना शुरू किया था। यह मुकाबला मूलत: 20 जुलाई को होना था, लेकिन उड़ान के दौरान बीमार पड़ने के बाद पेट के अल्सर के उपचार के लिए टायसन को ले जाया गया, जिसके कारण इसे स्थगित करना पड़ा।

पॉल पोग्बा और जुवेंटस ने आपसी सहमति से अलग होने का किया फैसला

ट्यूरिन

पॉल पोग्बा और जुवेंटस ने आपसी सहमति से अलग होने का फैसला किया है क्योंकि फ्रांसीसी मिडफील्डर को फुटबॉल से 18 महीने का प्रतिबंध झेलना पड़ रहा है। सितंबर 2023 में नियमित ड्रग टेस्ट के दौरान 2018 विश्व कप विजेता को डीएचईए के लिए सकारात्मक पाया गया, जो टेस्टोस्टेरोन के स्तर को बढ़ाने वाला पदार्थ है। इतालवी क्लब के साथ पोग्बा का अनुबंध आधिकारिक तौर पर 30 नवंबर, 2024 को समाप्त हो जाएगा, 31 वर्षीय पोग्बा मार्च 2025 में पिच पर वापसी की तैयारी कर रहे हैं।

जुवेंटस द्वारा जारी एक बयान में, क्लब ने ट्यूरिन में अपने समय के दौरान पोग्बा के योगदान को स्वीकार किया और उनके भविष्य के प्रयासों में सफलता की कामना की।

बयान में कहा गया, जुवेंटस फुटबॉल क्लब और पॉल पोग्बा ने घोषणा की है कि वे 30 नवंबर 2024 तक अपने अनुबंध को समाप्त करने के लिए आपसी समझौते पर पहुँच गए हैं। क्लब पॉल को उनके पेशेवर भविष्य के लिए शुभकामनाएँ देता है।

पोग्बा ने क्लब और उसके प्रशंसकों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा, जुवेंटस में मेरा

समय समाप्त हो गया है। बियानकोनेरी शर्ट पहनना और साथ में इतने सारे खास पल साझा करना मेरे लिए सौभाग्य की बात रही है। मैं उन यादों को संजो कर रखूँगा जो हमने बनाई हैं।

शुरुआत में चार साल का निलंबन झेलने वाले पोग्बा ने प्रतिबंध को घटाकर 18 महीने करने के लिए कोर्ट ऑफ आर्बिट्रेशन फॉर स्पोर्ट में सफलतापूर्वक अपील की। ??मिडफील्डर ने निलंबन हटने के बाद और मजबूत वापसी करने का दृढ़ संकल्प बनाए रखा है।

जुवेंटस समर्थकों को समर्पित एक भावपूर्ण इंस्टाग्राम पोस्ट में, पोग्बा ने ट्यूरिन में अपने समय के दौरान प्रशंसकों के साथ साझा किए गए बंधन को दर्शाया। उन्होंने लिखा, ऐसे क्षण होते हैं जब चीजें उस तरह नहीं होतीं जैसा हम चाहते हैं, लेकिन एक बात निश्चित है: मेरे और आपके बीच का बंधन, प्रिय प्रशंसकों, अविस्मरणीय रहेगा। आपने मुझे इतना कुछ दिया है, जितना मैं शब्दों में बयां नहीं कर सकता, और मैं हमेशा आपके द्वारा दिए गए सभी स्नेह को अपने साथ रखूंगा। आप हमेशा मेरे दिल में रहेंगे। शुभकामनाएं, जुवेंटस।

कुछ रिपोर्ट्स के अनुसार, पोग्बा लीग 1 में जाने की सोच रहे हैं, जिसमें मार्सिले एक संभावित गंतव्य के रूप में उभर रहा है। फ्रांसीसी फुटबॉल में वापसी से पूर्व मैनचेस्टर यूनाइटेड स्टार को अपने करियर को फिर से जीवंत करने और अपने निलंबन के समाप्त होने के बाद प्रतिस्पर्धी फुटबॉल में वापसी करने का मौका मिल सकता है।

यूएसपीएल 3 : वेस्टइंडीज के विस्फोटक बल्लेबाज रहकीम कॉर्नवाल संभालेंगे अटलांटा ब्लैककैप्स की कमान

फ्लोरिडा

वेस्टइंडीज के हरफनमौला खिलाड़ी रहकीम कॉर्नवाल फ्लोरिडा के ब्रोवार्ड काउंटी स्टेडियम में होने वाले आगामी यूनाइटेड स्टेट्स प्रीमियर लीग (यूएसपीएल) सीजन 3 में अटलांटा ब्लैककैप्स का नेतृत्व करेंगे।यूएसपीएल 3 का आयोजन 22 नवंबर से 1 दिसंबर तक किया जाएगा। 10 टेस्ट और 84 टी20 मैच खेल चुके रहकीम कॉर्नवाल अपनी टीम अटलांटा ब्लैककैप्स को सीजन के फाइनल में देखना चाहते हैं। टूर्नामेंट को लेकर रहकीम कॉर्नवाल ने कहा कि, अटलांटा ब्लैककैप्स का नेतृत्व करना मेरे लिए सम्मान की बात है। टीम में बेहतरीन खिलाड़ियों का संयोजन किया गया है और हमें बेसब्री से टूर्नामेंट का इंतजार है। पिछले सीजन में हम सेमीफाइनल में पहुंचे थे और मुझे उम्मीद है कि इस बार समापन ट्रॉफी पर पकड़ बनाने के साथ ही होगा। एंटीगुआ के क्रिकेटर ने आगे कहा, हर टीम अच्छा प्रदर्शन करना चाहती है और मुझे लगता है कि हमारी

तैयारी अच्छी चल रही है। प्रशंसक प्रतिस्पर्धी क्रिकेट देखना चाहते हैं और यूएसपीएल सीज़न 3 में अटलांटा ब्लैककैप्स इसके लिए पूरी तरह से तैयार है। मैं उम्मीद करता हूं कि हम एक कड़े प्रतिद्वंदी बनकर उभरेंगे। टूर्नामेंट की शुरुआत कैरोलिना ईगल्स और कैलिफोर्निया गोल्डन ईगल्स के बीच रोमांचक मुकाबले के साथ होगी, उसके बाद मैरीलैंड मावेरिक्स और अटलांटा ब्लैककैप्स के बीच दूसरा मुकाबला खेला जाएगा। लीग में रोमांच बनाए रखने के लिए प्रतिदिन ट्रिपल-हेडर मुकाबले खेले जाएंगे ताकि प्रशंसकों को रोज एक्शन से भरपूर क्रिकेट देखने को मिले। दोनों ही सेमीफाइनल 29 नवंबर को तो 1 दिसंबर को सीजन 3 का फाइनल खेला जाएगा।

टूर्नामेंट में हिस्सा ले रही टीमें- कैरोलिना ईगल्स, अटलांटा ब्लैककैप्स, कैलिफोर्निया गोल्डन ईगल्स, मैरीलैंड मावेरिक्स, न्यू जर्सी टाइटन्स, न्यूयॉर्क काउबॉय।

टीम अटलांटा ब्लैककैप्स- मिलिंद कुमार, अमिला अपोंसो, क्रामे पैटन जूनियर, देव सलियन, स्मित पटेल, सैयद साद अली, आकर्षित गोमेल, रहकीम कॉर्नवाल, आदिल भट्टी, स्टीफन वाइग, अली शेख, केल्विन सैवेज, जहमार हैमिल्टन, नकाश बशारत, जाहिदुल अलोम।

चोटिल मैथ्यू फोर्ड की जगह ओबेद मैककॉय वेस्टइंडीज की टी20 टीम में शामिल

सेंट लूसिया। वेस्टइंडीज ने इंग्लैंड के खिलाफ अपने बचे हुए दो टी20 मैचों के लिए चोटिल मैथ्यू फोर्ड की जगह ओबेद मैककॉय को टीम में शामिल किया है। पांच मैचों की टी20 सीरीज से पहले प्रशिक्षण के दौरान फोर्ड की जांघ में खिंचाव आ गया था, जिसके बाद मैककॉय को टीम में शामिल किया गया है। फोर्ड को शुरू में बारबाडोस में सीरीज का दूसरा मैच खेल रहे निलंबित अल्जारी जोसेफ के कवर के तौर पर शामिल किया गया था। सेंट लूसिया में जोसेफ की जगह उन्हें टीम में शामिल किया गया था। वेस्टइंडीज ने पांच मैचों की टी-20 सीरीज 3-0 से गंवा दी है। मैककॉय कैरेबियन प्रीमियर लीग (सीपीएल) के दौरान चोटिल होने के बाद टी20 सीरीज की शुरुआत के लिए उपलब्ध नहीं थे। उन्होंने आखिरी बार अगस्त में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ घरेलू सीरीज के दौरान वेस्टइंडीज के लिए खेला था।

ऐसे पचता है आपके पेट का भोजन

अपने पेट को अंग्रेजी शब्द 'जे' के आकार के एक प्लास्टिक बैग की तरह समझों, जो आपके उदर के बाईं ओर होता है। इसकी रक्षा करती हैं पांच निचली पसलियां। इसका ऊपरी हिस्सा एसोफेगस से जुड़ा होता है और निचला हिस्सा छोटी आंत से जुड़ता है। पेट की लाइनिंग में असंख्य ग्लैंड्स दिखते हैं, जो हाइड्रोक्लोरिक एसिड और पेप्सिन नामक एंजाइम का उत्पाद करते हैं। आपके भोजन करने से पहले मस्तिष्क खाली पेट को संदेश भेजता है, ताकि वह गैस्ट्रिक जूसेज को तैयार करना शुरू करें। हालांकि पेट का आकार आपकी मुट्ठी जितना होता है, लेकिन भारी खाना खाने पर वह तीन-चार गुना बढ़ सकता है। यदि आप अक्सर भारी खुराक लेते हैं तो इससे पेट की मांसपेशियों की वर्जिश होती रहती है। यदि आप किसी खास दिन ही अधिक खाते हैं तो इससे आपके पेट को तकलीफ हो सकती है। खुद गीला होने के कारण भोजन जब अंदर जाता है तो वह गैस्ट्रिक जूसेज से जा मिलता है। पेट की दीवारों पर मांसपेशियों की तीन परतें होती हैं, जो लंबाई, चौड़ाई और तिरछी बंधी होती हैं। भोजन को यह चाइम नामक तरल की मदद से ऊपर-नीचे करती हैं और फिर उसे छोटी आंत में भेज देती हैं। अल्सर, चोट या कैंसर आदि के कुछ मामलों में सर्जन्स अक्सर गैस्ट्रक्टमी ऑपरेशन करते हैं, जिसमें पूरा पेट या उसका कुछ हिस्सा निकाल दिया जाता है। जब कुछ हिस्सा निकाला जाता है तो शेष हिस्सा अपना काम करता रहता है। पूरा पेट निकाल दिए जाने पर

भोजन पचने की प्रक्रियाएं

एसोफेगस को छोटी आंत से नत्थी कर दिया जाता है और पाचन प्रक्रिया वहां शुरू हो जाती है। ऐसी सर्जरी के सफल मामलों में शरीर इस प्रक्रिया को अपना लेता है, परंतु फिर भी पेट में बनने वाले एसिड्स के समाप्त हो जाने पर हाई-प्रोटीन खुराक से परहेज करना पड़ता है। एक तंदुरुस्त पेट एसिडिक होता है, जो भोजन के टुकड़े कर उसे पचाता है। खुद को बचाए रखने के लिए पेट चुपचाप म्योकस नामक एक पदार्थ भी बनाता है। यदि एसिड और म्योकस के संतुलन में गड़बड़ी होती है तो पेट को तकलीफ होती है और उसके लिए हमें एंटासिड्स लेने पड़ते हैं। इनमें एल्युमिनियम, मैग्नीशियम या दोनों मिले होते हैं, जो एसिड्स के साथ क्रिया करके अधिक तटस्थ तरह के यौगिक निर्मित करते हैं।

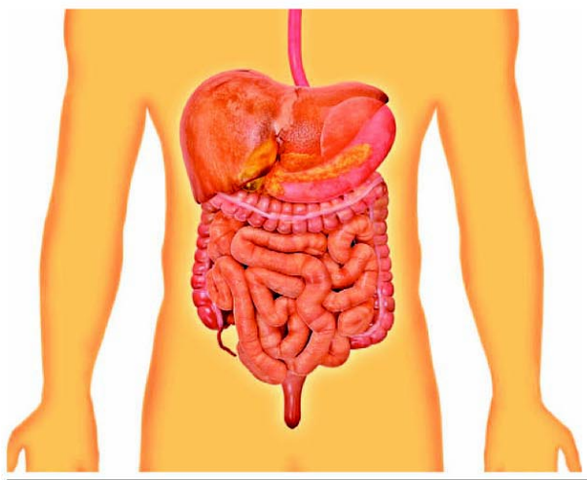

मधुमेह को नियंत्रित करता है अमरूद

अमरूद में विटामिन ए और विटामिन सी के अलावा फाइबर भी होता है। अमरूद पत्ती से बनी चाय में एल्फा-ग्लूकोसाइडिस एंजाइम गतिविधि को कम कर मधुमेह रोगियों में प्रभावी रूप से रक्त शर्करा को कम करती है। यह सुक्रोज और माल्टोज को सोखने से शरीर को रोकती है जिससे शुगर का स्तर नियंत्रित रहता है। अमरूद की पत्ती से बनी चाय 12 सप्ताह पीने से रक्त में शर्करा के स्तर को कम कर सकते हैं।

बकरी का दूध होता है हेल्दी

कुछ लोगों को गाय के दूध से एलर्जी होती है, इसलिए वे बकरी के दूध को तरजीह देते हैं। ग्रेनेडा विश्वविद्यालय के एक शोध के मुताबिक बकरी का दूध कॉलेस्ट्रॉल का स्तर घटाने में मदद करता है। ऐसे लोग जो ओस्टियोपोरोसिस या लंबे समय से आयरन की कमी व उच्च कॉलेस्ट्रॉल से जूझ रहे हैं और जिन्हें गाय के दूध से एलर्जी है, वे बकरी के दूध को विकल्प बना सकते हैं।

सही तरीके से पकाएं भोजन, मिलेगा पोषण

भोजन को सही तरीके से पकाना जरूरी है, सब्जियां हों या साबुत अनाज या फिर नॉनवेज। इन्हें सही तरीके से पकाए बिना शरीर को पोषक तत्व नहीं मिल सकते। यहां हम बता रहे हैं भोजन को सही तरीके से कैसे पकाएं।

पालक

पालक को काटने से पहले धो लें। ज्यादा देर पकाने से पालक का 64 प्रतिशत विटामिन सी नष्ट हो जाता है, इसलिए इसे पकाते समय इसमें अलग से पानी न डालें। ढ़क कर आंच पर 2-3 मिनट से ज्यादा न पकाएं। इसमें आयरन काफी मात्रा में होता है।

नॉन वेज

मांस, चिकन और मछली को कच्चा खाना सेहत के लिए काफी हानिकारक होता है, इसलिए इन्हें कच्चा खाया भी नहीं जाता। इन्हें पकाने के लिए बहुत कम पानी में भाप में गला लें। फिर इन्हें कम मसालों और तेल में पकाएं। अगर ज्यादा पानी में बनाएं तो उस पानी को सूप के रूप में इस्तेमाल कर सकते हैं।

साबुत अनाज

साबुत अनाज को रातभर कम पानी में भिगोएं। सुबह इसे हल्की आंच पर भाप में गला कर कम तेल-मसालों में पकाएं। इसमें मौजूद फायटिक एसिड हमारे लिए हानिकारक होता है।

पकाने से इसकी मात्रा 50 प्रतिशत तक कम हो जाती है। अंकुरण से भी अनाजों में इसका स्तर कम हो जाता है।

अंडे

अंडे को कभी भी कच्चा न खाएं। उबाल कर खाने से उसमें आयरन और बायोटिन की उपलब्धता बढ़ जाती है। इसके अलावा बैक्टीरियम सालमोनेला के संक्रमण का खतरा भी कम हो जाता है। इसे तल कर या दूध में पका कर भी खाया जा सकता है।

लहसुन और प्याज

प्याज और लहसुन में मौजूद लाभकारी सलेऑक्साइड तभी एक्टिवेट होता है, जब वह हवा के संपर्क में आता है। लहसुन और प्याज को पकाने से दस मिनट पहले काट कर रख लें। यह बीमारियों से बचाते हैं। कम ताप पर 30 मिनट तक प्याज और लहसुन को पकाएं।

ब्रॉकली और गाजर

ब्रॉकली को भाप में पकाएं, फिर स्टिर फ्राई करें। उसका हरा रंग बरकरार रहेगा। गाजर और ब्रॉकली को उबाल कर खाने से उनसे अधिक मात्रा में एंटीऑक्सीडेंट मिलते हैं। पकी हुई गाजर में कच्ची गाजर से ज्यादा विटामिन ए, ल्युटिन और विटामिन होते हैं। पकी हुई ब्रॉकली में ज्यादा लाइकोपिन, विटामिन ए, फोलेट होता है।

टमाटर

विटामिन सी से भरपूर टमाटर को पका कर खाने से उसे पचाने में आसानी रहती है। प्रोसेस्ड टमाटर में लाइकोपिन की मात्रा ताजे टमाटरों से अधिक होती है। इसे कच्चा खाने की बजाय पका कर खाना ज्यादा फायदेमंद होता है।

चावल

चावल को उबालने के बाद उसका पानी न फेंकें। इसमें करीब 25 प्रतिशत विटामिन बी नष्ट हो जाता है। चावल को कम पानी में भाप में पकाएं। पके हुए चावल बहुत जल्द बैसिलस सेरेयस से संक्रमित हो जाते हैं और दोबारा गर्म करने पर भी यह नष्ट नहीं होते, इसलिए बासी चावल कतई न खाएं।

करेला

कड़वा करेला औषधीय गुणों और पोषक तत्वों से भरपूर होता है। भाप में कम मसालों के साथ पका कर खाना इसे पकाने का बेहतरीन तरीका है। कुछ लोग इसे उबाल कर सब्जी बनाते हैं। आप भी ऐसा करते हैं तो उबले पानी को न फेंके। इसे हल्के से गुनगुने रूप में थोड़ा-सा नमक मिलाकर हर्बल टी के रूप में पी लें। रक्त संबंधी विकार दूर होंगे।

तेल

तेल को ज्यादा देर गर्म न करें, 1 मिनट तक गर्म करने से उसके प्राकृतिक गुण नष्ट होने लगते हैं। इसमें ट्रांस फैटी एसिड की मात्रा बढ़ जाती है।

पके भोजन के फायदे

- कच्चे भोजन में बैक्टीरिया होते हैं, जो पकाने से नष्ट हो जाते हैं।
- पकाने से भोजन नरम भी हो जाता है। इससे भोजन को चबाना, निगलना और पचाना आसान हो जाता है।
- पकाने से स्वाद बेहतर हो जाता है।
- पकाना खाने को आकर्षक बनाता है।
- इससे भोजन लंबे समय तक सुरक्षित रहता है।

क्यों जरूरी है पकाना

यह भी हमारी एक गलत धारणा से ज्यादा कुछ नहीं है कि कच्चे फल और सब्जियां सबसे बेहतर होती हैं। वैसे यह सही है कि खाने को हम कितना भी सावधानीपूर्वक पकाएं, उसके 10-15 प्रतिशत पोषक तत्व नष्ट हो ही जाते हैं, लेकिन पकाने के फायदे भी हैं। इससे पाचकता सुधरती है और पोषक तत्व उस रूप में परिवर्तित हो जाते हैं, जो शरीर में आसानी से अवशोषित हो सके। कुछ खाद्य पदार्थों को पकाना बहुत महत्वपूर्ण है, क्योंकि हम उन्हें कच्चा नहीं खा सकते।

ताजगी है जरूरी

- ताजा भोजन करें। भोजन को बार-बार गर्म न करें।
- ताजे और मौसमी फल तथा सब्जियों का ही उपयोग करें।
- सब्जियों को काट कर कभी न धोएं। इससे विटामिन बी और सी नष्ट हो जाते हैं।
- फ्रिज में खाद्य पदार्थों को 4 डिग्री सेंटिग्रेट पर रखें। फ्रोजन फूड को 18 डिग्री पर और डिब्बा बंद को सूखे और ठंडे स्थान पर रखें।

रखें ख्याल

- पकाने से पहले सब्जियों को पानी में न भिगोएं। पोषक तत्व नष्ट हो जाएंगे।
- उन्हें कम पानी में पकाएं। पानी की मात्र जितनी कम होगी, उतने ही कम पोषक तत्व नष्ट होंगे।
- भोजन को ज्यादा देर न पकाएं। जितनी देर पकाएंगे, उसके पोषक तत्व उतने ही ज्यादा नष्ट हो जाएंगे।

बच्चे को अकेला छोड़कर जाते समय जरूरी बातें

वर्तमान एकल परिवार की संख्या बढ़ रही है और ज्यादातर घरों में पति-पत्नी दोनों काम करते हैं। ऐसे में घर में तीसरा मेहमान यानी बच्चा होने के बाद प्रोफेशनल लाइफ प्रभावित होती है। लेकिन धीरे-धीरे आपका बच्चा बड़ा होता है और आपको लगता है अकेले बच्चे को घर पर छोड़कर आप अपने काम से बाहर जा सकते हैं। बच्चे को घर पर अकेले छोड़कर जाना किसी मुसीबत को बुलाने से कम नहीं है, लेकिन अगर आपको लगता है कि आपका बच्चा समझदार हो गया है और वह अकेले घर पर रह सकता है तो कुछ जरूरी बातें बताकर अकेले उसे घर पर रख सकते हैं और अपने काम के लिए बाहर जा सकते हैं। तो बच्चे को घर पर अकेला छोड़ने से पहले उसे कुछ जरूरी बातें बताकर जाएं।

इमरजेंसी नंबर की जानकारी

बच्चे को घर पर अकेला छोड़ते समय सभी जरूरी नंबरों की एक लिस्ट रख कर जाइए। इस लिस्ट में आपका नंबर होने के अलावा सारे इमरजेंसी नंबर होने चाहिए जिससे जरुरत के समय आपके बच्चे आपको फोन मिलाकर स्थिति की जानकारी दे सकें। बच्चों को इमरजेंसी नंबरों के बारे में अच्छे से जानकारी दीजिए और उन्हें उसकी उपयोगिता की जानकारी दीजिए।

कमरे में लॉक न करें

अगर आप बाहर जा रहे हैं तो बच्चे को कमरे में लॉक करके बिलकुल भी न जाए अगर आप बाहर हैं और बच्चे को घर में लॉक करके जा रहे हैं और आपके पीछे कोई दुर्घटना हो गई तो बच्चे के लिए मुसीबत हो सकता है। अगर घर में आग लग गई तो वह जल सकता है, इसलिए बच्चे को कभी लॉक करके न जाएं।

दरवाजा बंद रखना सिखाइए

जब मां-बाप घर में नहीं होते, तो चोरी की घटना होना आम बात होती है। घर पर बच्चों को अकेला छोड़ने से पहले उन्हें सिखाएं कि खुद को अंदर कैसे बंद रखा जाता है। दरवाजा कैस लॉक करना है और उसे कैसे खोलना है। ये सारी बातों को उनको सिखाएं।

टीवी टाइम

बच्चे घर में होते हैं तो अपने मन की मर्जी चलाना चाहते हैं, उनकी नजर टीवी पर पहले पड़ती है। वह टीवी पर हर वह चीज देखना चाहते हैं, जो आप उन्हें देखने से मना करते हैं। इसलिए बच्चे को बता कर जाएं कि उसे टीवी कब देखना चाहिए, और ऐसे चैनल लॉक करके जाइए जिससे बच्चे को गंदी शिक्षा और जानकारी मिलती हो। घर से पहले पूरी तरह सुनिश्चित कीजिए कि आपका बच्चा घर में पूरी तरह सुरक्षित है या नहीं। उसकी सुरक्षा सुनिश्चित करने के बाद ही उसे घर में अकेला छोड़ें।

इमरजेंसी में दबाएं 9 का बटन...

देश में महिलाओं के खिलाफ बढ़ रहे अपराधों को देखते हुए सरकार मार्च से सभी मोबाइल में पैनिक बटन की शुरुआत करेगी, जिसके तहत मोबाइल में देर तक 9 नंबर वाला बटन दबाने से नजदीकी पुलिस और रिश्तेदारों को एलर्ट मैसेज जाएगा जिसमें यूजर की लोकेशन डिटेल होगी।

इस प्रोजेक्ट के लिए विमेन एंड चाइल्ड डेवलपमेंट मिनिस्ट्री और टेलिकॉम डिपार्टमेंट ने पिछले दिनों ही मोबाइल व टेलीकॉम कंपनियों के साथ एक मीटिंग की है। इस प्रोग्राम पर काम कर रहे एक अधिकारी के मुताबिक कंपनियां इसके लिए राजी हैं और मोबाइल फोन में यह फीचर मार्च से मिलना शुरू हो जाएगा।

बिना इंटरनेट होगा काम

मार्च में इस सर्विस की शुरुआत होगी जिसके तहत मोबाइल के 9 नंबर के बटन को कुछ देर तक लगातार दबाए रखने पर 9 लोगों को अपने लोकेशन की डिटेल भेजी जा सकती है। यही नहीं, यह तय करना भी यूजर के हाथ में होगा कि उसे किन 9 लोगों को इमरजेंसी के दौरान एलर्ट मैसेज और लोकेशन डिटेल भेजनी है ताकि वे उसकी मदद को आ सकें। इनमें से एक मैसेज नजदीकी पुलिस स्टेशन को जाएगा।बिना इंटरनेट और जीपीएस वाला डेडिकेटेड पैनिक बटन कारगर साबित होगा।

करना होगा काम

इस प्रोग्राम के तहत फीचर फोन में डेडिकेटेड पैनिक बटन होने की भी बात चल रही है। दरअसल, फीचर फोन में इंटरनेट नहीं होने से इनमें जीपीएस काम ही नहीं करता है। जाहिर है, ऐसे मोबाइल से खतरे की स्थिति में अपनी लोकेशन भेज पाना मुश्किल है। हां, अगर मोबाइल और टेलिकॉम कंपनियां मिलकर खास पैनिक बटन पर काम करें तो यह इमरजेंसी में लोगों के काफी काम आ सकता है। बशर्ते इसके लिए इंटरनेट और स्मार्टफोन की जरूरत न हो।

महिला सुरक्षा है मकसद

इस पैनिक बटन का मकसद देश में महिला सुरक्षा लाना है। कई देशों में पैनिक सिस्टम ने महिलाआ सुरक्षा बहाल करने में काफी मदद की है। भारत में महिलाओं की सुरक्षा को लेकर हालात ठीक नहीं हैं। इसके लिए सख्त कदम उठाए जाने की जरूरत है और मोबाइल में ऐसे फीचर हालात सुधारने में मदद करेंगे। गौरतलब है कि इससे पहले भी एप बेस्ड पैनिक की शुरुआत कुछ राज्यों में हुई थी पर जीपीएस और इंटरनेट ना होने की वजह से ये फेल हो चुकी हैं।

रेसिपी

चिली पटॅटोस्

सामग्री

3 कप आधे उबले हुए पटेटो फींगर्स, तेल , तलने के लिए, 2 टी-स्पून कोर्नफ्लॉर, 1 टेबल-स्पून तेल, 2 टी-स्पून बारीक कटी हुई हरी मिर्च, 1 टेबल-स्पून बारीक कटा हुआ लहसुन, 1 टी-स्पून बारीक कटा हुआ अदरक, 1/4 कप बारीक कटी हुई हरी प्याज का सफेद भाग और पत्ते,1 टेबल-स्पून टॅमॅटो कैचप,1 टेबल-स्पून चिली सॉस,1 टी-स्पून सोया सॉस, नमक स्वादअनुसार

विधि

एक गहरी नॉन-स्टिक कढ़ाई में तलने के लिए तेल गरम करें, थोड़े-थोड़े पटेटो फींगर्स डालकर, उनके सभी तरफ से सुनहरा होने तक तल लें। तेल सोखने वाले कागज पर निकाल लें। एक तरफ रख दें। कोर्नफ्लार और द कप पानी को एक बाउल में अच्छी तरह मिला लें और एक तरफ रख दें। एक चौड़े नॉन-स्टिक पॅन या वॉक में तेल गरम करें, लहसुन, अदरक और हरी मिर्च डालकर, तेज आंच पर कुछ सेकन्ड तक भुन लें। हरी प्याज़ का सफेद भाग और पत्ते, टोमेटो कैचप, चिली सॉस, सोया सॉस, कोर्नफ्लॉर-पानी का मिश्रण और नमक डालकर अच्छी तरह मिला लें और कुछ सेकन्ड तक तेज आंच पर भुन लें। तले हुए पटेटो फींगर्स डालकर हल्के हाथों मिला लें और तेज आंच पर 1 मिनट तक पका लें। हरी प्याज का सफेद भाग और पत्तों से सजाकर तुरंत परोसें।

पास्ता ट्विस्टस्

सामग्री

1 टी-स्पून तेल, नमक स्वादअनुसार, 1 कप ग्लूटन मुक्त पास्ता (बाजार में उपलब्ध), 1 1/2 टी-स्पून सूखे मिले-जुले हर्बस, 1/2 टी-स्पून ,ताजी पिसी काली मिर्च, तेल , तलने के लिए

विधि

एक चौड़े नॉन-स्टिक पन में बर्तन भर पानी उबालें, तेल, नमक और पास्ता डालकर, मध्यम आंच पर 10-12 मिनट या पास्ता के 50 प्रतिशत पक जाने तक उबाल लें, बीच-बीच में हिलाते रहें जिससे पास्ता नीचे चिपके नहीं। छानकर 10 मिनट के लिए एक तरफ रख दें। उसी समय, मिले-जुले हर्ब, काली मिर्च और थोड़े नमक को एक बाउल में डालकर अच्छी तरह मिला लें। एक तरफ रख दें। एक नॉन-स्टिक कढ़ाई में तेल गरम करें और पास्ता डालकर, उनके सभी तरफ से सुनहरा और करारा होने तक तल लें। तेल सोखने वाले कागज पर निकाल लें, हर्ब-काली मिर्च का मसाला छिड़के और मिला लें। पुरी तरह ठंडा कर हवा बन्द डब्बे में रखकर संग्रह करें।

कलावा व मौली बांधना स्वास्थ्य के लिए फायदेमंद

अगर गौर किया जाए तो लगभग सभी धर्मों में पूजा-पाठ आदि से संबंधित नियम होते हैं, और इस सभी नियम और संस्कारों के स्वास्थ लाभ होते हैं और ये वैज्ञानिक तौर पर भी देखा गया है। हिंदू धर्म में भी पूजा-पाठ और शुभ अवसरों पर कलाई पर मौली यानी कलावा बांधा जाता है। क्या कभी आपने सोचा है कि इसके पीछे क्या कारण हो सकता है? नहीं! तो चलिए जानते हैं कि कलाई पर मौली यानी कलावा बांधने के पीछे क्या स्वास्थ लाभ हैं और क्या इसे वैज्ञानिक कारणों से भी बांधा जाता है।

कहां से हुई शुरुआत

शास्त्रों के मुताबिक मौली या कलावा बांधने की परंपरा की शुरुआत देवी लक्ष्मी और राजा बलि के द्वारा की गई थी। कलावे को रक्षा सूत्र भी माना जाता है। ऐसी मान्यता है कि कलाई पर इसके बाधे पाने से जीवन पर आने वाले संकट से रक्षा होती है। मान्यता है कि कलावा बांधने से तीनों देवों - ब्रह्मा, विष्णु और महेश की कृपा बनती है। साथ ही तीनों देवियों सरस्वती, लक्ष्मी और पार्वती की भी कृपा मिलती है। वहीं वेदों में लिखा है कि वृत्रासुर से युद्ध के लिए जाते समय इंद्राणी शची ने भी इंद्र की दाहिनी भुजा पर रक्षासूत्र (जिसे मौली या कलावा भी कहते हैं) बांधा था। जिससे वृत्रासुर को मारकर इंद्र विजयी बने और तभी से रक्षासूत्र या मौली बांधने की प्रथा शुरू हुई। कहा जाता है कि मौली में उक्त देवी या देवता अदृश्य रूप से विराजमान रहते हैं, और इसीलिए पूजा करके यह कलावा या रक्षा सूत्र बांधा जाता है। मौली का धागा कच्चे सूत से बनाया जाता है और यह कई रंगों जैसे, लाल, पीला, सफेद या नारंगी आदि का होता है। मान्यता है कि इसे हाथों पर बांधने से बरक्कत भी होती है।

विज्ञान के अनुसार महत्व

शरीर विज्ञान के हिसाब से शरीर के कई प्रमुख अंगों तक पहुंचने वाली नसें कलाई से होकर जाती हैं। जब कलाई पर मौली या कलावा बांधा जाता है तो इससे इन नसों की क्रिया नियंत्रित होती हैं। इससे त्रिदोष (वात, पित्त और कफ) को काबू किया जाता है। ऐसा भी माना जाता है कि कलावा बांधने से रक्तचाप, हृदय रोग, मधुमेह और लकवा जैसी स्वास्थ्य समस्याओं से काफी हद तक बचाव होता है। पुरुषों और अविवाहित लड़कियों के दाएं हाथ में और विवाहित महिलाओं के बाएं हाथ में मौली या कलावा बांधा जाता है। मान्यता है कि वाहन, बही-खाता, मेन गेट, चाबी के छल्ले और तिजोरी आदि पर भी पवित्र मौली या कलावा बांधने से लाभ होता है। मौली से बनी सजावट की वस्तुएं घर में रखने से बरक्कत होती है और खुशियां आती हैं।

मुद्रक एवं प्रकाशक राकेश शर्मा द्वारा अजय त्यागी के लिए ईको प्रिंटिंग प्रेस, पोस्ट एवं पीएस : गड़चुक, कटाबाड़ी मस्जिद के पास, कामरूप (मेट्रो), गुवाहाटी-35 से मुद्रित एवं **गुड लक पब्लिकेशंस, हाउस नं. 30, डी. नेउग पथ, डोना प्लैनेट के नजदीक, एबीसी, जीएस रोड गुवाहाटी-5 से प्रकाशित।**
संपादक : राकेश शर्मा, मोबाइल : 94350-14771, 97070-14771 ● **कार्यकारी संपादक : डॉ. आसमां बेगम ● फोन : 0361-2960054 (संपादकीय)** e-mail : viksitbharatsamacharghy@gmail.com, **(सभी विवाद सिर्फ गुवाहाटी न्याय क्षेत्र के अधीन)**